जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 30 संख्याः 7 प्रभात अजमेर, बुधवार 6 अगस्त, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

बार-बार ब्याज दर घटाने के बाद भी बाज़ार में डिमांड क्यों नहीं बढ़ रही है

'जेब में पैसा होना ही पर्याप्त नहीं है, खरीददारी करने के लिए उपभोक्ता में इच्छा होना भी जरुरी है'

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- रिज़र्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा, ब्याज दर में कटौती कोई ''जादू की छड़ी'' नहीं है, अगर बाज़ार की दशा सुधारनी है तो इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर स्किल तक हर स्तर पर गहन सुधार करने होंगे।
- खुदरा बाज़ार में महँगाई 6 साल में सबसे कम स्तर पर है, पर, यह खुशी की बात नहीं है, क्योंकि बाज़ार ठप्प है, खासकर रियल एस्टेट और ऑटोमोबाइल सैक्टर में भारी मंदी है। इस वर्ष जून में कारों की बिक्री 18 माह में न्यूनतम स्तर पर रही है, बड़े शहरों में जमीनों की खरीद फरोख्त में भारी कमी आई है।
- इसका संकेत साफ है, माँग कमज़ोर है और इतनी कमज़ोर है कि सिर्फ ब्याज दर में कटौती से कुछ नहीं होगा।

नई दिल्ली, 5 अगस्त। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा ब्याज दरों में लगातार कटौतियों के बाद यह उम्मीद की जा रही थी कि सस्ता ऋण धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकेगा, लेकिन इसके बावजूद समग्र आर्थिक परिदृश्य और अधिक धुंधला होता जा रहा है, जबकि महंगाई में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जिससे आरबीआई को कुछ हद तक निर्णय लेने की गुंजाइश मिली है, फिर भी अपेक्षित आर्थिक वृद्धि सामने नहीं आई है। मॉनेटरी ईज़िंग और वास्तविक आर्थिक परिणामों के बीच यह असम्बद्धता सवाल खड़े कर रही है कि क्या आरबीआई अब अपनी हद तक पहुंच चुकी है, जहाँ वह अकेले ज्यादा कुछ नहीं कर सकती।

भारत की खुदरा महंगाई दर घटकर छह साल के निचले स्तर लगभग 2.1-2.2 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जिसका प्रमुख कारण कमजोर मांग और कोर मूल्यों में गिरावट है। लेकिन यह जश्न मनाने का कारण नहीं है। वे क्षेत्र, जो उपभोक्ता भावनाओं पर सबसे अधिक निर्भर करते हैं, जैसे ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट, अभी भी संघर्ष कर रहे हैं। जून में कार बिक्री 18 महीनों के निचले स्तर पर आ गई और वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में प्रमुख शहरों में संपत्ति लेन-देन में भारी गिरावट दर्ज की गई। संदेश साफ है: मांग कमजोर है, और केवल दरों में कटौती से इसे पुनर्जीवित नहीं किया जा सकता।

चिंता की एक और बात यह है कि पॉलिसी दरों में गिरावट के बावजूद, व्यावसायिक बैंक ऋण देने में हिचक रहे हैं। खुदरा ऋण वृद्धि में भारी गिरावट देखी गई है, विशेष रूप से क्रेडिट कार्ड और वाहन ऋण जैसे क्षेत्रों में, जहां बकाया राशि तेजी से बढ़ रही है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, क्रेडिट कार्ड पर 90 दिनों की बकाया राशि जून 2025 तक साल-दर-साल दोगुनी होकर 338 अरब हो गई है। जोखिम बढ़ने के चलते बैंक अपने मानदंडों को सख्त बना रहे हैं, जिससे सस्ता फंड भी लोगों और व्यवसायों तक नहीं पहुंच पा रहा।

जहाँ दरों में कटौती लागू भी की गई है, वहाँ भी आम उपभोक्ताओं और व्यवसायों तक इसका असर पहुंचने में समय लग रहा है। फरवरी से आरबीआई ने रेपो रेट में 100 बेसिस पॉइन्ट की और कैश रिजर्व रेशियो (सीआरआर) में भी 100 बेसिस पाइन्ट्स की कटौती की है, लेकिन बैंकों के माध्यम से इसका प्रभाव आंशिक ही रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि ब्याज दरों में कटौती संरचनात्मक बाधाओं-जैसे धीमी अवसंरचना प्रगति, जटिल विनियमन और कमजोर सरकारी खर्च को दूर नहीं कर सकती, जो व्यावसायिक विश्वास पर असर डालते हैं।

बाहरी चुनौतियाँ भी इस स्थिति को और बिगाड़ रही हैं। वैश्विक मांग कमजोर है, और अमेरिका द्वारा लगाए गए नए शुल्क जैसे भू-राजनीतिक दबावों ने भारत के निर्यात को प्रभावित किया है। इसके साथ ही, भारत की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

नयी दिल्ली, 05 अगस्त। बिहार और जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल और मशहूर किसान नेता सत्यपाल मलिक का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद यहां राम मनोहर लोहिया अस्पताल में निधन हो गया। वे 79 वर्ष के थे।

- गत 11 मई से वे संक्रमण की शिकायत के कारण अस्पताल में भर्ती थे।

सोशल मीडिया एक्स पर दी गई जानकारी के अनुसार, उन्हें गत 11 मई को अस्पताल में संक्रमण की शिकायत के बाद भर्ती कराया गया था। किडनी की समस्या के कारण उनकी अस्पताल में डायलिसिस की जाती थी।

उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''सत्यपाल मलिक जी के निधन से दुःखी हूँ। इस दुःख की घड़ी में मेरी संवेदनाएँ उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं। ओमशांति।''

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने शोक संदेश में कहा कि लोग उन्हें हमेशा ऐसे इंसान के रुप में याद रखेंगे, जो आखिरी वक्त तक बिना डरे सच बोलते रहे और जनता के हितों की बात करते रहे। राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव तथा आप प्रमुख अरविन्द्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आखिर क्यों भतीजे को लोकसभा में पार्टी का नेता बनाया ममता ने?

चर्चा है कि भतीजे अभिषेक की बढ़ती महत्वाकांक्षा के कारण ममता को उन्हें यह पद देना पड़ा है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- तृणमूल में अभिषेक का दबदबा निरंतर बढ़ रहा है, यही नहीं, कल्याण बनर्जी और कुणाल घोष जैसे नेता तो खुलेआम कह रहे हैं कि अभिषेक को पार्टी नेतृत्व सौंप दिया जाए और विधानसभा चुनाव में वे पार्टी की रणनीति व टिकट वितरण तय करें।
- अभिषेक बनर्जी अक्सर पार्टी के बुजुर्ग नेताओं को रिटायर करने की बात करते रहते हैं, लेकिन ममता बनर्जी, जो खुद 70 साल की हो चुकी हैं, ऐसा करने को तैयार नहीं हैं। वे पार्टी के बुजुर्ग नेताओं को भी साथ रखना चाहती हैं।
- हालांकि, अभिषेक पर दबाव बनाने के लिए ममता बनर्जी ने उनके समर्थक कल्याण बनर्जी को लोकसभा में पार्टी के चीफ व्हिप पद से हटा दिया।

नई दिल्ली, 5 अगस्त। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने पार्टी के संसदीय दल में चल रहे आपसी झगड़ों को खत्म करने और अनुशासन लाने की कोशिश शुरू कर दी है, लेकिन पार्टी के भीतर का संघर्ष अभी खत्म होता नहीं दिख रहा है।

हाल की घटनाएं तृणमूल कांग्रेस के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक (व्हिप) कल्याण बनर्जी ने इस्तीफा दे दिया है और उनकी जगह काकोली घोष दस्तीदार को नियुक्त किया गया है। इससे जुड़ी एक और अहम बात यह है कि ममता बनर्जी ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को लोकसभा में पार्टी नेता और अभिनेत्री से नेता बनीं शताब्दी रॉय को उपनेता नामित किया है।

ये बदलाव देखने में तो अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले संसदीय दल में परिवर्तन के कदम लग सकते हैं, लेकिन मामला इतना सीधा नहीं है।

कल्याण बनर्जी ने यह इस्तीफा इसलिए दिया, क्योंकि उन्हें एक पुराने विवाद में महुआ मोइत्रा के खिलाफ ममता बनर्जी का समर्थन नहीं मिला। यह विवाद तब और बढ़ गया, जब महुआ मोइत्रा ने एक पॉडकास्ट में उन्हें ''सुअर'', ''महिला विरोधी'' और ''यौन कुंठित'' कहा।

कल्याण बनर्जी और महुआ मोइत्रा के बीच का यह झगड़ा काफी पुराना है। जून में कल्याण ने महुआ पर बीजेडी के पूर्व सांसद पिनाकी मिश्रा का 40 साल पुराना वैवाहिक जीवन तोड़ने का आरोप लगाते हुए, उन्हें ''महिला विरोधी'' बताया था। जब महुआ ने पिनाकी से शादी की, तो कल्याण ने कहा कि डेढ़ महीने लम्बे ''हनीमून से लौटकर मुझे उकसा रही हैं।'' अप्रैल में चुनाव आयोग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूस ने ट्रंप की भारत को दी गई टैरिफ धमकी को गैर वाजिब, गैर कानूनी और अनैतिक करार दिया

रूस ने कहा, सभी संप्रभु देशों को अपना ट्रेडिंग पार्टनर चुनने का पूर्ण अधिकार है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत को धमकी दी है कि अगर भारत ने रूस से तेल खरीद जारी रखी तो उसका टैरिफ बढ़ा दिया जाएगा। अमेरिका 25 प्रतिशत टैरिफ पहले ही लगा चुका है।
- अमेरिका की धमकियों के बीच भारत से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को मॉस्को भेजा जा रहा है।
- रूस के राष्ट्रपति पुतिन का भी, द्विपक्षीय शिखर वार्ता के लिए भारत आने का कार्यक्रम है।
- इसी बीच पता चला है कि अमेरिका की धमकियों के बीच रूस ने भारत के लिए कच्चे तेल की कीमतों में कमी करने के संकेत दिए हैं।

नई दिल्ली, 5 अगस्त। एक ओर मोदी सरकार ने जहाँ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को मॉस्को भेजने का निर्णय लिया है, वहीं रूस ने अपने पुराने मित्र भारत का पक्ष लेते हुए अमेरिका पर ''गैरकानूनी'' व्यापारिक दबाव डालने का आरोप लगाया है। रूस ने यह कदम उस वक्त उठाया है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत पर शुल्क बढ़ाने की धमकी दोहराई।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पत्रकारों से कहा, ''हमें कई ऐसे बयान सुनाई दे रहे हैं, जो वास्तव में धमकी हैं, देशों को रूस के साथ व्यापारिक संबंध तोड़ने के लिए मजबूर करने के प्रयास हैं। हम ऐसे बयानों को वैध नहीं मानते।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कावड़ यात्रा में भगदड़ से दो महिलाओं की मौत

सीहोर, 05 अगस्त। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के कुबेरेश्वर धाम में मंगलवार को अचानक भगदड़ मच गई, जिसमें जहां घटना में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि दो महिलाओं की हालत काफी गंभीर है। बता दें, कुबेरेश्वर धाम को कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा के लिए जाना जाता है। दरअसल, 6 अगस्त को कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की अगुवाई में कांवड़ यात्रा निकाली जानी है। यात्रा से पहले सीवना नदी घाट से कुबेश्वर धाम तक भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। हालात ये हैं कि इंदौर-भोपाल हाइवे पर जाम की स्थिति बन गई है। इसी बीच कुबेरेश्वर

- कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा द्वारा निकाली गई कावड़ यात्रा में भक्तों की अत्यधिक भीड़ उमड़ी और भगदड़ मच गई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत को धमकाने वाले ट्रंप चीन पर चुप हैं, चीन ट्रंप को उन्हीं की भाषा में जवाब देता है

चीन ही नहीं, प्रमुख अर्थशास्त्री भी मानते हैं, ट्रंप धमकी देते हैं और हमेशा पीछे हट जाते हैं (ट्रंप ऑलवेज़ चिकन्स आउट)

-अंजन रॉय-
-अमेरिका में राष्ट्रदूत के प्रतिनिधि-

- ट्रंप ने चीन को भी टैरिफ वृद्धि की धमकी दी, पर, जैसे ही चीन ने ''रेअर अर्थ मैग्नेट'' की आपूर्ति रोकने की धमकी दी, ट्रंप ने चीन का उल्लेख करना ही छोड़ दिया।
- यही नहीं, वे यूरोप के देशों पर भी मौन ही रहते हैं, जो गैस आपूर्ति के लिए पूरी तरह से रूस पर आश्रित हैं। खुद अमेरिका भी रूस से काफी आयात करता है।

वॉशिंगटन, 5 अगस्त। जब भारत ने रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल आयात करना जारी रखा, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने उस पर ज़ोरदार हमला बोला। लेकिन चीन द्वारा इससे भी अधिक मात्रा में रूसी तेल आयात करने पर उन्होंने एक शब्द तक नहीं कहा है।

ऐसा इसलिए क्योंकि चीन ने भी उस भाषा का प्रयोग किया जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति बेहतर समझते हैं, ''दादागिरी''। ट्रंप की प्रतिक्रियाएं, ट्रंप को लेकर वॉल स्ट्रीट और चीन की परिभाषा को सही साबित करती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपनी उस छवि पर खरे उतरे हैं जिसे ''टाको'' (टी.ए.सी.ए.) कहा जाता है, अर्थात् ''ट्रंप ऑलवेज़ चिकन्स आउट'' (ट्रंप हमेशा पीछे हट जाते हैं)।

जब ट्रंप ने चीन पर अधिक टैरिफ लगाने की धमकी दी, तो चीन ने जवाब में अमेरिका को दुर्लभ खनिजों और मैग्नेट्स की आपूर्ति रोकने की धमकी दी। जब ट्रंप को इन खतरों का असर समझ आया, तो वे तुरंत पीछे हट गए और चीनी सामानों पर टैरिफ कम कर दिया। भारत के मामले में ट्रंप ने ज्यादा टकराव का रुख अपनाया। एक अमेरिकी समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अगर भारत ने रूस से तेल आयात तुरंत नहीं रोका, तो वे भारतीय निर्यात पर एक दिन के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भारत पर 24 घंटे में और टैरिफ बढ़ाऊंगा'

नई दिल्ली, 05 अगस्त। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से भारत को धमकी देते हुए कहा कि वह टैरिफ में भारी वृद्धि करेंगे। उन्होंने मंगलवार को कहा, ''भारत, रूस से सामान खरीद रहा है।

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत को एक और धमकी दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तराखंड में पीड़ितों की मदद में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी - मोदी

नयी दिल्ली, 05 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तरकाशी के धराली में बादल फटने की त्रासदी से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए प्रभावित लोगों के कुशलक्षेम की कामना भी की है।

प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भी बात की और स्थिति का जायजा लिया। मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा,उत्तरकाशी के धराली में हुई इस त्रासदी से प्रभावित लोगों के प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। इसके साथ ही सभी पीड़ितों की कुशलता की कामना करता हूं। लोगों तक मदद पहुंचाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जा रही है। शाह ने कहा है कि उन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से बात कर घटना की जानकारी ली है। आईटीबीपी की निकटतम तीन टीमों को वहाँ भेज दिया गया है, साथ ही राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की चार टीमें भी घटनास्थल के लिए रवाना कर दी गई हैं, जो शीघ्र पहुँच कर बचाव कार्य में मदद करेंगी।

- अमित शाह ने आईटीबीपी की तीन टीम तथा राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की चार टीम घटनास्थल पर भेजीं।

उत्तरकाशी में बादल फटा, मात्र 34 सैंकेड में सैंकड़ों घर और होटल मलबे में बदले

सेना के 8-10 जवान सहित, अभी तक 50 से ज्यादा लोग लापता

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में मंगलवार, 5 अगस्त को इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक बादल फटने की घटना हुई, जिसने भारी तबाही मचाई। यह हादसा गंगोत्री धाम की ओर जाने वाले मार्ग के एक प्रमुख पड़ाव धराली में हुआ, जिससे खीर गंगा नदी में विनाशकारी बाढ़ आ गई।

इस बाढ़ में लगभग 20 से 25 होटल और होमस्टे पूरी तरह तबाह हो गए। हर्षिल क्षेत्र में सेना के एक बेस को भी भारी नुकसान पहुंचने की खबरें हैं। निचले इलाकों में बड़े पैमाने पर नुकसान के समाचार मिले हैं। बहुत से होटल और मकान मलबे में दब गए हैं और कई लोगों के लापता होने की आशंका है।

हालांकि अभी तक मृतकों और लापता लोगों की आधिकारिक संख्या सामने नहीं आई है, लेकिन अपुष्ट खबरों के मुताबिक करीब 4 लोगों की मौत हुई है और बड़ी संख्या में होटल कर्मी व मजदूर लापता हैं। स्थानीय लोगों द्वारा साझा किए गए वीडियोज़ में देखा जा सकता है कि धराली के कई होटल और मकान तिनकों की तरह बह गए। एक स्थानीय निवासी ने प्रारम्भिक रिपोर्टों के आधार पर बताया कि हर्षिल के ऊपरी क्षेत्र में बादल फटने के बाद आई तेज बाढ़ में शहर के कम से कम 20 निवासी बह गए।

उत्तराखंड के धाराली गांव में हुए भूस्खलन के वीडियो से दो फोटोएं निकाली गईं हैं, जो इस भूस्खलन से हुए भारी विध्वंस को दर्शाती हैं।

- मंगलवार दोपहर 2 बजे धराली में बादल फटा, जो कि गंगोत्री जाने के रास्ते का प्रमुख पड़ाव है। बादल फटते ही खीर गंगा नदी तुरंत उफान पर आ गई और उसके बहाव में सैंकड़ों घर, होटल आदि बह गए।
- प्रशासन ने राहत कार्य शुरु कर दिए हैं, इसमें वायु सेना की भी मदद ली गई है।
- उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हादसे पर गहरा दुख जताया।

अधिकारियों का कहना है कि जान-माल का बड़ा नुकसान होने की आशंका है। इस आपदा की सूचना मिलते ही राहत और बचाव दल मौके के लिए रवाना कर दिए गए हैं।

मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे धराली कस्बे के पास बादल फटा, जिससे खीर गंगा में अचानक बाढ़ आ गई। किसी को संभलने तक का मौका नहीं मिला। यह दिल दहला देने वाली बाढ़ पल भर में सब कुछ बहा ले गई।

बाढ़ को देखकर, कई ग्रामीणों ने शोर मचाकर और सीटी बजाकर लोगों को सतर्क किया। वहीं, आपातकालीन कार्यवाही केन्द्र (इमर्जेंसी ऑपरेशंस सेन्टर) से मिली जानकारी के अनुसार,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खड़गे -राहुल- प्रियंका ने धराली के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की

नयी दिल्ली, 05 अगस्त। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तराखंड में उत्तरकाशी के धराली में आज बादल फटने की घटना पर गहरा दुख जताते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति संवेदना वयक्त की है। खरगे ने सोशल मीडिए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''उत्तराखंड के धराली (उत्तरकाशी) में बादल फटने से हुई तबाही वाकई दिल दहला देने वाली है। उन्होंने कहा, ''इस भयानक त्रासदी से प्रभावित लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। लापता लोगों के सुरक्षित लौटने की कामना करता हूँ। कांग्रेस के साथियों से अपील है कि वे राहत और बचाव कार्य में हरसंभव मदद करें।

- उन्होंने सरकार से बचाव कार्यों में और तेजी लाने की अपा

राहुल गांधी ने कहा धराली में बादल फटने से आई भारी तबाही के कारण कई लोगों की मौत और कई अन्य के लापता होने की खबर बेहद दुखद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अगर तुम गलतियों को रोकोगे, तो भी सत्य बाहर आ जायेगा। –टैगोर

भारतीय अर्थव्यवस्था परवान चढ़ती हुई या मरी हुई!

हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर एक विवादास्पद टिप्पणी की जिसमें उन्होंने कहा कि ''भारतीय अर्थव्यवस्था मरी हुई है''। विपक्ष के नेता ने मरी हुई अर्थव्यवस्था का शब्द अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान से लिया था जिसमें भारत और रूस के बीच घनिष्ठ संबंधों को लेकर तीखा हमला बोला गया था और कहा गया था कि भारत और रूस दोनों देश मिलकर अपनी ''मृत अर्थव्यवस्थाओं'' को गर्त में ले जा रहे हैं। राहुल गांधी का ट्रम्प की टिप्पणी को समर्थन करता यह कथन न केवल राजनीतिक दृष्टि से तीखा था, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अनेक बहसों को जन्म देने वाला साबित हुआ। यहां यह सवाल भी स्वाभाविक रूप से उठा कि क्या विपक्ष के नेता का यह बयान एक राजनीतिक अतिशयोक्ति है या इसके पीछे ठोस तथ्य और आंकड़े भी मौजूद हैं? बेहतर होता विपक्ष के नेता अपने कथन को साबित करने वाले तथ्य भी साथ में देते। मीडियाकर्मियों ने भी उनसे उसी प्रकार कोई उलट सवाल नहीं किया जिस प्रकार के सवाल नहीं करने के आरोप प्रधानमंत्री समर्थक मीडिया पर उठते आए हैं। राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय आया है जब विपक्ष लगातार आरोप लगा रहा है कि मोदी सरकार केवल आंकड़ों की बाजीगरी कर रही है, जबकि आम जनता की स्थिति दिन–ब–दिन बदतर होती जा रही है। हालांकि राहुल गांधी अक्सर सरकार की आर्थिक नीतियों पर प्रश्न उठाते रहे हैं, लेकिन उनका देश की अर्थव्यवस्था को ''मरी हुई अर्थव्यवस्था'' कहना एक गंभीर आरोप है, जिसका अर्थ यह है कि अर्थव्यवस्था न केवल संकट में है बल्कि उसमें सुधार की गुंजाइश भी नगण्य हैं। राजनीतिक दृष्टि से यह बयान उस राजनीतिक रणनीति का हिस्सा भी हो सकता है जिसमें एक ऐसा प्रहार है जो जनता को सोचने पर मजबूर करे कि 'अमृतकाल' और '5 ट्रिलियन डॉलर इकॉनॉमी' की बातें ज़मीनी हकीकत से कितनी मेल खाती हैं। सोशल मीडिया पर राहुल गांधी के इस बयान को लेकर दो प्रकार की अपेक्षित प्रतिक्रियाएं आई हैं। एक वर्ग ने उन्हें 'नकारात्मक मानसिकता' वाला कहा, तो दूसरे ने कहा कि ''कम से कम कोई तो ज़मीन की बात कर रहा है।'' लेकिन यह भी दिलचस्प है कि राहुल गांधी की पार्टी के ही दो वरिष्ठ नेताओं शशि थरूर और राजीव शुक्ला ने बयान दिया कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत है और अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

सरकारी दृष्टिकोण से देखा जाए तो भारत एक मजबूत और संभावनाओं से भरी अर्थव्यवस्था है, जो वैश्विक आर्थिक मंदी के बीच भी स्थिरता बनाए हुए है। सरकार के समर्थकों का कहना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ''मृत अर्थव्यवस्था'' होने से कोसों दूर है। वास्तव में, यह अपनी गतिशील और अपनी विविधता वाली संरचना के साथ, विश्व स्तर पर सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। वे मजबूत विकास दर के आकड़ों का हवाला देते हैं। जैसे वित्त वर्ष 23/24 में भारत की जीडीपी में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे यह विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गई। इसका श्रेय सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में निवेश, रियल एस्टेट में घरेलू निवेश तथा साथ में 9.9 प्रतिशत की तेज वृद्धि से बढ़ते विनिर्माण क्षेत्र को दिया जाता है। वित्त वर्ष 2026 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.4 से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने इसके 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान लगाया है। भारत वर्तमान में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के हिसाब से पांचवी सबसे बड़ी और क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के हिसाब से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसका सकल घरेलू उत्पाद वित्त वर्ष 2025 में 3.82 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है। इसके 2025 में इसके जापान को पीछे छोड़कर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है और 2027–2030 तक इसके तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान है।

आर्थिक विकास को गति देने वाले प्रमुख क्षेत्र में सेवा क्षेत्र सबसे बड़ा है जो सकल घरेलू उत्पाद में 60 प्रतिशत का योगदान देता है। इसमें आईटी, वित्त और बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग प्रमुख है। भारत के आईटी–बीपीएम क्षेत्र का 2025 तक सकल घरेलू उत्पाद में 10 प्रतिशत योगदान होने का अनुमान है, जिसका 80 प्रतिशत राजस्व निर्यात से आएगा। इसी प्रकार विनिर्माण क्षेत्र में वित्त वर्ष 25 में 6.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसे निजी निवेश और मेक इन इंडिया जैसी सरकारी पहलों का समर्थन मिला। निर्यात को देखें तो वित्त वर्ष 2025 में वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात 5.5 प्रतिशत बढ़कर 820.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो भारतीय उत्पादों की वैश्विक मांग को दर्शाता है। नवीकरणीय ऊर्जा को लें तो भारत 2025 तक अमेरिका और पश्चिम एशिया के साथ 100 गीगावाट की अनुमानित क्षमता के साथ, महत्वपूर्ण सौर क्षमता जोड़ रहा है। मगर जहां जीडीपी वृद्धि दर ऊंची है, वहीं कुछ बिंदु राहुल गांधी के बयान को जरूर प्रासंगिक बना सकते हैं जैसे बेरोजगारी की स्थिति। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन ईकानमी के अनुसार, भारत में बेरोजगारी दर 7 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। युवाओं में बेरोजगारी की दर तो और भी अधिक है, विशेषकर शहरी क्षेत्रों में। स्नातकों और शिक्षित युवाओं के लिए अवसरों की कमी एक गहरा संकट है। जीडीपी बढ़ती है, लेकिन रोजगार क्यों नहीं बढ़ते – यह प्रश्न बेहद गंभीर है। इसी प्रकार भले ही सरकार कहे कि मुद्रास्फीति नियंत्रण में है, लेकिन आम जनता के लिए रसोई गैस, पेट्रोल, खाद्य वस्तुएं, दवाइयां और शिक्षा जैसी बुनियादी चीजों पर खर्च भारी पड़ रहा हैं। ऐसी स्थिति में लोगों को सुहावने आर्थिक आंकड़े खोखले लगने लगते हैं और विपक्ष के नेता की अतिशयोक्ति वाली टिप्पणी बहुतों को भाने लगती है।

> **एक वर्ग ने उन्हें 'नकारात्मक मानसिकता' वाला कहा, तो दूसरे ने कहा कि ''कम से कम कोई तो ज़मीन की बात कर रहा है।'' लेकिन यह भी दिलचस्प है कि राहुल गांधी की पार्टी के ही दो वरिष्ठ नेताओं शशि थरूर और राजीव शुक्ला ने बयान दिया कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत है और अच्छा प्रदर्शन कर रही है।**

उधर ऑक्सफाम की रिपोर्ट भारत में आर्थिक असमानता की बात करती है। वह कहती है कि कुल राष्ट्रीय संपत्ति का बड़ा हिस्सा कुछ प्रतिशत अमीरों के पास केंद्रित है। यदि आर्थिक विकास केवल कुछ लोगों को ही समृद्ध बनाए और बाक़ी देश हाशिये पर रहे, तो उसे 'मृतप्राय:' कहना बहुतों को अतिशयोक्ति नहीं लगता। अनेक अर्थशास्त्री भी इस बात को स्वीकार करते हैं कि भारत में विकास हो रहा है, लेकिन वह असंतुलित है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष तथा विश्व बैंक जैसी एजेंसियां भारत की विकास दर को सराहते हुए भी बार–बार इस पर ज़ोर देती हैं कि सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में भारी निवेश आवश्यक है ताकि देश की आबादी में आर्थिक असामानता कम हो सके।

यह जरूर है कि राहुल गांधी का ''मरी हुई अर्थव्यवस्था'' वाला बयान भाषाई दृष्टि से अत्यंत आक्रामक है। इसमें अतिशयोक्ति अवश्य है क्योंकि देश की अर्थव्यवस्था मरी हुई तो कत्तई नहीं है – वह गतिमान है, बढ़ रही है, और कुछ क्षेत्रों में तेज़ी से भी बढ़ रही है। लेकिन यह भी सच है कि देश की बड़ी आबादी उस विकास को महसूस नहीं कर पा रही है। राहुल गांधी का बयान उसी भावना को उजागर करता है जिसे लाखों लोग रोज़ अनुभव करते हैं: नौकरी नहीं मिल रही, छोटा व्यापार नहीं चल रहा, महंगाई बढ़ रही है। राहुल गांधी का यह बयान राजनीतिक रूप से भले ही उत्तेजक हो, लेकिन वे इस चौकाने वाली टिप्पणी से उस गहरी वास्तविकता की ओर इशारा करते हैं जिसमें भारत में आर्थिक विकास और आम आदमी के अनुभव के बीच एक बड़ी खाई है। भारत की अर्थव्यवस्था तकनीकी रूप से जीवंत है, लेकिन जब वह करोड़ों लोगों को न्यूनतम गरिमा का भाव और अवसर नहीं दे पाए, तो उसके 'जीवंत' होने पर सवाल उठना स्वाभाविक ही है। सच्चाई शायद राहुल गांधी के शब्दों और सरकारी आंकड़ों के बीच कहीं है। भारत को केवल विकास नहीं, समावेशी और न्यायपूर्ण विकास की आवश्यकता है। जब तक आम जनता को आर्थिक सुरक्षा और अवसर नहीं मिलते, तब तक जीडीपी के आंकड़े सिर्फ़ कागज़ी विजय लगेंगे – जमीनी सच्चाई नहीं। इसलिए यदि भारत को वास्तव में 'विकासशील' से 'विकसित' राष्ट्र बनाना है, तो उसे सिर्फ़ जीडीपी वृद्धि पर ही पर्याप्त नहीं, बल्कि समावेशी विकास, रोजगार सृजन, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय व्यवस्था पर भी ध्यान देना होगा। सिर्फ पूंजी निवेश और निजीकरण से समस्याएं नहीं सुलझेंगी। इसके लिए सबसे शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को निजी क्षेत्र में धकेलने की अंधी दौड़ से बाहर आना होगा। शिक्षा और स्वास्थ्य की सुदृढ़ सार्वजनिक सेवाओं की गिरावट के दौर में सरकार को ऐसे उलाहने झेलने पड़ेंगे। देश की अर्थव्यवस्था आमजन को तभी जीवंत लग सकती है जब उनकी भी उसमें बराबरी की भागीदारी हो। इसके लिए सभी प्रकार की सार्वजनिक सेवाओं को सुधारना होगा जो वर्तमान में आकंठ भ्रष्टाचार के दलदल में धंसी हुई है। कार्यपालिका लोकतंत्र का प्रमुख स्तम्भ है। वही लोकनीतियों का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन के लिए ज़िम्मेदार है। कार्यपालिका विधायिका के प्रति जवाबदेह है। मगर विधायिका सिर्फ संसदीय सत्ता की प्रतिस्पर्धी राजनीति में सिमट कर रह गई है और सारे राजनेता एक–दूसरे को नीचा दिखाने और खिल्ली उड़ाने के खेल में लगे हैं। राजनेता भी भ्रष्टाचार की कालिख से अछूते नहीं रहे हैं। राजनेताओं को देश की समस्याओं और गरीबी का कुछ भान भी है ऐसा लगता ही नहीं। अर्थव्यवस्था भले ही जीवंत और लचीली है और उसमें विकास की मज़बूत संभावनाएं हैं मगर प्रशासनिक तंत्र तथा राजनीतिक व्यवस्थाएं लोगों को उसे महसूस नहीं होने देती। जब कोई राजनेता ''मृत अर्थव्यवस्था'' जैसा आरोप लगाता है, जो भले ही साक्ष्य समर्थित नहीं हो, तब भी वह झंझोड़ कर जगाने वाला जरूर होता है जिसे बहुत से लोग देश के लिए अपमानजनक मान लेते हैं।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

सरकारी स्कूल तभी सुधरेंगे, जब सरकारी कर्मचारी अपने बच्चों को सरकारी विद्यालयों में भेजेंगे

अशोक कुमार

एक ओर हम डिजिटल युग की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं और विश्व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में कदम रख चुका है, वहीं हमारे सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। देश के हजारों जर्जर स्कूल के कारण बच्चों की जान पर खतरा मंडरा रहा है! हजारों स्कूल बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। कहीं भवन जर्जर हैं तो कहीं बिजली, फर्नीचर और शौचालय की सुविधा नहीं है।

राजस्थान के झालावाड़ जिले में हाल ही मे एक सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा ढहने से सात बच्चों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का कौन जिम्मेदार है?

Unified District Information System for Education (UDISE) के आंकड़ों के मुताबिक, भारत में केवल 57.2% सरकारी स्कूलों में ही कंप्यूटर उपलब्ध हैं और सिर्फ 53.9% स्कूलों में इंटरनेट कनेक्शन है। हालांकि, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, 90% से अधिक स्कूलों में बिजली और शौचालय की सुविधाएं हैं, लेकिन सिर्फ 52.3% स्कूलों में दिव्यांग बच्चों के लिए रैंप की व्यवस्था है। कम होता नामांकन और बढ़ता ड्रॉपआउट रेट।

सरकारी स्कूलों में छात्रों के नामांकन में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। 2023–24 में, सरकारी स्कूलों में कुल छात्रों की संख्या में 37 लाख की कमी आई है। जहां देश की आबादी और गरीबी दोनों बढ़ रही हैं, लोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजने से कतराने लगे हैं। योग्य और पर्याप्त शिक्षक नहीं।

सरकारी स्कूलों में शिक्षक तो हैं, लेकिन उनकी योग्यता और संख्या पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कई स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं, जो शिक्षक हैं उनमें से बड़ी संख्या में उनकी शैक्षणिक योग्यता मानकों पर खरी नहीं उतरती। परिणामस्वरूप, छात्रों की पढ़ाई और प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

नई शिक्षा नीति 2020 के बावजूद गिरावट

नई शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) का उद्देश्य शिक्षा के स्तर में सुधार करना था। लेकिन, इसके बावजूद सरकारी स्कूलों के आंकड़े और गिरावट की ओर इशारा कर रहे हैं। कंप्यूटर और इंटरनेट जैसी डिजिटल सुविधाएं अधिकांश स्कूलों में उपलब्ध नहीं हैं। बच्चों के नामांकन और ड्रॉपआउट दर में गिरावट ने नीति के उद्देश्यों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्या सरकारी शिक्षा विभाग सिर्फ एक एजेंसी बनकर रह जाएगा?

अगर सरकारी स्कूलों की यह स्थिति जारी रही, तो आने वाले वर्षों में शिक्षा विभाग केवल एक परीक्षा आयोजित करने वाली और प्राइवेट स्कूलों को मान्यता देने वाली एजेंसी बनकर रह जाएगा। सरकारी स्कूलों का मूल उद्देश्य – शिक्षा प्रदान करना – धीरे–धीरे समाप्त होता दिख रहा है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल ने 18 अगस्त 2015 को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। यह फैसला शिव कुमार पाठक और कई अन्य लोगों द्वारा दायर याचिकाओं के एक समूह की सुनवाई के दौरान आया था। अदालत ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सरकारी कर्मचारी, निर्वाचित प्रतिनिधि और न्यायपालिका के सदस्य अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में भेजें। यह आदेश उन सभी व्यक्तियों पर लागू होता था ''जो राज्य के खजाने या सार्वजनिक धन से कोई लाभ, सुविधा, वेतन आदि प्राप्त करते हैं''।

अदालत ने सरकारी स्कूलों की 'दयनीय स्थिति' पर गंभीर चिंता व्यक्त की और इसका कारण ''प्रशासन की वास्तविक भागीदारी की कमी'' बताया। फैसले का मुख्य तर्क यह था कि यदि अधिकारियों और राजनेताओं को अपने बच्चों को इन स्कूलों में भेजने के लिए मजबूर किया जाता है, तो वे स्कूलों की आवश्यकताओं को गंभीरता से देखेंगे और उनकी अच्छी स्थिति सुनिश्चित करेंगे। इससे स्कूलों में जवाबदेही और निगरानी बढ़ेगी।

न्यायमूर्ति अग्रवाल ने यह भी टिप्पणी की कि यह कदम विभिन्न सामाजिक वर्गों के बच्चों को एक–दूसरे के साथ बातचीत करने और घुलने–मिलने का अवसर देगा, जिससे ''समाज को जमीनी स्तर पर बदलने में क्रांति'' आएगी और आम आदमी के बच्चों को आत्मविश्वास और अन्य अवसर मिलेंगे। अदालत ने प्राथमिक स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्तियों में राजनीतिक कारणों से रिक्तियों को बनाए रखने और अक्षम व्यक्तियों को नियुक्त करने जैसे मुद्दों पर भी प्रकाश डाला, जिससे शिक्षण की गुणवत्ता प्रभावित हुई।

अदालत ने आदेश का उल्लंघन करने वालों के लिए दंडात्मक प्रावधानों का भी उल्लेख किया। यदि कोई बच्चा निजी स्कूल में भेजा जाता है, तो माता–पिता द्वारा उस बच्चे के लिए भुगतान की जा रही फीस के बराबर राशि उनके मासिक वेतन से काट ली जाएगी। इसके अतिरिक्त, ऐसे व्यक्ति को ''वेतन वृद्धि, पदोन्नति के अवसर जैसे अन्य लाभों से भी वंचित किया जा सकता है''। एकत्रित राशि का उपयोग सरकारी स्कूलों के सुधार के लिए किया जाना था।

उपलब्ध जानकारी के आधार पर, सरकारी कर्मचारियों को अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजने के लिए अनिवार्य करने वाला इलाहाबाद हाईकोर्ट का 2015 का फैसला प्रभावी ढंग से लागू नहीं हुआ!

यह फैसला, हालांकि लागू नहीं हुआ, सार्वजनिक शिक्षा की बिगड़ती स्थिति और अधिकारियों के 'पाखंड' के खिलाफ एक शक्तिशाली प्रतीकात्मक बयान के रूप में कार्य करता है। इस मुद्दे पर महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित करना जरूरी है! इससे मीडिया और सार्वजनिक विमर्श में सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता, लोक सेवकों की जवाबदेही और शैक्षिक असमानता के बारे में एक तीखी बहस छेड़नी चाहिए। इस विशिष्ट जनादेश के गैर–कार्यान्वयन ने सरकार को सार्वजनिक शिक्षा में सुधार के लिए वैकल्पिक रणनीतियों का पता लगाने के लिए प्रेरित होना चाहिए! सरकारी स्कूलों में खराब बुनियादी ढांचे, बुनियादी सुविधाओं की कमी, शिक्षकों की रिक्तियों और शिक्षण की गुणवत्ता के अंतर्निहित मुद्दे अभी भी बने हुए हैं, यह दर्शाता है कि जिन मुख्य समस्याओं को फैसले ने संबोधित करने की कोशिश की थी, वे इस विशिष्ट तंत्र के माध्यम से काफी हद तक अनसुलझी रही हैं।

2015 के फैसले को एक ''ऐतिहासिक फैसला'' के रूप में सराहा गया था, जिसका इरादा 'सही' था, फिर भी इसे प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया गया। यह ''अप्रवर्तित ऐतिहासिक'' फैसलों की एक श्रेणी बनाता है – वे जो अपने कानूनी घोषणाओं और सामाजिक इरादों में महत्वपूर्ण हैं, लेकिन कार्यान्वयन अंतराल के कारण ठोस परिवर्तन में विफल रहते हैं। यह न्यायिक घोषणाओं और वास्तविक शासन के बीच के अंतर को उजागर करता है। एक अदालत एक साहसिक आदेश जारी कर सकती है, लेकिन इसका वास्तविक दुनिया का प्रभाव राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक क्षमता और सामाजिक स्वीकृति पर निर्भर करता है। यह भी सुझाव देता है कि कुछ न्यायिक हस्तक्षेप, हालांकि कागजों पर शक्तिशाली होते हैं, जटिल सामाजिक–राजनीतिक वातावरण में बहुत महत्वाकांक्षी या लागू करने में मुश्किल हो सकते हैं।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

उत्तर–पश्चिम रेलवे ने अस्तित्व में आने के बाद भारतीय रेलवे में अलग पहचान बनाई

अपनी स्थापना से 22 वर्षों के सफर में उत्तर-पश्चिम रेलवे आज देश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक, औद्योगिक विकास में भागीदार बनकर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है

वेदप्रकाश

उत्तर–पश्चिम रेलवे 1 अक्टूबर, 2002 को अस्तित्व में आने के बाद आज भारतीय रेलवे में अलग पहचान बना चुका है। उत्तर–पश्चिम रेलवे के चारों मण्डल जयपुर, जोधपुर, अजमेर एवं बीकानेर पर्यटन, औद्योगिक, सामरिक एवं सामाजिक रूप से विशेष महत्व रखते हैं। अपनी स्थापना से 22 वर्षों के सफर में उत्तर–पश्चिम रेलवे आज देश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक तथा औद्योगिक विकास में भागीदार बन कर महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

उत्तर–पश्चिम रेलवे का क्षेत्राधिकार राजस्थान के प्रमुख पर्यटकों स्थलों के साथ सम्पर्क स्थापित करता है। रेलवे द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विरासत के साथ–साथ विकास को आधार बना कर कार्य किए जा रहे हैं। रेलवे पर्यटन स्थलों तक पहुंच के मामले में सबसे सुविधाजनक, रोमांचकारी और सुरक्षित साधन होने के साथ ही स्वयं भी पर्यटन का केन्द्र है। उत्तर–पश्चिम रेलवे द्वारा हैरिटेज संरक्षित करने और इसको आमजन तक पहुंचाने के लिए विशेष पहल की जा रही है जिससे आमजन को सांस्कृतिक व समृद्ध विरासत से परिचय करवाया जा सके।

इसी कड़ी में अरावली की सुरम्य पहाड़ियों में आजादी से पूर्व बनी मारवाड़–खामली घाट रेल खंड को विरासत के रूप में संरक्षित के लिए मीटर गेज ही रखा गया है। इस खण्ड पर मारवाड़ खामली घाट–मारवाड़ के बीच प्रदेशकी पहली हेरिटेज ट्रेन वैली क्वीन संचालित की जा रही है।

इसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 05 अक्टूबर 2023 को हरी झंडी दिखाकर किया गया। वैली क्वीन हेरिटेज ट्रेन में एक वातानुकूलित चेयर कार एवं एक पॉवर कार कोच के साथ एक डीजल इंजन को भाप इंजन जैसा बनाया गया है। यात्रा में यात्रियों को हरी–भरी घाटियों,पहाड़ियों, दुर्लभ वनस्पतियों और स्थानीय जीव जन्तुओं के मनमोहक दृश्य देखने को मिलते हैं। इस मार्ग में लगभग 100 साल पुरानी दो सुरंगें और जलधाराओं पर 172 पुल हैं।

ट्रेन के कोच में एनाउंसमेंट के साथ टीवी स्क्रीन भी लगाई गई है जिसमें पूरे मार्ग एवं गोरमघाट की वादियों के बारे में पर्यटकों को जानकारी दी जाती है। पूरे दिन की यात्रा में यात्रियों को प्राकृ तिक सौदर्य एवं रोमांच का अनुभव प्राप्त होता है।

इसके अतिरिक्त अजमेर मंडल की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने व आमजन को भारतीय रेल की समृद्ध विरासत से परिचित करवाने के लिये अजमेर में रेलवे संठाहालय स्थापित किया गया है। अजमेर मंडल की ऐतिहासिक विरासत को और संरक्षित करने व आमजन को भारतीय रेल की समृद्ध विरासत से रूबरू करवाने के लिए अजमेर में नसीराबाद रोड पर रेलवे संग्रहालय स्थापित किया गया है, जो लगभग 16000 वर्ग मीटर परिसर में फैला है।

नसीराबाद रोड, मार्टिण्डल ब्रिज समीप स्थित यह रेल संग्रहालय स्थानीय और अजमेर आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है और इसे अजमेर का नया टूरिस्ट पॉइंट भी कहा जा सकता है। रेल म्यूजियम में अजमेर मंडल सहित भारतीय रेल की महान ऐतिहासिक व समृद्धिवरासत से परिचय कराया गया है। रेल संग्रहालय परिसर में आकर्षण का केंद्र एक टॉय ट्रेन है जिसके लिए मीटर गेज का ट्रैक बिछाया गया है। इस टॉय ट्रेन को मीटर गेज की 5 पुश ट्रॉलियों से बनाया गया है। रेल म्यूजियम में 3 डी प्रभावों के साथ कैनवास पर बनाई गई सिनोग्राफी, साइनेज, सबसे पुराने भाप इंजन का मॉडल, राजस्थान के तीर्थ स्थानों के मार्ग, ''रेलवे की प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग'' आदि पर आधारित इंटरैक्टिव मॉडल सहित अन्य ऐतिहासिक महत्व की वस्तुएं प्रदर्शित की गयी है।

पैलेस ऑन व्हील्स भारत की पहली लक्जरी पर्यटक ट्रेन है जिसे भारतीय रेलवे ने राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी) के संयुक्त सहयोग से संचालित किया जा रहा है। यह ट्रेन दिल्ली से प्रारम्भ होकर जयपुर, रणथम्बोर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, जैसलमेर, जोधपुर, भरतपुर होते हुए आगरा पहुंचती है।

प्रत्येक कोच का नाम पूर्व रियासतों के नाम पर अलवर, भरतपुर, बीकानेर, बूंदी, धौलपुर, डूंगरगढ़, जैसलमेर, जयपुर, झालावाड़, जोधपुर, किशनगढ़, कोटा, सिरोही और उदयपुर रखा गया है। ट्रेन में महाराजा और महारानी दो रेस्तरां बनाए गए हैं, जिनमें स्वादिष्ट राजस्थानी और कॉन्टिनेंटल व्यंजन परोसे जाते हैं।

अब बात करें रेल से दिखने वाली विश्व प्रसिद्ध सांभर झील की। राजस्थान में जयपुर के समीप स्थित सांभर में लवण जल (खारे पानी) की झील है। यह झील समुद्र तल से 1,200 फुट की ऊँचाई पर स्थित है। जब यह भरी रहती है तब इसका क्षेत्रफल 90 वर्ग मील रहता है। इसमें चार नदियाँ (रुपनगढ, मेंथा, खारी, खंडेला) आकर गिरती हैं। इस झील से बड़े पैमाने पर नमक का उत्पादन किया जाता है।

यह झील उत्तर–पश्चिम रेलवे के जयपुर एवं जोधपुर मण्डल को जोड़ने वाले प्रमुख रेल मार्ग जयपुर–फुलेरा–मेडता–जोधपुर के अंतर्गत आती है। रेलवे लाइन इस झील को लगभग 2 भागों में बांटती है। इस झील के मध्य से गुजरती रेल लाइन से मनमोहक नजारा दिखता है एवं यह पर्यटकों के मध्य खासा लोकप्रिय रेलमार्ग है।

भारतीय रेलवे वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण ''एक स्टेशन–एक उत्पाद'' योजना स्थानीय लोगों को स्वदेशी उत्पाद बेचने के लिए विशिष्ट रूप से डिज़ाइन किए गए बिक्री आउटलेट प्रदान करती है। स्थानीय कलाकारों, उद्यिमयों, बुनकरों एवं छोटे व्यवसाईयों को मंच प्रदान करने के लिए रेलवे स्टेशनों पर ''एक स्टेशन–एक उत्पाद''योजना की शुरुआत की गई है।

इस योजना से स्थानीय लोक कला के कारीगरों को लाभ तो मिल ही रहा है साथ ही रेल यात्रियों को स्टेशन पर ही स्थानीय उत्पाद मिल रहे है। इस योजना में वर्तमान में उत्तर–पश्चिम रेलवे पर जयपुर में सांगानेरी प्रिंट के कपडे, अजमेर में गुलाब से बने उत्पाद, उदयपुर में हस्तनिर्मित लकड़ी के खिलोने, जोधपुर में हेंडीक्राफ्ट आइटम खासे लोकप्रिय हो रहे हैं।

उत्तर–पश्चिम रेलवे पर 77 स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किया जा रहा है। स्टेशनों के पुनर्विकास में स्थानीय कला के अनुरूप हैरिटेज को ध्यान में रखकर आधुनिकता का समावेश किया जा रहा है। स्टेशनों के पुनर्विकास से स्टेशन पर आने वाले यात्रियों को उच्चस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होगी और उनको सुखद अनुभूति मिलेगी। स्टेशनों के पुनर्विकास की परिकल्पना में इस विषय पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया गया है कि इसे सिटी सेन्टर के रूप में विकसित किया जाएगा जिससे यह यात्रियों के साथ–साथ शहर के निवासियों के भी आकर्षण का केन्द्र बने।

अजमेर में स्थापित रेल कारखाना 1876 में प्रारम्भ किया गया था, यह भारत के प्रमुख कारखानों में से एक है। यह मीटरगेज डीजल लोको का सबसे बडा कैरिज और वैगन कारखाना था। वर्तमान में ब्रॉडगेज रोलिंग स्टॉक के प्रमुख मदो कोच, वैगन, डीईएमयू, रेल बस आदि का अनुरक्षण कर सेवाएं प्रदान कर रहा है। इस कारखाना की बिल्डिंग हैरिटेज को दर्शाती है और यह प्रदर्शित करती है कि वह लम्बे समय से मजबूती के साथ रेलवे के रोलिंग स्टॉक के अनुरक्षण में अहम भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

गडरा रोड, राजस्थान के बाड़मेर जिले में स्थित एक महत्वपूर्ण गांव है, जो ऐतिहासिक, सांतिक और सामरिक दृष्टि से विशेष पहचान रखता है। यह गांव पाकिस्तान की सीमा से सटा हुआ है और भारतीय रेलवे के पश्चिमी छोर पर स्थित है। 1965 के युद्ध में पाकिस्तानी सेना ने बाड़मेर जिले में भारतीय रेलवे ट्रैक पर बमबारी की थी, जिसके माध्यम से सेना को रसद पहुंच रही थी। इस बमबारी से रेलवे ट्रैक को बहुत क्षित हुई और सेना को रसद की आपूर्ति बंद हो गई।

इस स्थिति में रेलकर्मियों ने अपने जान का परवाह न करते हुए रेल सम्पर्क स्थापित करने के लिए बमबारी के बावजूद रेल ट्रैक का ठीक कर रेल संचालन को प्रारम्भ किया। भारत का पहला रेलवे शहीद स्मारक 1965 में भारत–पाक युद्ध में जान गंवाने वाले 17 रेल कर्मचारियों को समर्पित बाड़मेर जिले के गडरा रोड स्टेशन पर स्थापित किया गया है। राजस्थान में भारत–पाक सीमा पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले रेलवे कर्मचारियों के लिए शहीद स्मारक बनाया गया।

रेलवे पर्यटन और स्थानीय लोक कला को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और इसमें नवाचारों को सम्मलित कर नई संभावनाओं पर भी निरंतर कार्य कर रहा है। रेलवे उन क्षेत्रों की भी पहचान कर रहा है जहाँ हैरिटेज संरक्षण किया जा सके और आमजन को उस गौरवशाली अतीत से रूबरू करवाया जा सके।

वेदप्रकाश, सेवानिवृत मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, उत्तर–पश्चिम रेलवे।

राशिफल

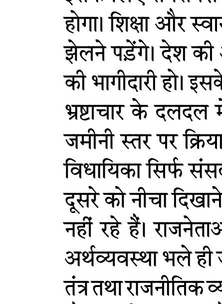

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 6 अगस्त, 2025

सावन मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, मूल नक्षत्र दिन 1:00 तक, वैधृति योग प्रातः 7:17 तक, बरलव करण दिन 2:09 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कर्क, चन्द्रमा–धनु, मंगल–कन्या, बुध–कर्क, गुरू–मिथुन, शुक्र–मिथुन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से दिन 1:00 तक है। राजयोग दिन 1:00 से 2:09 तक है। आज प्रदोष व्रत, पवित्र बारस, विष्णु पवित्रा रोपण, दामोदर द्वादशी, वैधृति पुण्य है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:15 तक, शुभ 10:54 से 12:33 तक, चर 3:50 से 5:29 तक, लाभ 5:29 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:57, सूर्यास्त 7:08

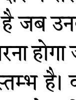

मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

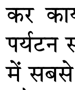

वृष

नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय रहेगा। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

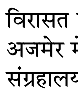

मिथुन

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

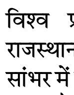

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

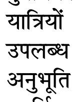

सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

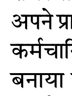

कन्या

घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

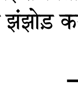

तुला

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

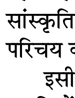

वृश्चिक

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

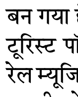

धनु

घर–परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

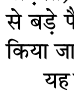

मकर

आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। घर–परिवार के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा।

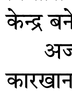

कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव रहेगा।

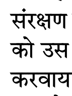

मीन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में हुआ आंगनबाड़ी बहनों का सम्मान

अजमेर, (कासं)। बहनों का सुरक्षा सम्मान कार्यक्रम में आंगनबाड़ी बहनों का जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री संग रक्षाबन्धन का मुख्य कार्यक्रम जयपुर में आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की कलाई पर उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग डॉ. मंजू बाघमार एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने रक्षा सूत्र बांधे और उपहार पाए। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि सरकार बहनों की सुरक्षा और सम्मान के लिए तत्पर है। यह हमारी संस्कृति है। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रही है। इसका सीधा प्रसारण डॉ. भीमराव अम्बेडकर मेडिकल कॉलेज सभागार में किया गया। इसमें भी आंगनबाड़ी बहनों का सम्मान हुआ। इस कार्यक्रम में विधायक अनिता भदेल ने आंगनबाड़ी बहनों के कार्य की सहराना की।

विधायक अनिता भदेल ने कहा कि आंगनबाड़ी की बहनें प्रशासन की अंतिम कड़ी के रूप में समाज से सीधे जुड़ी रहती है। इनका बच्चों एवं महिलाओं से सम्बन्धित पोषण का महत्त्वपूर्ण कार्य है। इस कारण आमजन तक सीधी पहुंच रहती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा इनके कार्य के महत्त्व को समझते है। इसीलिए इनके हित के लिए निर्णय लिए जा रहे है।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा इन मानदेय कर्मियों को राज्य कर्मी बनाने के लिए विकल्प दिया गया है। अब ये महिला सुपरवाईजर से लेकर सीडीपीओ तक बन रही है। इन बहनों का भविष्य सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री लगातार कार्य कर रहे है। इनके मानदेय में भी लगातार वृद्धि की गई है।

इसके अलावा अन्य सुविधाएं भी दी गई। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आंगनबाड़ी बहन माता यशोदा की तरह समाज के कान्हा का पोषण करती है। इस प्रकार कान्हा तैयार होने से समाज में परिवर्तन अवश्यम्भावी है। नन्द घर उसी यशोदा मैया के कार्य को साकार रूप देने का स्थल है। भारतीय परम्परा में जन्म देने वाली मां से संस्कार और पालन-पोषण करने वाली माता को महत्त्वपूर्ण माना गया है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी को बालक जीवन भर याद रखता है। उसे वहां वात्सल्य का आंचल मिलता है। आंगनबाड़ी बहनें प्रत्येक बच्चे को राधिका और कान्हा मानकर पोषण करती है। इस प्रकार से तैयार बच्चे नए देश और समाज का निर्माण करेंगे। रक्षासूत्र से भाईयों और बहनों में आत्मिय भाव उत्पन्न होता है। उप महापौर नीरज जैन ने कहा कि आंगनबाड़ी की बहनें बच्चों को मां की तरह रखती है।

इस अवसर पर अध्यक्ष जीतमल प्रजापत, अतिरिक्त जिला कलेक्टर वन्दना खोरवाल, मुख्य आयोजना अधिकारी रूद्रा रेणु, जिला रोजगार अधिकारी मधुसदन जोशी सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधी एवं आंगनबाड़ी बहनें उपस्थित रहे।

परमात्मा को प्रेम के वशीभूत भक्त वश में कर सकता है-संत गोपीराम

मदनगंज-किशनगढ,(निस)। अग्रवाल महिला मंडल द्वारा अठासेन विहार में आयोजित भागवत कथा के सप्तम दिवस संत गोपीराम महाराज वृंदावन ने कहा कि परमात्मा दयालु है, दुष्ट प्रकृति के लोगो के कल्याण के लिये दयालुता का भाव रहता है। परमात्मा प्रेम के भूखे हैं, प्रेम के वशीभूत होकर ही प्रभु राम सबरी के झूठे बेर खा लिये, प्रेम से ही भक्त प्रभु को अपने वश में कर सकता है। कथा पंडाल में रासबिहारी सरकार की जै के जयकारे के बीच संत गोपी राम महाराज ने उद्धव गोपी संवाद को मार्मिक ढंग से सुनाते हुए कहा कि ब्रजमंडल में की गई बाल लीलाओं का गोपियों को अत्यंत आनंद आता था।

शक्ति दिवस पर किशोरियों को एनीमिया से बचाव की मिली सीख

भीलवाड़ा। विद्यालयों में अध्ययनरत् किशोरी बालिकाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और भावी पीढ़ियों को एनीमिया से मुक्त बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को भारत विकास परिषद व चिकित्सा विभाग के तत्वावधान में आयोजित शक्ति दिवस के अंतर्गत जिलेभर में राजकीय विद्यालयों में एनीमिया जांच शिविरों का आयोजन किया गया। जांच शिविर में अधिकाधिक लाभार्थी किशोरियों को चिकित्सा विभाग की निःशुल्क जांच व उपचार जैसी विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित किया गया। यह आयोजन एनीमिया मुक्त राजस्थान अभियान के तहत किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किशोरी छात्राओं ने भाग लिया। शिविर के दौरान एनीमिया जांच किट से हीमोग्लोबिन (एचबी) की मौके पर ही जांच की गई।

अपना घर वृद्धाश्रम स्थित शिवालय में कलश स्थापना की

भीलवाड़ा। श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति के आरसी व्यास कॉलोनी स्थित अपना घर वृद्धाश्रम परिसर स्थित शिवालय के गुंबद पर कलश स्थापना की गई एवं मंत्रोचार के बीच औम का केसरिया झंडा लगाया गया विश्वनाथ पंकज सुरेखा ,श्याम अग्रवाल द्वारा प्रातः शिव अभिषेक कर दूधाधारी गोपाल मंदिर के कल्याण शर्मा के नेतृत्व में सात पंडितों द्वारा कलश की पूजा कर कलश का अभिषेक करते हुए विधि विधान पूर्वक ध्वजा की पूजा अर्चना कर बैंड बैन्ड बाजो की सुमधुर आवाज के बीच स्थापना हुई की गई कलश स्थापना के कार्यक्रम के तहत वृद्ध आश्रम को आकर्षक रंग-बिरंगे गुब्बारे एवं फूलों से सजावट की गई।

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक-810 | जाहिर आम सूचना | दिनांक-05-08-25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 4/32, साकेत नगर, ब्यावर क्षेत्रफल 90.00 वर्ग मीटर मूल आवटी श्री घनश्याम गुप्ता पुत्र श्री हरी नारायण को आवंटित कर दिनांक 09.01.1990 को आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री घनश्याम गुप्ता पुत्र श्री हरी नारायण द्वारा आवास का बैचान जरिये इकरारनामा मुख्त्यारनामा एवं वसीयतनामा के श्री पांचू सिंह पुत्र श्री राम सिंह को कर दिया गया है। मण्डल द्वारा दिनांक 27.07.2002 को श्री पांचू सिंह पुत्र श्री राम सिंह के पक्ष में नियमितीकरण के आदेश जारी किये गये। नियमितीकरण पश्चात श्री पांचू सिंह पुत्र श्री राम सिंह द्वारा दिनांक 16.08.2002 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा आवास का पंजीयन करवा लिया गया है। पजीयन पश्चात् श्री पांचू सिंह पुत्र श्री राम सिंह द्वारा आवास का बैचान श्रीमती कान्ता देवी पत्नि श्री कालू सिंह को दिनांक 25.07.2025 को कर दिया गया। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 2463 में पृष्ठ संख्या 80 क्रम संख्या 202503003107055 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 5388 के पृष्ठ संख्या 324 से 336 पर दिनांक 25.07.2025 को चस्पा किया गया है। अब श्रीमती कान्ता देवी पत्नि श्री कालू सिंह ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्रीमती कान्ता देवी पत्नि श्री कालू सिंह का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उज्रदारी/आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

-सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-अजमेर

एस.के.फाइनेंस लिमिटेड

(CIN : U65923RJ1994PLC009051)

पंजीकृत कार्यालय: जी 1-2, न्यू मार्केट, खासा कोठी सर्किल, जयपुर- 302001 टोल फ्री: 1800 1039 039 ई-मेल: info@sfkin.in

शाखा कार्यालय बंद करने हेतु सार्वजनिक सूचना

सर्वसूचित किया जाता है कि कम्पनी प्रबंधक के निर्णयानुसार हम अपनी उक्त **अरैन शाखा** - ग्राउंड फ्लोर, इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास, किशनगढ़ रोड, अरैन, तहसील-अरैन, जिला-अजमेर-305813 (राजस्थान) को 6 नवम्बर 2025 की प्रभावी तिथि से बंद कर रहे हैं:-

अतः हम अपने सभी ग्राहकों से अनुरोध करते है कि भविष्य में हमारी किसी भी तरह की लोन सुविधाओं के लिए हमारी अन्य शाखा कार्यालय **किशनगढ़ शाखा** - प्लॉट नंबर-5, पहली मंजिल, "श्री" कॉलोनी, मिर्जा कार बाजार के पास, रामनेर रोड, मदनगंज, किशनगढ़, जिला-अजमेर-305801 (राजस्थान) के पते पर संपर्क करें।

आम सूचना

आमजन को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री शंकर उर्फ शंकर सिंह रावत पुत्र श्री छीतर, जाति रावत, निवासी-101 रावत मौहल्ला, लोहागल अजमेर द्वारा अपनी खातेदारी आराजी जो कि ग्राम लोहागल तहसील व जिला अजमेर मे स्थित है, जिसका खाता संख्या 339 के खसरा नम्बर 547 रकबा 0.5700 हैक्टयर में निहित अपना 1/3 हिस्से को ओमप्रकाश रावत पुत्र श्री भैरू सिंह रावत, जाति रावत, निवासी-नारीशाला के पास, लोहागल, अजमेर को विक्रय करने का इकरार किया गया है, उक्त भूमि पर विचाराधीन वाद को शंकर सिंह द्वारा समाप्त करवाया जायेगा, अगर किसी भी व्यक्ति को उक्त इकरार या क्रय विक्रय के सम्बंध में कोई उज्र व ऐतराज हो तो वह 7 दिवस के भीतर मुझ अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित मे आपत्ति दर्ज करवाये, अन्यथा बाद गुजरने मियाद आपति अमान्य मानी व समझी जायेगी। भवदीय- मोहित सिंह चौहान एडवोकेट

1976 स्कूली बालिकाओं की एनीमिया की जांच

बिजयनगर, (निसं)। भारत विकास परिषद के प्रांतीय प्रकल्प स्वास्थ्य पहल एनीमिया मुक्त राजस्थान में भा वि परिषद बिजयनगर द्वारा शहर के 12 स्कूलों में एनीमिया जांच की गई जिसमें भारत विकास परिषद के सदस्यों व ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी मसूदाएवं प्रमुख चिकित्सा अधिकारी बिजयनगर की मेडिकल टीम ने शहर की स्कूलों में 1976 बालिकाओं की एनीमिया की जांच की व जिन बालिकाओं में खून की कमी थी उनको गुड व चना का वितरण किया गया। मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी मसूदा डॉक्टर शैलेंद्र लाखन व प्रमुख चिकित्सा अधिकारी विजयनगर डॉक्टर अरविंद उदय ने विभिन्न स्कूलों में जाकर शिविर का निरीक्षण किया। भारत विकास परिषद के सभी सदस्यों ने अपनी बहुत अच्छी सेवाएं दी। जिन बालिकाओं में खून की कमी पाई गई उन्हें चिकित्सा अधिकारी ने दवाइयां देने की हिदायत दी व टीम को समय-समय पर उनकी जांच करने के लिए कहा। ड्स अवसर पर एस एन जोशी,विमल भंसाली, दिनेश पीपाड़ा, रमेश चन्द शर्मा,डॉ कुंजलता सारस्वत, डॉ कल्पना अठावाल, ललिता जैन, नवीन चौपड़ा, अर्पित कावडियाँ, नवीन लोढ़ा, लक्ष्मण शर्मा, बुद्धिप्रकाश पारीक, अरविन्द पंचोली, सिद्धार्थ बघेरवाल, राजेश सोनी, बृजराज पुरोहित, विनोद नाहर, दिनेश आसवानी, प्रहलाद रायसिंघानी, महावीर टेलर, श्याम लाल शर्मा, वीर चन्द चन्द, संगीता गर्ग,, अमिता साँखला, दीपमाला तलेसरा, ममता प्यागी, निर्मला छीपा, रेखा भंसाली, शशि बूरड़ डिम्पल सुराणा, टीना पीपाड़ा, उमा सोनी, सरिता जैन, अंकिता धनोपिया, रुचिता बोरडिया, निशा अंबाणी,संगीता भण्डारी, ऊषा जैन आदि महिला एवं पुरूष सदस्य उपस्थित रहे।

> ■ एनीमिया की जांच की व जिन बालिकाओं में खून की कमी थी उनको गुड व चना का वितरण किया

चेतक एक्सप्रेस में लगेंगे नए आधुनिक एलएचबी कोच

भीलवाड़ा। सांसद दामोदर अग्रवाल ने आज संसद मे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को गाड़ी सं 20473/20474 (चेतक एक्सप्रेस) के दशको पुराने डिब्बों को बदलकर नए आधुनिक एलएचबी कोच लगाने हेतु विषय को उनके द्वारा पूर्व मे लिखे गए पत्र के माध्यम से पुनः स्मरण करवाया ।

साँसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया कि भीलवाड़ा सांसद अग्रवाल ने भीलवाड़ा से दिल्ली चलने वाली महत्वपूर्ण ट्रेन चेतक एक्सप्रेस में पुराने यात्री डब्बों को बदलकर नए सर्वसुविधायुक्त आधुनिक तकनीक के बने एल एच बी कोच लगवाने की केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिलकर मांग की ।

इस विषय पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल मंत्रालय के संबंधित अधिकारी को त्वरित कार्रवाई करने के दिशा-निर्देश दिए।

साँसद अग्रवाल ने कहा इस जल्द भीलवाड़ा से दिल्ली सफर करने वालो को चेतक एक्सप्रेस में नए तकनीक से बने सर्वसुविधायुक्त कोच का लाभ मिलेगा ।।इससे सफर और अधिक आरामदायक बनेगा।

> ■ नए आधुनिक एलएचबी कोच लगाने हेतु विषय को उनके द्वारा पूर्व मे लिखे गए पत्र के माध्यम से पुनः स्मरण करवाया

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक-808 | जाहिर आम सूचना | दिनांक-05.08.25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 4/254. पंचशील, अजमेर क्षेत्रफल 120.00 वर्ग मीटर मूल आवंटी श्री इन्द्रजीत टहिलयानी पुत्र स्व. श्री प्रभुदास टहिलयानी को आवंटित कर दिनांक 27.05.2014 को आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री इन्द्रजीत टहिलयानी पुत्र स्व. श्री प्रभुदास टहिलयानी द्वारा दिनांक 12.06.2018 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया। पंजीयन पश्चात् श्री इन्द्रजीत टहिलयानी पुत्र स्व. श्री प्रभुदास द्वारा आवास का बैचान श्री गोविन्द प्रसाद पुत्र स्व. श्री राधेश्याम शर्मा को दिनांक 27.06.2018 को कर दिया गया। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 1978 में पृष्ठ संख्या 193 क्रम संख्या 201803001103998 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 4907 के पृष्ठ संख्या 312 से 324 पर दिनांक 27.06.2018 को चस्पा किया गया है। अब श्री गोविन्द प्रसाद पुत्र स्व. श्री राधेश्याम शर्मा ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री गोविन्द प्रसाद पुत्र स्व. श्री राधेश्याम शर्मा का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

-सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-अजमेर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक-807 | जाहिर आम सूचना | दिनांक-05.08.25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 3-ग-33, आनासागर सरक्यूलर रोड, अजमेर योजना में श्री बृज मोहन सिंह पुत्र श्री किशन सिंह को आवंटित कर दिनांक 05.09.1985 को मकान का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री बृज मोहन सिंह पुत्र श्री किशन सिंह द्वारा दिनांक 28.03.2005 को उप-पंजीयक कार्यालय द्वारा पंजीयन करवा लिया गया है। श्री बृज मोहन सिंह की मृत्यु 29.06.2013 को हो जाने के कारण उनकी पत्नि श्रीमती चन्द्रा सिंह पत्नी स्व. श्री बृज मोहन सिंह के पक्ष में मण्डल द्वारा दिनांक 24.02.2015 को मृत्यु पश्चात आवास हस्तान्तरण के आदेश जारी किये गये। श्रीमती चन्द्रा सिंह की मृत्यु दिनांक 14.08.2016 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री पुनीत प्रताप सिंह पुत्र स्व. श्री बृज मोहन सिंह द्वारा मृत्यु पश्चात आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया था। श्री पुनीत प्रताप सिंह पुत्र स्व. श्री बृज मोहन सिंह के पक्ष में उनकी बहिन श्रीमती निधि सिंह द्वारा जनरल पॉवर ऑफ अटोंनी निष्पादित की गई है। मण्डल द्वारा दिनांक 24.05.2003 को श्री पुनीत प्रताप सिंह पुत्र स्व. श्री बृज मोहन सिंह एवं श्रीमती निधि सिंह पत्नि श्री विश्वजीत धामिजा दोनों के पक्ष में मृत्यु पश्चात आवास हस्तान्तरण के आदेश जारी किये गये। श्री पुनीत प्रताप सिंह पुत्र स्व. श्री बृज मोहन सिंह पुत्र द्वारा स्वयं व बहैसियत मुख्त्यारआम श्रीमती निधि सिंह पत्नि श्री विश्वजीत धामिजा पुत्री स्व. श्री बृज मोहन सिंह द्वारा आवास का बैचान श्री मनोज कुमार वृन्दानी पुत्र श्री बी.एस. वृन्दानी को दिनांक 17.08.2023 को कर दिया गया। मण्डल द्वारा दिनांक 13.01.2025 को श्री मनोज कुमा वृन्दानी पुत्र श्री बी.एस. वृन्दानी के पक्ष में नामान्तरण के आदेश जारी किये गये। श्री मनोज कुमार वृन्दानी पुत्र श्री बी.एस. वृन्दानी द्वारा आवास का बैचान श्री अश्वनी बदलानी पुत्र श्री आसन बदलानी को दिनांक 08.11.2024 को कर दिया गया। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 2271 में पृष्ठ संख्या 84 क्रम संख्या 202403001109722 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 6077 के पृष्ठ संख्या 577 से 589 पर दिनांक 08.11.2024 को चस्पा किया गया है। अब श्री अश्वनी बदलानी पुत्र श्री आसन बदलानी ने उक्त आवास से संबंधित नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री अश्वनी बदलानी पुत्र श्री आसन बदलानी का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद गुजरने पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नही होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

-सहायक प्रशासनिक अधिकारी, राजस्थान आवासन मण्डल,खंड अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत (हक त्याग पत्र) के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की बोराज योजना के आवासीय/व्यावसायिक खसरा नं. 62,63,64,3758/65 भूखण्ड संख्या.....क्षेत्रफल 2000 वर्गमीटर के आवंटी/अन्तरिति स्व. श्री आयुष हेडा पुत्र रजनीश हेडा निवासी अजमेर की मृत्यु दिनांक 02/12/2022 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा संलग्न कर मृतक के वारिसों प्रियंका हेडा पत्नी स्व. श्री आयुष हेडा निवासी-1 रेम्बल रोड नियर हिल्व्यू स्कूल क्रिश्चियनगंज अजमेर द्वारा अपने सहहिस्सेदार श्रीमती उषा हेडा पत्नी श्री रजनीश हेडा निवासी-1 रेम्बल रोड नियर हिल्व्यि स्कूल क्रिश्चियनगंज अजमेर के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 01/08/2025 को मेरे नाम कर दिया उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

-योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आंवटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की कोटडा योजना के आवासीय/भूखण्ड संख्या 6 क्षेत्रफल 186.53 वर्ग गज के आवंटी/अन्तरिति श्रीमती सावित्री देवी गौड पत्नि स्व. रतन सिंह नरूका निवासी सुन्दर नगर कोटडा अजमेर की मृत्यु दिनांक 31/1/2013 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट संलग्न कर मृतक के वारिसों कमश (1) श्रीमती नीलू नरूका पुत्री स्व रतन सिंह नरूका पत्नि नारायण सिंह परिहार (जयपुर) (2) श्रीमती शिखा नरूका पुत्री स्व रतन सिंह नरूका पत्नि भरत सिंह चौहान निवासी 60 विनायक विहार कॉलोनी फॉई सागर रोड अजमेर द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है उक्त नामान्तरण किये जाने के सबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावे उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी

-योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आंवटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की कोटडा योजना के आवासीय/भूखण्ड संख्या 210 क्षेत्रफल 213.33 वर्ग गज के आवंटी/अन्तरिति श्रीमती कल्पना लवानिया पत्नि राजेश कुमार शर्मा निवासी 201 हरिभाऊ उपाध्याय नगर(मुख्य) अजमेर की मृत्यु दिनांक 3/6/2025 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट संलग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः 1. राजेश कुमार शर्मा पुत्र रामजी लाल शर्मा निवासी 201 हरिभाऊ उपाध्याय नगर अजमेर द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है उक्त नामान्तरण किये जाने के सबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावे उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

-योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक-809 | जाहिर आम सूचना | दिनांक 05.08.25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 2/89, पंचशील, अजमेर क्षेत्रफल 120.00 वर्ग मीटर मूल आवंटी श्री सुमनेश माथुर पुत्र श्री सूरज नारायण माथुर को आवंटित कर दिनांक 11.10.2000 को आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री सुमनेश माथुर पुत्र श्री सूरज नारायण माथुर द्वारा दिनांक 28.03.2001 को आवास का पंजीयन करवा लिया गया। श्री सुमनेश कुमार माथुर की मृत्यु दिनांक 10.05.2004 को हो जाने के कारण उनकी पत्नि श्रीमती नीता माथुर पत्नि स्व. श्री सुमनेश माथुर द्वारा मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। श्रीमती नीता माथुर पत्नि स्व. श्री सुमनेश माथुर के पक्ष में सुश्री पूर्वा माथुर पुत्री स्व. श्री सुमनेश माथुर व श्री यश माथुर पुत्र स्व. श्री सुमनेश माथुर द्वारा रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र प्रस्तुत किया गया है। अब श्रीमती नीता माथुर पत्नि स्व. श्री सुमनेश माथुर ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्रीमती नीता माथुर पत्नि स्व. श्री सुमनेश माथुर का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उज्रदारी / आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

-सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-अजमेर

शिवालय में कलश स्थापना की

भीलवाड़ा। श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति के आरसी व्यास कॉलोनी स्थित अपना घर वृद्धाश्रम परिसर स्थित शिवालय के गुंबद पर कलश स्थापना की गई एवं मंत्रोचार के बीच औम का केसरिया झंडा लगाया गया विश्वनाथ पंकज सुरेखा ,श्याम अग्रवाल द्वारा प्रातः शिव अभिषेक कर दूधाधारी गोपाल मंदिर के कल्याण शर्मा के नेतृत्व में सात पंडितों द्वारा कलश की पूजा कर कलश का अभिषेक करते हुए विधि विधान पूर्वक ध्वजा की पूजा अर्चना कर बैंड बैन्ड बाजो की सुमधुर आवाज के बीच स्थापना हुई की गई कलश स्थापना के कार्यक्रम के तहत वृद्ध आश्रम को आकर्षक रंग-बिरंगे गुब्बारे एवं फूलों से सजावट की गई।

माली समाज झरणा महादेव कमेटी ने सावन महोत्सव के साथ पौधारोपण किया

भीलवाड़ा। माली समाज आम चोखला कमेटी झरना महादेव द्वारा माण्डल तहसील अंतर्गत स्थित झरणेश्वर महादेव स्थल पर माली समाज के औंकारेश्वर मंदिर पर सावन महोत्सव मनाया गया।

माली समाज आम चोखला झरणा महादेव कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंसीलाल माली ने बताया कि झरना महादेव स्थित माली समाज के शिव मंदिर पर विशेष सजावट के साथ ही भोलेनाथ के शिवलिंग को फूलों से विशेष सिंगार किया गया। तत्पश्चात समाज कमेटी के मेंबरों ने उनका महा अभिषेक के साथ समाज की खुशहाली व समृद्धि की कामना की। उपस्थित श्रोताओ ने जय जय भोलेनाथ के नारों से पांडाल को गुंजयमान कर दिया। तत्पश्चात मंदिर परिसर में वृहद्ध स्तर पर पौधारोपण किया गया। इस पौधारोपण में छायादार व फल वाले पौधे लगाए गए। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश माली (सैनी) महासभा के प्रदेश महामंत्री गोपाललाल माली ने हर समाज व व्यक्ति का दायित्व है कि पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण करें। जबकि माली समाज एक किसान वर्ग होने के नाते उनका दायित्व ओर बढ़ जाता है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भैरूलाल, जिला महामंत्री सत्यनारायण माली, मांडल तहसील अध्यक्ष, बंसीलाल माली, लक्ष्मीलाल, गोपाल लाल, प्रभुलाल कच्छावा (केरिया), मीठुलाल माली, कमेटी के कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल गहलोत, शांति लाल माली, मूलचंद गढ़वाल, सुखा गढ़वाल, कन्हैयालाल माली, शंकर लाल गोयल, कालू गोयल, लालाराम गोयल, नानूराम गोयल, सोशल मीडिया प्रभारी रोशन गढ़वाल सहित समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

> ■ समाज व हर व्यक्ति का दायित्यव है पौधारोपण करना : गोपाल लाल माली

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगरपरिषद कुचामन सिटी

Email : eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in munibkcity@gmail.com

फोन नं- 01586-220022 01586-221526

क्रमांक :- न.प.कु./2025-26/2384 | दिनांक :- 31.07.2025

लोक सूचना

निम्न लिखित आवेदको द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृशिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र. सं.	आवेदक का नाम	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
1.	श्रीमती सोनकी देवी पत्नी पांचूराम, श्री प्रभूराम, रतनलाल, श्रवणलाल, सुरेश पुत्रान पांचूराम जाति कुम्हार	तहसील कुचामन सिटी, जिला डीडवाना-कुचामन	कुचामन सिटी	4100/4040	0.4000 Hq.

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 15 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 31.07.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी

आयुक्त नगरपरिषद् कुचामन सिटी

राज.संवाद/सी/25/7461

शाहपुरा में अमर शहीद हेमू कालानी के स्मारक का लोकार्पण 12 को

भीलवाड़ा। जिले के शाहपुरा में नगर पालिका की ओर से पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वावधान में सिंधी कॉलोनी के सामने अमर शहीद हेमू कालानी स्मारक का लोकार्पण समारोह का आयोजन 12 अगस्त को प्रातः 10 बजे समारोह पूर्वक होगा। समारोह की खास बात यह होगी कि देश में कालानी स्मारक के लोकार्पण समारोह में पहली बार हेमू कालानी का परिवार भी मौजूद रहेगें। पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष मोहन लखपतानी ने बताया कि शाहपुरा नगर पालिका की ओर से अमर शहीद हेमू कालानी का स्मारक तैयार कराया गया है। इसका लोकार्पण समारोह 12 अगस्त मंगलवार को प्रातः 10 बजे होगा। लखपतानी ने बताया कि लोकार्पण समारोह में महामंडलेश्वर स्वामी श्री हंसराम जी महाराज, सनातन उदासीन आश्रम, भीलवाड़ा तथा वासुदेव देवनानी, माननीय अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा, जयपुर का सानिध्य प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि समारोह में श्रीमती कमला कालानी (उपाध्यक्ष, अमर शहीद हेमू कालानी यादगार मंडल, मुंबई), सुरेश कालानी (ट्रस्टी, अमर शहीद हेमू कालानी यादगार मंडल, मुंबई) - नरेश कालानी (ट्रस्टी, अमर शहीद हेमू कालानी यादगार मंडल, मुंबई), दामोदर अग्रवाल, सांसद, भीलवाड़ा, डॉ. लालाराम बैरवा, विधायक, शाहपुरा, श्रीचंद कृपलानी, विधायक, निम्बाहेड़ा, रघुनंदन सोनी, अध्यक्ष, नगर पालिका शाहपुरा तथा भीलवाड़ा जिले के सिंधी पंचायतों के पदाधिकारियों की गौरवमयी उपस्थिति रहेगी।

पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। भाजपा के भीष्म पितामह पूर्व जिलाध्यक्ष स्व. मांगीलाल अगरवाल की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धा पूर्वक मनाई गई।बाहेती धर्मशाला में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में राजीव शर्मा ने राष्ट्रभक्ति गीत प्रस्तुत किया। पूर्व विधायक जगजीत सिंह ने कहा कि इन्होने राजनीति में रहकर अपना पूरा जीवन भाजपा के लिये समर्पित कर दिया। भाजपा युवा नेता सुभाष चौधरी ने कहा स्व. मांगीलाल ने जीवन पर्यंत्र पार्टी की सेवा कर प्रदेश में पहचान कायम की। भाजपा नेता महेंद्र पाटनी,जिला महामंत्री किशन बंग व किशन गोपाल दरगड ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान उप सभापति मनोहर तारानी, भाजपा नेता वेदप्रकाश दाधीच, पार्षद जगदीश सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्त्ता व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कार्यालय नगर परिषद, किशनगढ़ जिला-अजमेर (राज)

क्रमांक/नपकि/विकास/2025/1519 | दिनांक 01.08.2025

ई-निविदा सूचना संख्या - 13/2025-2026

नगर परिषद किशनगढ की ओर से नगर परिषद किशनगढ एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार निर्धारित श्रेणी सिविल कार्यो में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्रों में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया से ऑन लाईन निविदाएें आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 04.08.2025 को 09:00 एम से तथा प्राप्त करने की अन्तिम दिनांक 14.08.2025 को 06:00 पीएम तक एवं निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ व https://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

यूबीएन नं. DLB2526A4278

आयुक्त नगर परिषद्, किशनगढ

राज.संवाद/सी/25/7599

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

अविप्रा

टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com, Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749

क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2025-26/3723 | दिनांक :- 04/08/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 22/2025-26

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से जारी विभिन्न कार्यों की अनुमानित लागत राषि रू. 494.76 लाख की ई-निविदा क्र.सं. 1 के कार्य हेतु दिनांक 25.08.2025 व क्र. सं. 2 से 7 के कार्यो हेतु दिनांक 18.08.2025 को सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट (http:://eproc.rajasthan.gov.in) एवं (http:://sppp.raj.nic.in) http:://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।

UBN No. :-AJD2526WSOB00066 - 72

राज.संवाद/सी/25/7543

अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगर परिषद, किशनगढ़ जिला -अजमेर (राज.)

क्रमांक/नपकि/स्टोर/2025/13 | दिनांक 02.08.25

ई-निविदा सूचना संख्या - 01-02/2025-2026

नगर परिषद किशनगढ की ओर से नगर परिषद किशनगढ एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार निर्धारित श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्रों में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया से नगर परिषद किशनगढ़ मे नक्शा पायलेट परियोजना के अन्तर्गत सर्वेक्षण कार्य (20 सर्वेक्षण दल) हेतु सर्वेयर, हेल्पर एवं वाहन मय चालक उपलब्ध करवाने संबंधित कार्य हेतु ऑन लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 04/08/2025 को प्रातः 09.00 बजे से तथा प्राप्त करने की दिनांक 14/08/2025 को दोपहर 12.00 बजे तक एवं निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ व https://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

यूबीएन नं. DLB2526A4272 DLB2526A4273

सभापति नगर परिषद्, किशनगढ | आयुक्त नगर परिषद्, किशनगढ

राज.संवाद/सी/25/7496

एक दिवसीय एनीमिया जांच शिविर का आयोजन

अजमेर, (कासं)। पी एम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय गुलाब बाड़ी अजमेर में विद्यालय की छात्राओं को एनीमिया के बारे में जानकारी और स्वस्थ पहल के अंतर्गत एक दिवसीय एनीमिया जाँच शिविर का आयोजन भारत विकास परिषद आदर्श शाखा अजमेर (राजस्थान मध्य प्रांत) के सहयोग से किया गया।

महिला प्रमुख भारत विकास परिषद सीमा मिश्रा ने बताया कि भारत विकास परिषद 1963 से निरंतर सेवा एवं संस्कार के प्रकल्पों के माध्यम से स्वस्थ, समर्थ, संस्कारित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कार्य कर रहा है इसी को मध्य नजर रखते हुए वर्ष 2020 में एनीमिया मुक्त भारत को राष्ट्रीय प्रकल्प का हिस्सा बनाया गया है, जिसका उद्देश्य किशोरियों एवं महिलाओं को एनीमिया के बारे में जानकारी देना उन्हें इसके करणों व लक्षणों के बारे में शिक्षित करना।

विद्यालय की प्रधानाचार्य इन्द्रा सोनगरा ने आगंतुक भारत विकास कार्यकर्ता एवं गुलाबबाड़ी चिकित्सालय मंजू गहलोत तथा लैब टेक्नीशियन पुष्पा जेठानी का स्वागत किया एवं बताया कि एनीमिया जांच शिविर के आयोजन और एनीमिया से ग्रस्त विद्यालय की छात्राओं को आईरन सप्लीमेंट्स व अन्य आवश्यक दवाई डॉक्टर के परामर्श से ले सके एवं एनीमिया मुक्त भारत के स्वप्न को साकार कर सके।

विद्यालय के सदन प्रभारी ने बताया कि कक्षा 6 से 12 तक कुल 526 छात्राओ की एनीमिया जांच (हीमोग्लोबिन की जांच) की गई जो कि भारत विकास परिषद के द्वारा लिया गया लक्ष्य 1 लाख विद्यार्थियों की एनीमिया जाँच का हिस्सा बना। विद्यालय के समस्त शिक्षको ने एक दिवसीय शिविर को सफल बनाया एवं प्रत्येक छात्राओं को गुड-चना वितरित करते हुए, उन्हें नियमित इनका सेवन करने के लिए जागरूक किया। सहयोगी शिक्षकों में व्यवस्था के लिए अंकुर प्रजापति एवं प्रीति बागोरिया, लीला जैन का पूरा-पूरा सहयोग रहा।

> ■ पीएम श्री बालिका विद्यालय गुलाब बाड़ी में लगेगा शिविर

कार्यालय ग्रा.पं. दादिया, पं.स. अरांई, जिला-अजमेर(अरांई)

क्रमांक- ग्रा.प.दा./2025-26/84 | सार्वजनिक आपत्ति आमंत्रण आवासीय पट्टा आपत्ति सूचना | दिनांक- 05/08/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत दादिया के विभिन्न राजस्व ग्रामों के मकानों/भूखण्डों के पट्टों हेतु आवेदन प्राप्त हुए है जिनक पंचायतीराज नियम 157(i) व अन्य नियमों के तहत पट्टे जारी किया जाना प्रस्तावित है। जिन पर आपत्तियां आमंत्रित की जाती है। यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति है तो 30 दिवस में अपनी आपत्ति मय दस्तावेज कार्यालय हाजा में प्रस्तुत होकर देवे बाद मियाद गुजरने पर किसी भी व्यक्ति की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी एवं नियमानुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम/पति/पिता	जाति	ग्राम	वि.वि.
1.	पारसी पत्नि शिवराज बलाई	बलाई	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
2.	गोपाल पुत्र हेमा खोखर	जाट	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
3.	रामस्वरूप पुत्र हेमा खोखर	जाट	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
4.	माना राम पुत्र हंगाम	जाट	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
5.	रघुनाथ पुत्र रामकरण	जाट	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
6.	देवेन्द्र सिंह पुत्र उमराव सिंह बडवा	बडवा	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
7.	मनोज कुमार कोठारी पुत्र गणतप सिंह	कोठारी	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
8.	छोटू पुत्र रामकरण खटीक	खटीक	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
9.	काना पुत्र सुगना रेगर	रेगर	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
10.	संतोष पुत्र बिशना खटीक	खटीक	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
11.	श्रवण पुत्र किशनलाल बलाई	बलाई	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
12.	जवान पुत्र बोदू जाट	जाट	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
13.	रामेश्वर लाल खोखर पुत्र गोलूराम	जाट	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
14.	विष्णु कुमार प्रजापत पुत्र घिसा लाल	प्रजापत	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
15.	भंवरलाल चौधरी पुत्र कानाराम	जाट	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
16.	नारायण खोखर पुत्र छगनलाल खोखर	जाट	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
17.	सुनीता चौधरी पत्नि गोपाल मातवा	जाट	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
18.	सरिता चौधरी पत्नि जय सिंह मातवा	जाट	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
19.	जय सिंह मातवा पुत्र तेजू जाट	जाट	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
20.	गोपाल मातवा पुत्र तेजू जाट	जाट	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
21.	राजकंवर पत्नि भवानी सिंह बडवा	बडवा	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
22.	मनोज मालाकार पुत्र रघुनाथ मालाकार	मालाकार	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
23.	बबलू पुत्र रघुनाथ मालाकार	मालाकार	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
24.	शिवराज खर्रा पुत्र कुनणमल	जाट	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार
25.	सोजी पुत्र कुणण	जाट	दादिया	मिशल पत्रावलीनुसार

नोट- उपरोक्त सुचीनुसार यदि पूर्व में किसी स्तर से कोई पट्टा जारी हो किसी प्रकार का आपसी भाई बंटवारा और विवाद हो या किसी न्यायालय में कोई प्रकरण विचाराधीन हो या किसी भी पडोसी व्यक्ति संस्था, सरकारी विभाग, राजस्व विभाग को उपरोक्त सूची के आवेदनकर्ताओं के संबंध में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो आपत्ति प्रकाशन होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर ग्राम पंचायत कार्यालय में आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करें। बाद मियाद किसी भी कार्यवाही के लिए ग्राम पंचायत जिम्मेदार नहीं होगी और न ही किसी आपत्ति पर कोई विचार किया जाएगा। यदि पूर्व में पट्टे पर पट्टा जारी होना पाया जाता है तो पूर्व में जारी पट्टा स्वतः ही निरस्त समझा जायेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी स्वयं पट्टाधारी की होगी एवं पट्टाधारक कानूनी कार्यवाही के लिए जिम्मेदार होगा एवं समस्त जिम्मेदारी आवेदनकर्ता की होगी। अतः सूचित रहे।

सुबिता कंवर, प्रशासक, ग्राम पंचायत दादिया, प.स. अरांई(अजमेर)

शंकर सिंह राठौड, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत दादिया, प.स. अरांई(अजमेर)

आर.ए.सी. जवान ने लेबर इंस्पेक्टर की गोली मारकर हत्या की

मौके से भागे हमलावर आरएसी जवान अजय कटारिया ने फुलेरा थाने में जाकर आत्मसमर्पण किया

- जांच में सामने आया कि हमलावर युवक अजय कटारिया आरएसी में दिल्ली में पोस्टेड है
- हत्या करने वाला मृतक का रिश्ते में साला ही निकला, जो कि कैब में सवार होकर आया था

जयपुर/फुलेरा। जयपुर के बगरू थाना इलाके में मंगलवार सुबह आरएसी जवान ने लेबर इंस्पेक्टर पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद जवान मौके से भाग निकला और फुलेरा थाने में जाकर आत्मसमर्पण कर दिया। इस दौरान चार-पांच राउंड फायरिंग की गई। अब पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि यह घटना बगरू थाना इलाके के वाटिका सिटी की है, जहां श्रम विभाग में लेबर इंस्पेक्टर शंकरलाल बलाई मंगलवार अल सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। इसी दौरान हमलावर आरएसी जवान अजय कटारिया जो कि फुलेरा थाना क्षेत्र के श्रीरामनगर में रहता है, कैब में सवार होकर आया और ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इससे शंकरलाल बलाई की मौत हो गई। जांच में सामने आया कि हमलावर युवक आरएसी में दिल्ली में पोस्टेड है। घटना के बाद बगरू थाना पुलिस के साथ ही उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। पुलिस ने मृतक शंकर लाल का शव मोर्चरी में रखवाया है।

प्रारंभिक तौर पर घरेलू विवाद के चलते हत्या की वारदात को अंजाम देने की बात सामने आई है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि मृतक शंकरलाल जयपुर ग्रामीण जिले के बोकड़ावास के रहने वाले थे। वह फिलहाल वाटिका सिटी में रह रहे थे और श्रम विभाग में लेबर इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत थे। पड़ताल में सामने आया है कि मृतक शंकरलाल आरोपित अजय का रिश्ते में जीजा लगता है।

घटना के समय लेबर इंस्पेक्टर की पत्नी दूध लेने गई थी। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे, तब तक लेबर इंस्पेक्टर की मौत हो गई थी। बताया जा रहा है कि आरोपित अजय कटारिया मृतक अधिकारी शंकर लाल के साले का दोस्त है। उसकी सगाई शंकर लाल की बुआ की लड़की से की गई थी। इसके बाद अजय ने सगाई करने से मना कर दिया था। इसके बाद सगाई तोड़ दी। आरोपित कई दिनों से लड़की से रिश्ते के लिए दबाव बना रहा था, लेकिन बात नहीं बनी। जानकारी सामने आई है कि इसी वजह से नाराज होकर आरोपित अजय कटारिया देर रात मंगेतर रही रश्मि को फोन पर धमकी दी और कहा कि सुबह तक देखना क्या होगा। इस वार्तालाप के बाद मंगलवार सुबह सवेरे ये घटना हो गई।

जानकारी मिली है कि आरोपित अपनी सरकारी एसएलआर गन को लोड करके आया था। घर में घुस गया और उसके बाद आपसी झगड़े के बाद लेबर इंस्पेक्टर शंकरलाल पर अंधाधुंध फायरिंग कर दिया। उसके बाद जिस टैक्सी को किराए पर लेकर आया था। उसके ड्राइवर को धमका कर उसी टैक्सी से फुलेरा भाग गया, वहां थाने में जाकर आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस इस मामले में सगाई संबंधों को लेकर हत्या होने की संभावना जता रही है। वहीं मृतक शंकर लाल के पिता और चाचा ने अन्य रंजिश के कारण हत्या करने की बात कही है। बगरू विधायक कैलाश वर्मा भी मौके पर पहुंचे हैं और मामले की जानकारी जुटाई है। पुलिस अधिकारी ने जल्द मामले का पर्दाफाश करने को कहा है। फिलहाल मृतक के पोस्टमार्टम करवा दिया गया और आरोपित अजय कटारिया से थाने में पूछताछ की जा रही है कि किन कारणों से इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दिया है।

जयपुर (पश्चिम) अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल ने बताया के करीब साढ़े पांच-छह बजे की घटना है। मौके से 8 खाली खोखा मिला है। जैसी ही घटना का पता चला तो हमने चारों तरफ नाकाबंदी की और सीसीटीवी फुटेज चेक करना शुरू किया, जब आरोपित को लगा कि वह कहीं भाग नहीं पाएगा तो फुलेरा थाने में पहुंचा।

थानाधिकारी फुलेरा चंद्र प्रकाश यादव ने बताया कि पुलिस की पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित अजय कटारिया (32) दिल्ली में आरएसी की 12वीं बटालियन में पोस्टेड है। सोमवार को ही उसने शंकर लाल बलाई की हत्या करने की ठान ली थी। दिल्ली से रात को बस में बैठकर मंगलवार सुबह सिंधी कैंप बस स्टैंड आया। बस स्टैंड पहुंचने पर सुबह साढे पांच बजे उसने कैब बुक की। टैक्सी कार में बैठकर बगरू के वाटिका स्थित शंकर लाल के घर जा पहुंचा। पूछताछ में सामने आया है कि वह बैग में एसएलआर राइफल को फोल्ड कर छिपाकर लाया था। सिंधीकैंप बस स्टैंड से बगरू आने के दौरान ही बैग में रखी उसने एसएलआर को कार में निकाला। चलती कार के अंदर ही एफएलआर राइफल को जोड़कर रख लिया था।

आरोपित अजय का कहना है कि उसने सोमवार रात ही अपनी पूर्व मंगेतर को शंकर लाल बलाई की हत्या करने की बात बता दी थी। फोन कर कहा था कि बैग में उसने राइफल और 50 कारतूस रख लिए है। सुबह जाकर शंकर लाल को गोलियों से भून डालूंगा। आरोपित अजय की बात को सीरियस नहीं लेने के चलते युवती ने भी किसी को भी नहीं बताई। पूछताछ में अजय ने बताया कि मार्च 2024 में जयपुर पुलिस में तैनात महिला कांस्टेबल के साथ उसकी सगाई हुई थीं। उसकी सगाई शंकर लाल के ससुर ने अपनी रिश्तेदारी में लगने वाली युवती से करवाई थी। सगाई के बाद ही उसको शंकर लाल से अवैध संबंध होने का शक हो गया था। इस बात को लेकर महिला कांस्टेबल से भी उसकी कई बार बहस भी हुई थी। आमने-सामने बैठकर बातचीत करने की कहने पर पूर्व मंगेतर का कहना था कि शंकर लाल भाईजी ने बात करने के लिए मना कर दिया है। अवैध संबंध के शक को लेकर ही करीब सात महीने बाद आपसी सहमति से सगाई टूट गई थी। पुलिस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि लड़की ने बताया कि अजय कटारिया मानसिक रूप से ठीक नहीं है और वह लड़की को बदनाम कर रहा है।

सगाई टूटने के बाद भी महिला कांस्टेबल उसको प्रताड़ित कर रही थी। उस पर शादी करने का दबाव बना रही थी। शादी नहीं करने पर मुकदमे में फंसा कर जेल भेजने की धमकी दे रही थी। पिछले काफी समय से डिप्रेशन में चल रहा था, जिसके चलते शंकरलाल की हत्या कर दी।

घर में बने टांके में गिरने से कांस्टेबल की मौत

जोधपुर, (कासं)। फलोदी एएसपी ऑफिस में तैनात एक कांस्टेबल की घर में बने पानी के टांके में गिरने से मौत हो गई। मंगलवार सुबह करीब छह बजे ड्यूटी के लिए तैयार होते समय पैर फिसलने से वे टांके में गिर पड़े। परिजनों ने उन्हें बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कांस्टेबल के शव को फलोदी पुलिस ले लाया गया, जहां पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्रद्धांजलि दी।

- ड्यूटी के लिए तैयार होते समय पैर फिसलने से टांके में गिरने से हादसा हुआ

फलोदी एसपी कुंदन कंवरिया ने बताया कि फलोदी के गांव हनुमानपुरा निवासी अशोक भादू पुत्र कानाराम फलोदी एएसपी ऑफिस में तैनात थे। मंगलवार सुबह ड्यूटी के लिए तैयार होते समय यह हादसा हुआ। पैर फिसलने से वे घर में बने पानी के टांके में गिर गए। परिजनों ने उन्हें बाहर निकालकर नजदीकी पोकरण के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार अशोक भादू ने करीब एक साल पहले ही गांव हनुमानपुरा में नया घर बनवाया था। उनका पैतृक गांव खारा (फलोदी) है, जो वहां से पांच किलोमीटर दूर है। अशोक के दो बेटे हैं। उनके पिता कानाराम रिटायर्ड टीचर हैं। बड़े भाई भारतीय सेना में कार्यरत है, जबकि छोटा भाई रेलवे में नौकरी करता है। उनकी एक बहन भी है, जिसकी शादी हो चुकी है।

कार्यालय नगरपालिका खुडाला फालना स्टेशन जिला-पाली
टेलि न./फैक्स न. – (02938) 236170/236883, ई-मेल – eombfalna@gmail.com

Notice Inviting Bid

Bids for Development Work Of Subject matter(s) of Procurement are invited from interested bidders upto 11:00 AM Date 04.08.2025 Other particulars of the bid may be Visited on the procurement portal (http://Sppp.raj.nic.in, of the state; and Muncipal Board Khudala-Falna Office,

UBN :- DLB2526WSOB13384

Raj.Samwad/C/25/7572 — Executive Officer, Muncipal Board Khudala-Falna

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड कोलायत
क्रमांक-1296 दिनांक-31.07.2025

Corrigendum-1 of Nit: 16-26/2025-26

Corrigendum-1 is hereby issued for NIT 16-26/2025-26. Registered interested bidders are invited to participate upto 05.08.2025 at 14.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state.

जल सीमित है, इसकी बचत करें।

(धर्मेन्द्र कुमावत) अधिशाषी अभियंता, जन स्वा अभि विभाग, खण्ड कोलायत

DIPR/C/10813/2025

कार्यालय नगर पालिका पीपाड़ शहर (जोधपुर) राज.
Office of the Municipal Board, Pipar city (Jodhpur) Rajasthan
Tel.- (02930) 233036, e-mail : municipality.pipar@gmail.com

क्रमांक : न.पा.पी./2025–26/3800 दिनांक 25.07.2025

NOTICE INVITING BIDS

Bid for Various Civil Work of procurement are invited from interested Bidders upto 12.08.2025 , 05.00 Pm other perticulars of the bid amy be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) And (www.eproc.rajasthan.gov.in)of the state, and local self department website.

NIB CODE :- DLB2526A4293

UBN:DLB2526WSOB13585,86,88,89,90,92,93,94,95,96,98,99,3600,01,02,03,04, 11,13,15,17,18।

Raj.Samwad/C/25/7566 — Executive Officer, Municipal Board Pipar City

कार्यालय नगरपरिषद, राजसमन्द
जिला परिषद रोड़, राजनगर

टेलिफोन नं. 02952–220034, फेक्स नं. 02952–221233, ई–मेल rajsamandnagarpalika@gmail.com

क्रमांक : एफ( )नपरा/इंजी/स्टोर/ई निविदा/1/2025–26/3850 दिनांक :– 01.08.2025

ई–निविदा सूचना संख्या 1/2025–26

नगर परिषद राजसमन्द द्वारा विकास कार्यो हेतु समस्त विभागों में पंजीकृत संवेदकों, कम्पनी, संगठनों/संस्थानों से ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन तकनीकी व वित्तिय निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड़ की जा सकती है।

निविदा क्रार्यक्रम	तिथि व समय
कार्य की संख्या	2
कार्यो की अनुमानित लागत	60.00 लाख
निविदा अपलोड की तिथि	01.08.2025 04:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	01.08.2025 04:00 PM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	08.08.2025 06:00 PM
भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की तिथि	11.08.2025 01:00 PM
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	11.08.2025 04:00 PM
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in
दोष निवारण अवधी	नियमानुसार
UBN NO-	DLB2526SLOB13296 DLB2526SLOB13304

राज.संवाद/सी/25/7597 सभापति आयुक्त

विदेशी महिला से होटल में दुष्कर्म

- दुष्कर्म की घटना के सामने आते ही पुलिस ने युवक को राउंडअप कर लिया

बीकानेर, (निसं)। यहां होटल में विदेशी महिला टूरिस्ट से रेप हुआ है। लालगढ़ इलाके में हुई इस घटना के संबंध में बिछवाल थाने में लिखित रिपोर्ट दी गई है। पुलिस ने होटल से एक युवक को डिटेन भी किया है। वह इवेंट मैनेजर है। उससे पूछताछ की जा रही है।

सीओ सदर विशाल जांगिड़ ने बताया कि विदेशी महिला वर्किंग वीजा पर भारत में है। वह बीकानेर के शहरी एरिया किराए पर अपार्टमेंट लेकर रहती है। आरोप है कि दो अगस्त को महिला को युवक डिनर के बहाने होटल ले गया था। वहां रेप की वारदात को अंजाम दिया। घटना के सामने आते ही पुलिस ने युवक को राउंडअप कर लिया। पुलिस होटल व अन्य लोकेशनों की गहनता से जांच कर रही है।

पीबीएम हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. सुरेंद्र वर्मा की ओर से गठित बोर्ड ने पीड़ित महिला का मेडिकल किया है। विदेशी महिला से भी पूछताछ की जा रही है।

पुलिस कस्टडी में ज्वैलर की मौत का विरोध, बिछीवाडा बंद

व्यापार मंडल के आव्हान पर व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे, मृतक व्यापारी का शव ऋषभदेव अस्पताल की मोर्चरी में रखा हुआ है

पुलिस कस्टडी में ज्वैलर की मौत के विरोध में बिछीवाडा के बाजार बंद रहे।

- परिजनों और समाज के लोगों ने उदयपुर के ऋषभदेव थाने का घेराव कर रखा है
- पुलिस के टॉर्चर से मौत होने का आरोप, परिजनों ने पूरे थाना स्टाफ को सस्पेंड करने की मांग की

डूंगरपुर, (निसं)। पुलिस कस्टडी में ज्वेलर की मौत के विरोध में मंगलवार को बिछीवाडा बंद रहा। परिजनों और समाज के लोगों ने उदयपुर के ऋषभदेव थाने का घेराव कर रखा है। उन्होंने पुलिस के टॉर्चर से मौत होने का आरोप लगाया है। परिजनों ने पूरे थाना स्टाफ को सस्पेंड करने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर ऋषभदेव पुलिस सर्राफा व्यापारी सुरेश पांचाल को उठा ले गई थी। इसकी जानकारी नियमानुसार बिछीवाडा पुलिस को भी नहीं दी गई। देर शाम बिछीवाडा में सूचना पहुंची कि सर्राफा व्यापारी की पुलिस हिरासत में मौत हो गई है। सुरेश पांचाल की उदयपुर जिले के ऋषभदेव थाना पुलिस की हिरासत में मौत के विरोध में मंगलवार को बिछीवाडा बंद रहा। व्यापार मंडल के आव्हान पर व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। मृतक व्यापारी का शव ऋषभदेव अस्पताल की मोर्चरी में रखा हुआ है।

परिजन और समाज के लोग उदयपुर कलेक्टर और एसपी को मौके पर बुलाने की मांग पर अडे हैं। साथ ही दोषी ऋषभदेव थाने के थानाधिकारी और पूरे स्टाफ को सस्पेंड करने की मांग कर रहे हैं। व्यापारियों ने बंद रखकर अपना विरोध दर्ज कराया है।

शातिर बदमाशों ने लगाए थे आरोप:-पुलिस का दावा है कि कुछ दिन पहले प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किए गए शातिर बदमाशों ने पूछताछ में सुरेश पांचाल का नाम लिया था। आरोप है कि चोरी का माल सुरेश द्वारा खरीदा गया था। इसी आधार पर पुलिस ने सुरेश को हिरासत में लिया। हालांकि, सोमवार को पुलिस सुरेश को स्थानीय अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि सुरेश की तबीयत अचानक बिगडने से उसकी मौत हुई है,लेकिन परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने सुरेश के साथ टॉर्चर करने एवं मारपीट करने से उसकी मौत हुई।

सड़क निर्माण कार्य शुरु करवाया

बौंली-बामनवास, (निसं)। मोरल नदी की टिगरिया गांव के पास दोनों तरफ सड़क टूटकर नदी में समा जाने के कारण बौंली व बामनवास उपखंड के करीब 40 गांव के आवागमन बाधित होने पर सवाई माधोपुर सार्वजनिक निर्माण विभाग हरकत में आया एवं बरनाला तहसीलदार राकेश कुमार मीणा एवं बाटोदा थाना पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। क्षतिग्रस्त सड़क व पुलिया का निरीक्षण कर बुधवार से ही सड़क मार्ग सुचारु करने को लेकर कार्य योजना तैयार की एवं सुरक्षा की दृष्टि से बाटोदा थाना पुलिस के जवानों को मौके पर नजर रखने के लिए तैनात किया गया है। इस कार्रवाई से ग्रामीणों में हर्ष की लहर दौड़ गई एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग सहित सवाई माधोपुर जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

तस्कर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। पुलिस ने ऑपरेशन सीमा संकल्प के तहत 5 साल से फरार चल रहे एनडीपीएस एक्ट के आरोपी और 10 हजार रुपए के इनामी नशा तस्कर सुशील कुमार को गिरफ्तार किया है। एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि पुलिस थाना जवाहरनगर के थानाधिकारी देवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम ने 4 अगस्त को आरोपी सुशील कुमार को गिरफ्तार किया। सुशील खिंचड़ों (30) की ढाणी, पुलिस थाना सादुलशहर, श्रीगंगानगर का निवासी है। आरोपी के खिलाफ तीन अलग-अलग मामले दर्ज हैं।

राजस्थान आवासन मण्डल
क्रमांक :- 431 दिनांक :- 31/07/2025

निविदा सूचना संख्या : 01/2025-26

राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड कोटा में विद्युत संबंधित कार्य "O&M of Street light fixtures at Various Scheme of Rajasthan Housing Board Division Kota" करवाये जाने हेतु 02 वर्ष के लिए इच्छुक निविदादाताओं से दिनांक 06.08.2025 सायं 6:00 बजे से 13.08.2025 दोपहर 2:00 बजे तक निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

यू.बी.एन. नं.:- RHB2526WSOB00155 से RHB2526WSOB00160

राज.संवाद/सी/25/7613 आवासीय अभियंता, खण्ड-कोटा

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
(पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबन्ध शाखा) नया पावर हाऊस परिसर, हैवी इंडस्ट्रीयल एरीया, जोधपुर-342003

ई-निविदा सूचना

स्वचालित सीटी/पीटी टेस्ट सेटअप जिसमें डिजिटल कंट्रोल पैनल के साथ पूर्ण सिस्टम TN-2078 (UBN JVV2526GLOB00334) हेतु ई-निविदा आंमत्रित की जाती हैं।

अन्य विवरण जैसे निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने/खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती हैं।

अधीक्षण अभियंता (पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबंध)

राज.संवाद/सी/25/7545

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

OFFICE OF ADDITIONAL DISTRICT PROJECT OFFICER SAMGRA SIKSHA RAJSAMAND (RAJ.)
Room No. 303, 305 Second Floor, Collectrate Campus Rajsamand
Email : rajsmsa.rajsamand@gmail.com, adpcrajsamand@rajasthan.gov.in

S.No. :- SMSA/RAJSAMAND/DMFT/Tender/2025-26/487 Date :- 28/07/2025

NOTICE INVITING e-BID (NIB 03/2025-26)

E-bids are invited for Electrical Work, Painting Work, Furniture Installation in 40 ICT Labs in schools across Rajsamand (Rajasthan) up to 6 PM of dated 07.08.2025, other detail may be seen in bidding document at state public procurement portal website www.sppp.rajasthan.gov.in or website www.eproc.rajasthan.gov.in.

Estimated Unit Cost: 2 Lac per lab
NIB Code : RSE2526A0343
UBN No. : RSE2526GLOB00450

Raj.Samwad/C/25/7562 Add. District Project Co-Ordinator

कार्यालय नगर पालिका मारवाड़ जंक्शन(पाली)
पंचायत समिति के सामने मारवाड़ जंक्शन–306001

क्रमांक : न.पा.मा.जं./विकास/2025.–26/206 दिनांकः–30.07.2025

ई–निविदा सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका, मारवाड़ जंक्शन के विकास शाखा की ई–निविदा आमंत्रित की गइ है। उक्त निविदा सम्बंधित विस्तृत जानकारी पालिका के नोटिस बोर्ड अथवा वेबपोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है, जिसके यू.बी.एन. नम्बंर (1) DLB2526WSRC13470 (2) DLB2526WSRC13471 है।

अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका, मारवाड़ जंक्शन

राज.संवाद/सी/25/7440

BDO, PANCHAYAT SAMITI KARAULI, DISTT. KARAULI
Dispatch No. PSA/Account/2025-26/613-617 Date: 17.07.2025

E-Notice Inviting Bid No. 01/2025-26

Bids for Annual Rate contract for Material Supply of Construction Work, Equipment Arrangement and Drilling of Handpump/Tubewell bore & installation in panchayat samiti karauli, district karauli are invited interested bidders from 18.07.2025 time 10.00 Am upto 07.08.2025 Time 12.00 PM Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state website. The approximate value of the procurement is Rs. 200.00 Lacs
UBN NO. ZKR2526GLRC00372, NIB CODE-ZKR2526A0272

(Ajit Singh) Block Development Officer Panchayat samiti Karauli

DIPR/C/10965/2025

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)
क्रमांक–निर्माण शाखा/निविदा/2025/1645–47 दिनांक : 31.07.2025

निविदा सूचना

नगरपालिका, रतनगढ़ निम्न कार्यो हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/सप्लायर्स से निविदाऐं आमंत्रित की जाती है, जो निम्न हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में दिनांक 08.08.2025 को दोपहर 11.00 बजे तक विक्रय की जाकर दिनांक 08.08.2025 को को दोपहर 12.00 बजे तक प्राप्त की जायेगी। प्रस्तुत सभी निविदाऐं दिनांक 08.08.2025 को मध्यान्ह् पश्चात् 5.00 बजे उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष खोली जावेगी। कार्य से संबंधित शर्ते एवं विवरण निम्न हस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को देखी जा सकती है। कार्यो का विवरण लोक उपापन पोर्टल (www.sppp.raj.nic.in) पर भी देखी जा सकती है।

NIB code- DLB2526A4143
UBN:- DLB2526WSOB13142, DLB2526WSOB13144, DLB2526WSOB13146, DLB2526WSOB13148

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रतनगढ़

राज.संवाद/सी/25/7450

स्मैक के साथ एक युवक गिरफ्तार

879 ग्राम स्मैक बरामद, जो रतलाम से दो भाइयों द्वारा रतलाम से ट्रकों के जरिए भेजी गई थी

- आरोपी अनीस खां महंगे शौक रखता है, महंगे मोबाइल फोन, गाड़ी उपयोग में लेता है तथा लग्जरी जीवन जीता है

जोधपुर, (कासं)। फलोदी जिले की स्पेशल टीम और फलोदी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नशे के एक सौदागर को गिरफ्तार किया है। उससे 879 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। यह स्मैक उसे रतलाम से दो भाइयों द्वारा मध्यप्रदेश के रतलाम से ट्रकों के जरिए भेजी गई थी। आरोपी से पूछताछ में कई बड़े खुलासे होने की संभावना बनी है। फिलहाल अभियुक्त से पूछताछ चल रही है।

फलोदी एसपी कुंदन कंवरिया ने बताया कि जिला स्पेशल टीम फलोदी व पुलिस थाना फलोदी टीम द्वारा 879 ग्राम अवैध स्मैक बरामद कर आरोपी अनीश खान को गिरफ्तार किया गया है। एसपी कुंदन कंवरिया ने बताया कि पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी, जिस पर एक टीम का गठन किया गया। टीम ने फलोदी के जोड निवासी अनीस खां पुत्र बशीर खां को टारगेट करना शुरू किया। टीम के सदस्य हितेश कुमार, गंगाराम व किशनाराम ने उनके रहवासीय इलाके, आने-जाने के रास्तों तथा अन्य आसूचनाओं को एकत्र किया। बाद में उसके घर पर रेड देकर पकड़ा गया। अनीस खान ने पुलिस को दी जानकारी में बताया कि स्मैक इकबाल व उसके भाई अजरूदीन उर्फ अजू जो रतलाम मध्यप्रदेश के रहने वाले है, जो कि विभिन्न कोरियर के जरिये 10 चक्का ट्रकों में छिपा कर भेजते थे, जिनको मैं फलोदी में प्राप्त कर स्थानीय तस्करों को विक्रय के लिए देता था। आरोपी ने भोजासर थाना क्षेत्र के रामदेव नगर में अवैध स्मैक सप्लाई की, जिस पर थाना भोजासर ने 104.08 ग्राम स्मैक बरामद की थी। उसके खिलाफ पहले भी डोडा-पोस्त का प्रकरण फलोदी में दर्ज है।

एसपी कंवरिया ने बताया कि आरोपी अनीस खां महंगे शौक रखता है। महंगे मोबाइल फोन, गाड़ी उपयोग में लेता है तथा लग्जरी जीवन जीता है।

कार्यालय नगरपालिका मावली जिला उदयपुर (राज.)
क्रमांक :– न.पा.मा./स्टोर/ 2025–26/335 दिनांक :– 25.07.2025

–:: ई निविदा सूचना ::–

नगरपालिका मावली द्वारा वार्षिक अनुबन्ध 2025–26 हेतु निम्नांकित कार्यो के लिए पंजीकृत ठेकेदारो एवं अन्य विभागो के निर्धारित श्रेणी में पंजीकृत नियमानुसार योग्य संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में मुहरबंद ई निविदाये आंमत्रित की जाती है। उक्त निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण पोर्टल sppp.rajasthan.gov.in एवं http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

कुल कार्य	6
कार्यो कि कुल लागत	110.00 लाख
ऑनलाईन फार्म मिलने/डाउनलोड करने की दिनांक	दिनांक 25.07.2025 प्रातः 09.00 बजे से दिनांक 07.08.2025 साय 06.00 बजे तक
ऑनलाईन फार्म जमा कराने की दिनांक	दिनांक 25.07.2025 प्रातः 09.00 बजे से दिनांक 07.08.2025 साय 06.00 बजे तक
ऑफलाईन निविदा शुल्क, धरोहर, दस्तावेज जमा कराने की अंतिम दिनांक	दिनांक 08.08.2025 प्रातः 11.00 बजे तक।
ऑनलाईन तकनीकी निविदा खोलने की दिनांक	दिनांक 08.08.2025 दोपहर 02.00 बजे से।
ऑनलाईन वित्तिय निविदा खोलने की दिनांक	तकनीकी अर्हता रखने वाले की वित्तिय निविदा खोली जावेगी।
युबीएन कोड	DLB2526GLOB13228, DLB2526SLOB13223, 13224, 13226, DLB2526SSOB13227, 13229

निविदा से संबधित विवरण वेबसाईट http://www.sppp.rajasthan.gov.in व http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदको को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम सेवेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत होना आवश्यक है।

प्रशासक, नगरपालिका, मावली — अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका, मावली

राज.संवाद/सी/25/7428

राजस्थान सरकार
वाणिज्यिक कर विभाग
कार्यालय-सहायक आयुक्त, घट-द्वितीय, वृत्त-सी, प्रवर्तन शाखा-तृतीय, राजस्थान, जयपुर
(कमरा नं. 310 द्वितीय तल, नवीन भवन, कर भवन, अम्बेडकर सर्किल, जयपुर)

क्रमांक-1462 दिनांक-01.08.2025

नीलामी की सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा दिनांक 08.07.2025 को जब्ती जारी आदेश MOV-11 द्वारा जब्त दो वाहन एवं उनमें लदे माल पर देय जुर्माना एवं शास्ति के भुगतान हेतु सम्बन्धित कोई भी व्यक्ति उपस्थित नहीं हुआ है। अत उनका निस्तारण (नीलामी) The RGST Rules, 2017 के नियम 144 एवं 144-ए, के अन्तर्गत खुली बोली द्वारा दिनांक 18.08.2025 को किया जाना है। वाहन एवं उनमें लदे माल का The RGST Rules, 2017 के नियम 144 एवं 144-ए के अन्तर्गत खुली बोली द्वारा निस्तारण (नीलामी) दिनांक 18.08.2025 को सुबह 11.00 बजे कार्यालय परिसर (कमरा नं. 310 द्वितीय तल, नवीन भवन, कर भवन, अम्बेडकर सर्किल, जयपुर) में किया जाना है। नीलाम किये जाने वाले माल व वाहन की बोली से संबंधित समस्त शर्ते व विवरण विभागीय वेबसाईट HTTPS://RAJTAX.RAJASTHAN.GOV.IN व किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में, कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है। अतः संबंधित व्यक्ति/व्यापारी/बोलीदाता जो कि जी.एस.टी. में पंजीकृत हो निर्धारित समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर निम्नानुसार अमानत राशि जमा करवाकर बोली में भाग ले सकता है। अमानत राशि जरिये Demand Draft/Banker's Cheque "ASSISTANT COMMISSIONER (STATE TAX), WARD-II, CIRCLE-B, ENFORCEMENT WING-III, Rajasthan, JAIPUR" के पक्ष में देय होगा।

नीलाम किये जाने वाले माल का वाहनों का विवरण

Sr. No	वाहन का पंजीयन नम्बर	Name of Goods	Quantity	वाहन में भरे माल/ वाहन की आंकलित कीमत	अमानत राशि
1	RJ14-GP-7787	ARECA NUTS	17500KG	Rs. 46,85,625/-	Rs.50,000/-
2	RJ14-GC-7983	ARECA NUTS	24500KG	Rs. 67,52,813/-	Rs.50,000/-
3	RJ14-GP-7787	Vehicle itself	1	Rs. 16,40,000/-	Rs.50,000/-
4	RJ14-GC-7983	Vehicle itself	1	Rs. 14,50,000/-	Rs.50,000/-

नीलाम किये जाने वाले माल का विस्तृत विवरण एवं नीलामी की शर्तें कार्यालय में उपस्थित होकर अथवाा विभागीय पोर्टल www.rajtax.gov.in देखी जा सकती है।

(ओम प्रकाश शर्मा) सहायक आयुक्त, राज्य कर, घट-द्वितीय, वृत्त-बी, प्रवर्तन शाखा-तृतीय, राजस्थान, जयपुर

DIPR/C/10923/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग नगर खण्ड-द्वितीय, जयपुर
क्रमांक-1839 **ई-निविदा सूचना संख्या- 28/2025-26** दिनांक-24.07.2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यो-

क्र. सं.	कार्य का नाम	संवेदक की श्रेणी	डिफेक्ट लाईब्लिटी अवधि	UBN NO.
1	Urgent Repair and Maintenance work at at SMS Medcial College, Jaipur. (Sanitary Work, Various Hostels)	"S-1"(SANITARY)	अनुबन्धानुसार	PWD2526WSOB07935
2	Urgent Repair and Maintenance work at at SMS Medcial College, Jaipur. (Civil Work))	"D"(CIVIL)	अनुबन्धानुसार	PWD2526WSOB07936
3	Urgent Repair and Maintenance work at at SMS Medcial College, Jaipur. (Sanitary Work, Main Building and Other Buildings)	"S-3"(SANITARY)	अनुबन्धानुसार	PWD2526WSOB07938
4	Urgent Repair and Maintenance work at at SMS Medcial College, Jaipur. (Joinery Work, Various Hostels)	"F-2"(SANITARY)	अनुबन्धानुसार	PWD2526WSOB07940
5	Urgent Repair and Maintenance work at at SMS Medcial College, Jaipur. (Painting Work)	"P-2"(JOINERY)	अनुबन्धानुसार	PWD2526WSOB07943
6	Urgent Repair and Maintenance work at at SMS Medcial College, Jaipur. (Joinery Work, Main Building and Other Buildings)	"S-3"(JOINERY)	अनुबन्धानुसार	PWD2526WSOB07944
7	Repair and Renovation work in RUHS Hospital at Pratap Nagar, Jaipur. (Sanitary work)	"S-1"(SANITARY)	अनुबन्धानुसार	PWD2526WSOB07950
8	Repair and Renovation work in RUHS Hospital at Pratap Nagar, Jaipur. (Civil work)	"C"(CIVIL)	अनुबन्धानुसार	PWD2526WSOB07951
9	Repair and Renovation work in RUHS Hospital at Pratap Nagar, Jaipur. (Joinery work)	"F-1"(JOINERY)	अनुबन्धानुसार	PWD2526WSOB07953
10	Repair and Renovation work in RUHS Hospital at Pratap Nagar, Jaipur. (pAINTING work)	"P-1"(PAINTING)	अनुबन्धानुसार	PWD2526WSOB07955

हेतु सम्मुख अंकित दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरीयड) सहित सा.नि.वि. में उपयुक्त श्रेणी (नियमानुसार) में पंजीकृत संवेदक एवं संवेदक जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूर संचार, रेल्वे या अन्य राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों जो कि राजस्थान सरकार के "एए" अथवा "ए" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित परिपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदाएं आंमत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण वेबसाइट www.dipronline.org, www.eproc.rajasthan.gov.in http://www.pwd.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. नगर खण्ड-2, जयपुर

DIPR/C/10789/2025

मुख्यमंत्री ने बहनों से बंधवाई राखी, सुपोषित राजस्थान का लिया संकल्प

मुख्यमंत्री ने 1 लाख 21 हजार आंगनबाड़ी बहनों को 501-501 रुपये डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित किए

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्र हमारे समाज में संस्कारों के केन्द्र हैं। शिशु की पहली गुरू माता होती है। दूसरी गुरू आंगनबाड़ी की माता-बहनें हैं।

■ **राखी के अवसर पर प्रदेश की बहनें रोडवेज बसों में कर सकेंगी दो दिन निःशुल्क यात्रा**

मुख्यमंत्री ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार सहित, आंगनबाड़ी बहनों से राखी बंधवाई।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने सुपोषित राजस्थान के लिए आंगनबाड़ी बहनों को पोषण की शपथ भी दिलवाई। शर्मा मंगलवार को बिड़ला सभागार में मुख्यमंत्री संग रक्षाबंधन-आंगनबाड़ी बहन सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी बहनें प्रदेश की महिलाओं और बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने, उनके स्वास्थ्य और पोषण को सुनिश्चित करने एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने में अहम योगदान दे रही हैं। उन्होंने सभी बहनों को रक्षाबंधन की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाएं "नारी तू नारायणी" की भावना को साकार करते हुए बहन, पत्नी, माता, संरक्षक के रूप में बखूबी काम कर रही हैं। ग्रामीण तथा शहरी परिवेश में महिलाएं घर-परिवार को आगे बढ़ाती हैं।

समारोह में मुख्यमंत्री ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार सहित, आंगनबाड़ी बहनों से राखी बंधवाई।

शर्मा ने भी राखी के उपहार स्वरूप प्रदेश की 1 लाख 21 हजार आंगनबाड़ी बहनों को डीबीटी के माध्यम से 501-501 रुपये की राशि हस्तांतरित की। आंगनबाड़ी बहनों को छाता एवं मिठाई भी उपहार स्वरुप भेंट किए गए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राखी के अवसर पर प्रदेश की बहनों के लिए रोडवेज बसों में दो दिन निःशुल्क यात्रा की घोषणा की।

हमारी सरकार ने राज्य में एक हजार नए आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने, 2 हजार 365 मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र विकसित करने, आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मूलभूत सुविधा बढ़ाने, केन्द्रों की मरम्मत के लिए 50 करोड़ रुपये स्वीकृत करने जैसे निर्णय लिए हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रदेश की महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है।इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

समारोह में महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री, डॉ. मंजू बाघमार, शासन सचिव महिला एवं बाल विकास महेन्द्र सोनी सहित, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी बहनें मौजूद थे।

छात्रसंघ चुनाव की मांग पर जयपुर में गरजे सचिन पायलट

- कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में शहीद स्मारक पर मंगलवार को एनएसयूआई के धरने में पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने राजस्थान सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने छात्रसंघ, पंचायत और पालिका चुनावों में देरी को लोकतंत्र के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि अफसरशाही हावी है और दिल्ली से लोकतंत्र को कुचलने की सीख मिल रही हैं।

■ **पायलट ने कहा ''चुनाव न कराकर सरकार दबा रही युवाओं की आवाज''**

■ **एन.एस.यू.आई. कार्यकर्ताओं ने शहीद स्मारक से सीएम हाउस घेराव के लिए कूच की कोशिश की तो पुलिस ने वाटर कैनन बरसाकर रोका**

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट शहीद स्मारक पर एनएसयूआई के धरने में शामिल हुए।

पायलट ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव की प्रक्रिया सबसे महत्वपूर्ण होती है। हार या जीत बाद की बात है, लेकिन नौजवानों को चुनाव लड़ने का मौका ही नहीं दिया जा रहा है। आखिर ऐसी क्या मजबूरी है कि छात्रसंघ, पंचायत और पालिका चुनाव नहीं करवाए जा रहे?

पुलिस ने लाडनूं विधायक मुकेश भाकर, एन.एस.यू.आई.प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ समेत 36 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। प्रदर्शन के दौरान एन.एस.यू.आई.के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी का मोबाइल फोन चोरी हो गया।

विधायक अभिमन्यु पूनिया ने कहा कि आज एक भी छात्र पर मुकदमा लगाया गया तो कांग्रेस पार्टी इसका करारा जवाब देगी। हम हर कीमत पर छात्रसंघ चुनाव बहाल करा कर ही दम लेंगे।

किसान संघ करेगा स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध

जयपुर । भारतीय किसान संघ की जयपुर प्रांत की बैठक मंगलवार को प्रदेश कार्यालय पर आयोजित की गई। इसमें जयपुर प्रांत में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध करने और हर तहसील कार्यालय पर इसके ख़िलाफ़ ज्ञापन देने का निर्णय किया। जयपुर प्रांत सह प्रचार प्रमुख डॉ.लोकेश कुमार चन्देल ने बताया बैठक को सम्बोधित करते हुए किसान संघ के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह ने कहा कि ग्राम समिति के सदस्यों को ग्राम समिति के क्या-क्या उद्देश्य हैं, उसको इसकी पूरी जानकारी होनी चाहिए। बैठक में सबसे पहले नवनियुक्त प्रांत संगठन मंत्री नीरज का साफा बंधवाकर स्वागत किया और नवीन दायित्व प्रदान किया गया। प्रांत महामंत्री सांवर सोलेट ने ग्राम समिति बैठक और सभी तहसीलों के प्रशिक्षण वर्ग के कार्यों की समीक्षा करते हुए आगे की रूपरेखा तैयार की ।

राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट की फटकार राष्ट्रविरोधी मानसिकता का परिणाम : मदन राठौड़

जयपुर। राज्यसभा सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। राठौड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से बार-बार फटकार मिलना यह दर्शाता है कि राहुल गांधी बिना तथ्य के, गैर-जिम्मेदाराना और राष्ट्रविरोधी बयानबाजी करते रहे हैं, विशेषकर भारतीय सेना के संदर्भ में। राठौड़ ने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक जैसे देश की सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर भी राहुल गांधी ने सेना की नीयत और कार्यशैली पर सवाल उठाए। "जब सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया, तो राहुल गांधी और उनकी टीम ने यह पूछना शुरू कर दिया कि 'कितने मरे', 'कहाँ मरे', 'क्या सबूत हैं'? क्या ये सब उन्होंने जाकर खुद देखा था?" उन्होंने कहा कि जब गलवान में हमारी सेना चीन की आर्मी को अपनी वीरता का प्राक्रम दिखा रही थी, तब राहुल गांधी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कह रहे थे कि हमारी सेना चीनी आर्मी से पिट रही है, यह आश्चर्य और शर्मनाक बात है।

■ **'केंद्रीय मंत्री अमित शाह का योगदान ना केवल उल्लेखनीय है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए अनुकरणीय'**

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने चीन के मुद्दे पर भी राहुल गांधी के बयान को अनर्गल और तथ्यहीन बताते हुए कहा कि "1962 में जब देश के प्रधानमंत्री नेहरू थे, तब चीन ने जमीन हड़पी थी। आज जब हमारी सेना पूरी मजबूती से खड़ी है, तब भी राहुल गांधी कहते हैं कि 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन चीन ने ले ली। सुप्रीम कोर्ट ने भी यही सवाल किया - क्या आपके पास कोई तथ्य हैं?" राठौड़ ने सावरकर पर दिए गए राहुल गांधी के बयानों की भी तीखी आलोचना करते हुए कहा कि "सावरकर जैसे क्रांतिकारी जिन्होंने तीन बार कालापानी की सजा भुगती, उनके त्याग और बलिदान का अपमान राहुल गांधी ने किया। महात्मा गांधी तक ने योर्स ओबिडियेंट सर्वेंट जैसे शब्दों का प्रयोग किया था तो क्या गांधी ने माफी मांगी थी, नहीं ? वह उस समय की औपचारिक शैली थी, न कि कोई माफीनामा।"

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रधानमंत्री मोदी के सरनेम पर दिए गए बयान को जातिगत अपमान की श्रेणी में बताते हुए कहा कि "विपक्षी नेता एक ओबीसी समुदाय को जान बूझकर निशाना बना रहे है। इसी कारण माफी मांगनी पड़ी और न्यायालय की कार्यवाही का सामना भी करना पड़ा।"

हथियार से हमला कर मोबाइल फोन छीनने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राहगीर को नुकीला हथियार से हमला कर मोबाइल फोन छीनने वाले एक शातिर बदमाश को धर-दबोचा है। जिसके पास से छीना गया मोबाइल सहित वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी जब्त किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) हनुमान प्रसाद ने बताया कि सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राहगीर को नुकीला हथियार से हमलर कर मोबाइल फोन छीनने वालेआरोपित अशफाक अहमद उर्फ आशु (27) निवासी चौकड़ी तोपखाना हजूरी घाटगेट रामगंज को गिरफ्तार किया है।

जिसके पास से छीना गया मोबाइल सहित वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ चोरी, मारपीट, एनडीपीएस एक्ट के करीब 8 प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस पूछताछ में कई अन्य वारदातों के खुलासे की संभावना है।

गौरतलब है कि दो अगस्त की रात तौसीफ ने सिंधी कैंप थाने में मामला दर्ज कराया था कि वह सिंधी कैंप बस स्टैंड से ऑटो रिक्शा से चांदपोल की तरफ जा रहा था। ममता होटल के सामने पहुंचने पर पीछे से आए बाइक सवार बदमाश ने चलते झपट्टा मारकर उसका मोबाइल छीन लिया। फुटेज के आधार पर रूट मैप तैयार कर संदिग्ध बदमाश को धर-दबोचा।

कांस्टेबल से हैड कांस्टेबल पद की पदोन्नित पर लगी रोक हटी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कांस्टेबल से हैड कांस्टेबल पद की साल 2013-14 की पदोन्नित पर लगी अपनी 19 अप्रैल, 2023 की रोक को हटा लिया है। इसके साथ ही अदालत ने हैड कांस्टेबल के रिक्त पदों में से याचिकाकर्ताओं के लिए पद सुरक्षित रखने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश तेजराम व अन्य की याचिका में राज्य सरकार की ओर से पेश प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा है कि यदि सरकार इस बात पर आश्वस्त है कि रिक्तियों का निर्धारण सही प्रकार से किया गया था और उसके पुनर्निधारण की जरूरत नहीं है तो राज्य सरकार याचिकाकर्ताओं को पदोन्नत करने के लिए अतिरिक्त पदों को सृजित करने के लिए स्वतंत्र होगी।

■ **राज्य सरकार याचिकाकर्ताओं को पदोन्नत करने के लिए अतिरिक्त पदों को सृजित करने के लिए स्वतंत्र होगी**

प्रार्थना पत्र में राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता भुवनेश शर्मा ने अदालत को बताया कि हाईकोर्ट ने 19 अप्रैल, 2023 को एक पक्षीय सुनवाई करते हुए 27 मार्च, 2023 की पुलिस विभाग की साल 2013-14 की पदोन्नित सूची पर अंतरिम रोक लगा दी थी। अदालत ने पांच याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश जारी किया था। इनमें से चार याचिकाओं को पूर्व में ही वापस लिया जा चुका है। एएजी ने कहा कि पदोन्नित सूची हाईकोर्ट के आदेश पालना में जारी की गई थी। वहीं मामले में एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर 4 मई, 2024 को रिवाइज प्रमोशन लिस्ट जारी की गई। ऐसे में रिवाइज प्रमोशन लिस्ट को देखते हुए मामले में लगाई गई रोक को हटाया जाए। वहीं अदालत में उपस्थित पुलिस कमिश्नर की ओर से अदालत को बताया गया की याचिकाकर्ताओं के लिए पद रिक्त रखते हुए स्टे आदेश को संशोधित किया जा सकता है। दूसरी ओर याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आरएन माथुर और अधिवक्ता तनवीर अहमद ने कहा कि याचिकाकर्ता परीक्षा पास कर पदोन्नित के लिए पात्र हैं।

बच्चे का अपहरण कर मांगी फिरौती

जयपुर । रामनगरिया थाना इलाके में घुमाने के बहाने ग्यारह साल के बच्चे के अपहरण करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि परिचित ने बच्चे का अपहरण ने उसकी मां को फोन कर फिरौती मांगी और धमकाया कि बच्चा चाहिए तो एक लाख रुपए दो,तुम्हारा बच्चा मेरे पास है। पुलिस ने सूचना मिलने पर पीछा किया । लेकिन पुलिस पकड़ में आने के डर से अलवर में बच्चे को छोड़कर भाग गया। पुलिस ने आठ घंटे में बच्चे को ढूंढ निकाला और फिर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

थानाधिकारी चंद्रभान ने बताया कि आरोपित परिचित जगतपुरा के महल रोड स्थित ढाबे पर रोजाना खाना खाने आता था। इसलिए ढाबा संचालक मां और बच्चे से जान-पहचान हो गई। इसके बाद आरोपित युवक ग्यारह साल के बच्चे पीयूष योगी को घुमाने के बहाने बाइक पर बैठाकर साथ ले गया। यहां से महवा जाने के बाद उसने मां को फोन कर फिरौती मांगी। पुलिस ने उसके मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की तो आगरा रोड महवा की आई। इसके बाद उसका पीछा करना शुरू किया तो वह अलवर के लक्ष्मणगढ़ पहुंच गया।

डॉ. पटेल ने शिकायतों का निस्तारण कर राहत देने के निर्देश दिए

हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल(बीच में) ने समीक्षा बैठक ली।

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज जयपुर आयुक्त डॉ निधि पटेल ने मंगलवार को निगम मुख्यालय में समीक्षा बैठक की। इस दौरान निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने ऑनलाइन पेंडिंग शिकायतों के 100 प्रतिशत निस्तारण कर आमजन को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री संपर्क पोर्टल, एलएसजी, सीएस प्रकरण और निगम की हेल्पलाइन पर जरूरतमंद लोग ही अपनी शिकायत डालते है। ऐसे में उनकी समस्या का ठोस निस्तारण किया जाएं, और साथ ही शिकायतकर्ता को मौके पर ही बुलाकर संतुष किया जाएं। जिससे कि आमजन की समस्या का निदान हो सकें। इस दौरान अतिरिक्त आयुक्त सुरेंद्र यादव सहित अन्य निगम अधिकारी, इंजीनियर और कर्मचारी मौजूद रहे।

इस दौरान निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने बाजारों में से ओपन कचरा डिपो को पूर्णतः खत्म करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि परकोटे के बाजार हमारी संस्कृति और सभ्यता की पहचान है। दूसरे देश से लोग यहां की तस्वीरें उकेर कर ले जाते है। ऐसे में सड़क पार ओपन कचरा डिपो खत्म होना चाहिए। साथ ही उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि बाजारों में जिन दुकानों के बाहर डस्टबिन नहीं मिलें, उन पर चालान किया जाएं।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम आरोहण का आयोजन

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के गणित विभाग द्वारा आज नवप्रवेशित एम.एससी. गणित (सेमेस्टर-, 2025-26) के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम 'आरोहण' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विभाग परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस ओरिएंटेशन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के शैक्षिणक वातावरण, विभागीय ढांचे एवं उपलब्ध छात्र सहायता सेवाओं से परिचित कराना था। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई, जिससे समारोह में गरिमामय और पारंपरिक माहौल बना, कार्यक्रम में कई महत्वपूर्ण सत्रों का आयोजन हुआ जिनमें विभाग की संरचना, शैक्षिणक समितियाँ, परीक्षा प्रणाली, छात्रवृत्तियाँ, मेंटर-मेंटी योजना, पुस्तकालय सुविधाएँ, तथा एंटी-रैगिंग और एंटी-हरासमेंट जैसी छात्र कल्याण समितियों की जानकारी दी गई। इन सत्रों का संचालन संबंधित संकाय सदस्यों द्वारा किया गया।

सार-समाचार

कांवड़ियों का स्वागत किया

जयपुर। टीम 39 जहां चाह वहां राह जन कल्याण ट्रस्ट की ओर से पानीपेच तिराहे पर सावन के पवित्र महीने मे प्रत्येक रविवार की रात को सेवा कार्यक्रम किया गया। इसी कड़ी में इस रविवार को कांवड़ियों के लिए गर्म दूध एवं केले की सेवा की गई जो पूरी रात्रि तक चली। प्रधान ट्रस्टी विष्णु बियानी व मनीष केडिया ने बताया कि टीम 39 द्वारा सावन के पवित्र महीने में हजारों कावड़ यात्रियों का स्वागत व सत्कार किया गया । कार्यक्रम में टीम 39 के सदस्य द्वारका प्रसाद जांगिड़, मुकेश अग्रवाल,आनंद सिंह नरूका,राम प्रकाश शर्मा,घनश्याम शर्मा, रहीस भाई, नरेंद्र यादव, घनश्याम शर्मा,लाला राम जांगिड़,अतुल अग्रवाल,जितेश सोनी,नीरज सैन,भगवान सहाय,हरीश वर्मा,दिनेश कुमावत,राज कुमार यादव, लाला सैन उपस्थित रहे ।

दीन दयाल स्पर्श योजना हेतु विज्ञिप्त

जयपुर। स्कूली बच्चों में डाक टिकट संग्रहण की रुचि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय डाक विभाग द्वारा समस्त मान्यता प्राप्त शैक्षिणक संस्थानों के कक्षा 6 से 9 तक में अध्यनरत नियमित विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष 6000 रू (छः हजार रुपये) छात्रवृति प्रदान करने हेतु "वर्ष 2025-26 हेतु दीन दयाल स्पर्श योजना" प्रारंभ की गयी है। इस योजना में चयनित छात्रों को डाक विभाग द्वारा प्रतिवर्ष 6000 छात्रवृति प्रदान की जाएगी। इस योजना में आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 सितम्बर निश्चित की गई है।

साांसद सी.पी. जोशी ने की लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से शिष्टाचार भेंट

जयपुर। चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी ने आज नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर चित्तौड़गढ़ जिले से भाजपा जिला अध्यक्ष रतन गाडरी एवं सांवलियाजी मंदिर मंडल ट्रस्ट के अध्यक्ष जानकीदास वैष्णव भी साथ उपस्थित रहे भेंट के दौरान सांसद सी.पी. जोशी ने चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र से जुड़े सामाजिक, धार्मिक एवं क्षेत्रीय विकास के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। विशेष रूप से सांवलियाजी क्षेत्र से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं एवं श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के मद्देनज़र आवश्यक बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकता पर भी विचार-विमर्श हुआ। सांसद सी.पी. जोशी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला जी को चित्तौड़गढ़ आगमन हेतु आमंत्रित भी किया।

सांसद बेनीवाल ने पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि दी

नईदिल्ली/जयपुर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने दिल्ली स्थित आरएमएल पहुंचकर पूर्व राज्यपाल स्वर्गीय सत्यपाल मलिक की पार्थिव देह पर पुष्पांजलि अर्पित की ,उन्होंने मलिक के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि यह मेरे लिए दुःख का क्षण व व्यक्तिगत क्षित है ,उन्होंने कहा कि जम्मू - कश्मीर, बिहार, गोवा तथा मेघालय के राज्यपाल रह चुके चौधरी सत्यपाल मलिक का निधन देश के किसान वर्ग के लिए अपूर्णीय क्षित है,उनकी बेबाक छवि व स्पष्टवादिता के लिए यह राष्ट्र सदैव उन्हें याद रखेगा ,बेनीवाल ने विगत दिनों अस्पताल में जाकर सत्यपाल मलिक की कुशलक्षेम भी पूछी थी ।

एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक में बहस जारी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक प्रकरण में बहस जारी है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ में मंगलवार को राज्य सरकार की ओर से पक्ष रखा गया। वहीं अदालती समय पूरा होने पर अदालत ने मामले की सुनवाई बुधवार को रखी है। इससे पूर्व मामले में याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने अपना पक्ष रखा था। राज्य सरकार का कहना है कि भर्ती को अभी निरस्त नहीं करने का निर्णय लिया गया है।

देवनानी ने इंडोनेशिया में हिंदू पुनरुत्थान पुस्तक का विमोचन किया

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और गोविंददेव गिरी ने मंगलवार को यहां कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ़ राजस्थान में आयोजित एक गरिमामय समारोह में इंडोनेशिया में हिन्दू पुनरुत्थान पुस्तक का विधिवत विमोचन किया। यह पुस्तक लेखक रविकुमार अय्यर द्वारा इंडोनेशिया में सनातन चेतना के अद्भुत पुनर्जागरण पर आधारित एक शोधपरक एवं भावनात्मक प्रस्तुति है।

वासुदेव देवनानी और गोविंददेव गिरी ने इंडोनेशिया में हिन्दू पुनरुत्थान पुस्तक का विधिवत विमोचन किया।

■ **रामायण व गीता सभी के घर में हो और संध्या आरती में घर के सभी सदस्य साथ हो - देवनानी**

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सनातन न किसी पर थोपता है, न किसी को डरा कर बुलाता है। यह प्रकाश बनकर खड़ा रहता है जो खोजे, वह उसी में मिल जाए, जो देखे, वह उसी में खो जाए। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक शोध एवं चेतना के साथ सनातन का भविष्य है। खोए हुए आध्यात्मिक संतुलन की ज्योति है एवं हमें याद दिलाती है कि सनातन कोई प्रचार की वस्तु नहीं, यह आत्मा की आंतरिक पुकार है। इंडोनेशिया में लाखों लोगों का सनातन की ओर लौटना कोई घटना नहीं, यह चेतना की वापसी है।

देवनानी ने कहा कि प्रत्येक घर में रामायण और गीता होनी चाहिए साथ ही घर के सभी सदस्य संध्या आरती एक साथ करें । उन्होंने कहा कि सनातन के लिए जिए और मानवीय कर्तव्यों को गीता और रामायण से समझे । इससे अवसाद और आत्महत्या जैसी प्रवृत्तियां स्वतः समाप्त हो जाएंगी।

समारोह में गोविंद देव गिरी ने कहा कि पुस्तक का प्रकाशन जनअभिनंदनीय एवं ऐतिहासिक कार्य है। उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया में भारत को देखा जा सकता है, बाली में रोज रामलीला होती है। 5 अगस्त का दिन पावन दिवस है आज ही के दिन अयोध्या में भूमि पूजन हुआ था। उन्होंने कहा भारत ने अपनी अस्मिता और एकता को पहचान लिया है और भारत को प्रगति करने से अब कोई नहीं रोक सकता।

गिरी ने कहा कि राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने महत्वपूर्ण कार्य किया है। देवनानी ने इतिहास को सही करने का प्रयास किया है। उनका योगदान अभूतपूर्व है।

पुस्तक के लेखक रवि कुमार अय्यर ने कहा कि इंडोनेशिया में मां सरस्वती की विशाल एवं अद्भुत प्रतिमा है जहां तीन बच्चे माँ के चरणों में बैठकर अध्ययन कर रहे हैं। जो विश्व के विभिन्न देशों के प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पूरा विश्व पूर्वजों की ओर जाने की होड़ में लगा हुआ है। विश्व में सनातन की पताका फैल रही है, अब समय आ गया है प्रत्येक व्यक्ति भारत माता की सेवा की पहल करें। उन्होंने बताया कि यूरोप की सभी भाषाओं की जननी ग्रीक भाषा है और ग्रीक की जननी संस्कृत भाषा है। रमेश अग्रवाल ने कहा कि वैभवशाली समाज के निर्माण के लिए सामाजिक समरसता का भाव जागृत करना होगा। दैनिक जीवन में स्व का भाव प्रकट करने के लिए कार्य करने होंगे। स्वदेशी का उपयोग करना होगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गोविंद देव गिरी का पुष्पगुच्छ और शॉल ओढ़ाकर अभिवादन किया। समारोह में आभार विष्णु बियानी ने व्यक्त किया और स्वागत विश्वास जैन ने किया ।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने बैंकों व राज्यों की बैठक ली

मंत्री शिवराज सिंह ने बैंकों व राज्य सरकारों की वर्चुअल बैठक ली

जयपुर/नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के अंतर्गत किसानों का खरीफ सीजन में ज्यादा से ज्यादा नामांकन करने और ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन में स्वयं सहायता समूहों की सदस्य बहनों की तरक्की के लिए उन्हें अधिक लोन देने के संबंध में आज सभी बैंकों व राज्य सरकारों की वर्चुअल बैठक ली। उन्होंने सभी बैंकों को निर्देश दिए कि वे महिलाओं को लोन देने के लिए फोकस कर कवरेज बढ़ाएं, साथ ही दूरदराज व दुर्गम क्षेत्रों पर भी फोकस करके काम करें, ताकि बेहतर नतीजे मिल सकें। शिवराज सिंह ने निर्णय लिया कि वर्तमान खरीफ सीजन के फसल बीमा में ज्यादा से ज्यादा किसानों को सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए 16 से 30 अगस्त तक देशभर में अभियान चलाया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने इस महत्वपूर्ण बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण का महायज्ञ चल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की विकास की गति और दिशा, दोनों देखकर दुनिया हैरान भी है और कुछ परेशान भी। अनेक लक्ष्यों को हमने प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में प्राप्त किया है। आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और तीसरी बनने के कगार पर खड़े हुए हैं।

लोगों के करोड़ों रूपये लेकर भागे इनामी दो आरोपी सूरत से गिरफ्तार

आरोपियों ने वीआईपी ट्रेड कंपनी के जरिये लोगों को प्रलोभन देकर धोखाधड़ी की थी

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। गांधीनगर थाना पुलिस ने वीआईपी कंपनी के जरिये प्रलोभन देकर सैकड़ों लोगों के करोड़ों रूपये समेटकर फरारी काट रहे 25-25 हजार के इनामी दो आरोपियों को सूरत (गुजरात) से गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ गांधीनगर पुलिस थाना व मदनगंज पुलिस थाना में 31 प्रकरण सहित राज्य के भी बाहर भी मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस की गिरफ्त में आये बदमाशों में गांव हरमाड़ा किशनगढ़ निवासी लोकेश चौधरी (26) पुत्र हरचंद जाट व मीरा मार्ग कुचामन निवासी धीरज गटानी (26) पुत्र मनोज माहेश्वरी है।

पुलिस ने लोगों से ठगी करने के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बताया कि आरोपियों ने वीआईपी ट्रेडिंग कंपनी के नाम से फर्जी फॉरेक्स ट्रेडिंग कंपनी का गठन कर लोगों को कम समय में अधिक मुनाफा देने के लिये प्रलोभन देना शुरू कर दिया। अलग-अलग जगहों पर लग्जरी होटल में सेमिनार कर निवेश के लिये प्रेरित कर धन एकत्रित किया जाता रहा। सैकड़ों लोगों ने इनके झांसे में आकर जीवनभर की कमाई दाव पर लगा दी।

वीआरएफ एक्स सॉफ्टवेयर के जरिये ट्रेडिंग करने वाले आरोपी शुरूआती दौर में लोगों को करीब 8 से 12 प्रतिशत मुनाफा देने लग गये, जिसके चलते कई लोगों ने कम्पनी में मोटी रकम लगानी शुरू कर दी। कम्पनी की वेबसाइट पर निवेशकों द्वारा निवेश किये रुपयों को डालर के रूप में प्रदर्शित कर दिया जाता और प्रत्येक निवेशक की आईडी बनाकर आईडी में निवेश व मुनाफा साफ तौर दिखाया जाता, लेनदेन केवल नगद होता था। सिक्योरिटी के तौर पर चैक व फर्जी जमीन का एग्रीमेंट कर दिया करते थे, जिससे निवेशक अपने आपको सुरक्षित मानकर निवेश करने में आगे रहता, किंतु पिछले सात माह पूर्व संदेह होने पर लोगों ने तकाजा शुरू किया तो लोकेश चौधरी व अन्य आरोपी निवेशकों के करोड़ों रूपये हड़पकर फरार हो गये।

- दोनों के खिलाफ गांधीनगर व मदनगंज पुलिस थाना में 31 प्रकरण सहित राज्य के भी बाहर भी मुकदमे दर्ज हैं

गांधीनगर थाना इंचार्ज संजय शर्मा ने बताया कि आरोपियों के करीब 25 बैंक खातों को फ्रिज करने के लिये कार्यवाही शुरू कर दी है, सिक्योरिटी के तौर निवेशकों को बताई गई जमीन के बारे में भी पूछताछ की जायेगी। इससे पूर्व कंपनी के कैशियर बलवीर वैष्णव व नरेंद्र नामक आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी व बड्स एक्ट के अंतर्गत दर्ज 31 मुकदमो को लेकर बारीकी से पड़ताल की जा रही है। पुलिस टीम में थाना इंचार्ज संजय शर्मा, हैंड कां. राजूराम, गिर्राज प्रसाद, सुनील मील, कांस्टेबल रामनिवास, बीरबल, सुरेंद्र सिंह, सीताराम, राजेंद्र शामिल रहे।

तोषीणा गांव में अवैध शराब की फैक्टरी पर दबिश दी

जमीन के भीतर अवैध रूप से शराब निर्माण करने का पूरा सेटअप मिला

डीडवाना के तोषिणा गांव में आबकारी विभाग ने अवैध शराब बनाने की फैक्टरी पकड़ी।

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना जिले के तोषिणा गांव में आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब बनाने की फैक्टरी पकड़ी है। इस कार्रवाई में आबकारी विभाग ने शराब बनाने के लिए 200 लीटर स्प्रिट और शराब सहित भारी मात्रा में शराब बनाने की सामग्री जैसे बार, कार्टन लेबल, खाली पव्वे, ढक्कन भी जब्त किए हैं।

आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आबकारी विभाग को सूचना मिली थी कि ग्राम तोषीणा में अवैध रूप से शराब का निर्माण किया जा रहा है। इस पर अजमेर जोन के अतिरिक्त आयुक्त राधेश्याम डेलु एवं आबकारी निरोधक दल के उपायुक्त विजय जोशी के निर्देशन में जिला आबकारी अधिकारी नागौर दानाराम व नावां वृत के

- अवैध शराब का जखीरा जमीन के अंदर छिपा रखा था
- शराब बनाने के लिए 200 लीटर स्प्रिट व अवैध शराब जब्त की गई

आबकारी निरीक्षक मोहन सिंह निर्वाण के संयुक्त नेतृत्व में मंगलवार को ग्राम तोषिणा में हंसराज बावरी के रिहायशी मकान पर छापा मारा, जहां जमीन के भीतर अवैध रूप से शराब निर्माण करने का पूरा सेटअप मिला। इस दौरान आबकारी पुलिस ने जब मिट्टी हटाकर तलाशी ली तो जमीन के नीचे बंकर बना मिला। इसके बाद आबकारी कार्मिकों ने बंकर में जाकर देखा तो वहां स्प्रीट के ड्रम, अवैध शराब बनाने की सामठी, खाली पव्वे, पैकिंग करने की मशीन, खाली पव्वे, ढक्कन, लेबल, कार्टन, तैयार की हुई शराब के कार्टन मौके पर पाए गए, जिन्हें जब्त कर लिया गया। वहीं मौके से एक आरोपी फरार हो गया।

इस मामले में आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आबकारी विभाग के मुताबिक अवैध शराब का यह गोरखधंधा काफी लंबे समय से संचालित था। विभाग को इस अवैध फैक्ट्री से कई अन्य लोगों के जुड़े होने की जानकारी मिली है, जिसकी सघनता से जांच की जा रही है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि अवैध शराब के निर्माण व विक्रय के इस मामले में अन्य कौन-कौन आरोपी शामिल है और इनका नेटवर्क कहां कहां सक्रिय है।

डॉ. सतीश पूनियां ने मीरा महोत्सव में शिरकत की

मेड़ता सिटी, (निसं)। मीरा नगरी मेड़ता सिटी में मीरा जयंती महोत्सव चरमोत्कर्ष पर है। भक्त शिरोमणि मीराबाई व भगवान श्रीचारभुजा नाथ मंदिर में भक्ति श्रद्धा और आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। दिन-रात भक्तों की भीड़ लगी रहती है।

पूनिया ने मंदिर के किए दर्शन : -डॉ. सतीश पूनियां ने मीरा बाई व भगवान श्रीचारभुजा नाथ मंदिर के दर्शन किए। उसके बाद मीरा जयंती महोत्सव का कार्यक्रम में शिरकत की। डॉ. सतीश पूनियां ने अपने उद्बोधन में कहा कि भक्ति की इस नगरी मीरा नगरी में आकर में अपने आपको धन्य महसूस कर रहा हूं। पूनियां ने मीरा जयंती महोत्सव समिति अध्यक्ष जितेंद्र गहलोत सहित कमेटी को मीरा नगरवासियों को धन्यवाद और साधुवाद दिया कि इस परम्परा को 521 साल बाद भी बनाए रखा है। इस प्रकार पूनियां ने महोत्सव के भव्य आयोजन को लेकर मीरा जयंती महोत्सव टीम का आभार व्यक्त किया। इससे पूर्व रेण स्थित अंतरराष्ट्रीय दरियाव धाम व मेड़ता किशन देव छतरी में दर्शन किए। सतीश पूनियां ने संत सज्जन राम महाराज, महंत हरिनारायण दादू पंथी से आशीर्वाद लिया।

- सतीश पूनियां ने मीरा बाई व भगवान श्रीचारभुजा नाथ मंदिर के दर्शन किए
- भक्ति की इस नगरी मीरा नगरी में आकर में अपने आपको धन्य महसूस कर रहा हूं : डॉ. पूनियां

महोत्सव के दौरान कार्यक्रम को डॉ. सतीश पूनियां ने संबोधित किया।

इस दौरान मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरु, प्रधान संदीप चौधरी, महोत्सव समिति अध्यक्ष जितेंद्र गहलोत ने स्वागत किया। इस दौरान सचिव रविप्रकाश कमेडिया, युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री रामेश्वर छाबा, किसान मोर्चा पूर्व प्रदेश मंत्री लक्ष्मीनारायण मुंडेल, एडवोकेट रामकिशोर तिवाड़ी आदि मौजूद रहे।

मीरा बाई व ठाकुरजी की रजत रेवाड़ी के समक्ष खड़ी सप्ताह में दिन में महिलाएं और रात्रि में पुरुष मंडलियों द्वारा भजन कीर्तन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार देर रात्रि को भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें भक्ति निशा अनुष्ठा और अनुष्का भटनागर एण्ड पार्टी रतलाम म. प्र. और सौरव शर्मा, जयपुर द्वारा संगीतमय भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यकम की स्थानीय प्रसिद्ध कलाकार ललित लहरिया द्वारा गणेश जी वंदना का भजन गायन करके भजन संध्या का शुभारंभ किया गया।

समारोह में हरियाणा भाजपा प्रभारी डॉ. सतीश पूनियां मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरू, मेड़ता नगर पालिका अध्यक्ष शोभा लाहोटी आदि अतिथियों द्वारा मां मीरा बाई के समक्ष दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरूआत की। इस दौरान किन्नर समाज गादीपति राजकुमारी बाई, पालिका ईओ श्रवण राम चौधरी, गयाना राम रिणवा, किशनसिंह चंपावत आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पालिका ई ओ श्रवण राम चौधरी का विषेश सम्मान किया गया।

मीडिया प्रभारी सुनील पुरी ने बताया कि 5 अगस्त एकादशी ध्वजारोहण कार्यकम आयोजित हुए जिसमें ध्वजा यजमान केदारमल खण्डेलवाल रहे। बैंड बाजे के साथ सपरिवार मंदिर पहुंचे जहां मीरा जयंती महोत्सव समिति अध्यक्ष जितेंद्र गहलोत, सचिव रवि प्रकाश कमेडिया, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र बिड़ला सहित पदाधिकारियों ने मंदिर के बाहर माला पहनाकर अभिनंदन किया। उसके बाद ध्यजा पूजन एकादशी पंडित लक्ष्मीनारायण व्यास, पंडित मनीष व्यास के वैदिक मंत्रोंचार के द्वारा ध्वजा फहराई गई।

अखंड हरिकीर्तन के दौरान समिति के अध्यक्ष जितेन्द्र गहलोत का नागरिकों ने माला और साफा पहनाकर किया सम्मान। इस दौरान माली समाज के अध्यक्ष जब्बार सिंह भाटी, मांगीलाल चौहान, पुखराज गहलोत, फ़क़ीर चंद शर्मा, गोरधनराम माली, चम्पालाल पंवार, माली समाज के अध्यक्ष जब्बार सिंह भाटी, मांगीलाल चौहान, पुखराज गहलोत, फ़क़ीर चंद शर्मा,गोरधन राम माली,चम्पालाल पंवार सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

स्मार्ट मीटर लगाने पर हंगामा

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर शहर में स्मार्ट मीटर लगाने आए बिजली विभाग के ठेकेदार के कर्मचारियों और लोगों के बीच झड़प हो गई। पुलिस समझाने पहुंची तो उस पर पथराव किया। लोगों के विरोध को देखते हुए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। आरोप है कि विरोध के दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया। बुजुर्ग महिला का सिर फोड़ डाला। इसके बाद मोहल्लेवासी भड़क गए और पुलिसकर्मियों से हाथापाई पर उतर आए। यहां तक कि एक कॉन्स्टेबल को पकड़कर उसकी वर्दी फाड़ दी।

हमला कर युवक के दोनों पैर तोड़े

दोस्त महिला को भगा ले गया तो बदला लेने के लिए दूसरे दोस्त के दोनों पैर तोड़ दिये

घायल व्यक्ति को एमजी अस्पताल में भर्ती कराया।

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र स्थित शारदा चौराहा के पास देवनारायण सर्किल पर एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। उसे घेरकर कुछ लोगों ने पाइप, टामी से मारा। इसके चलते उसके दोनों पैर टूट गए तो वहीं कमर और हाथ में भी चोटें लगी है।

जानकारी के अनुसार वारदात सोमवार रात की है। कैलाश माली (40) पुत्र अर्जुन माली निवासी संजय कॉलोनी को खाना बनाने के नाम पर बुलाया गया। वह शारदा चौराहे पर पहुंचा तो वहां एक व्यक्ति उसे देवनारायण सर्किल के पास वाली गली में ले गया। उसे कहा कि मेरे भाई को बुला लेता हूं फिर घर चलते हैं। कैलाश को कुछ संदिग्ध लगा तो वहां से जाने लगा। इस बीच कुछ लोग आए जिन्होंने उसे घेर लिया। पाइप, टामी से पीटना शुरू कर दिया। इतना बुरा मारा कि उसके दोनों पैर तोड़ दिए। सिर फोड़ दिया। कमर और हाथ में भी चोटें आई हैं। उसके बाद वे लोग भाग गए। पीड़ित ने बताया कि कुम्हारों के लड़के थे जिन्होंने उस पर हमला किया था। उस पर हमले की वजह पुरानी रंजिश नहीं थी। दरअसल उसका एक दोस्त किसी महिला को भगाकर ले गया। उससे नाराज होकर उन लोगों ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। उसे देर रात एमजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पावटा में अधिवक्ताओं, स्टाम्प विक्रेताओं की हड़ताल शुरु

पावटा उपखण्ड कार्यालय में अधिवक्ताओं और स्टाम्प विक्रेताओं ने धरना प्रदर्शन शुरू किया।

पावटा, (निसं)। कस्बे में मंगलवार को उपखण्ड कार्यालय में अधिवक्ताओं और स्टाम्प विक्रेताओं द्वारा हड़ताल एवं अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया गया। कस्बे के पावटा उपखंड कार्यालय स्थित तहसील परिसर में सोमवार की शाम सभी अधिवक्ताओं, स्टाम्प विक्रेताओं, डीड राइटर्स और दुकानदारों ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपते हुए पुलिस थाना भाभरू का क्षेत्राधिकार पावटा से बदलकर विराटनगर न्यायालय के अधीन किए जाने का भारी विरोध जतायाा और मांग रखी कि इसे अगर जल्द से जल्द विराटनगर से हटाकर पावटा में नहीं जोड़ा गया तो एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

पावटा अभिभाषक संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश सैनी ने बताया कि पुलिस थाना भाभरू को मुंसिफ कोर्ट पावटा के अधीन जोड़ा गया था, जिसे निर्धारित मापदंडों के विरुद्ध पावटा कोर्ट से हटाकर 2 अगस्त 2025 से विराटनगर कोर्ट के अधीन कर दिया गया है, जो कि पूर्णतया गलत है। पुलिस थाना भाभरू के मुंसिफ कोर्ट पावटा से जुड़े रहने से पक्षकारान व पुलिस के समय व धन की बचत तो होगी ही साथ में फरियादियों को सस्ता व सुलभ न्याय उपलब्ध हो सकेगा, जिसे लेकर मंगलवार को अधिवक्तागणों, स्टाम्प विक्रेताओं, डीड राइटर्स और दुकानदारों ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपते हुए पुलिस थाना भाभरू को पुन: मुंसिफ कोर्ट पावटा के अधीन जुड़वाने की मांग की है।

- पुलिस थाना भाभरू का क्षेत्राधिकार पावटा से बदलकर विराटनगर न्यायालय के अधीन किए जाने का विरोध

एडवोकेट विष्णु कुमार शर्मा, सीताराम सैनी, दिलीप सिंह शेखावत, सुल्तान यादव ने बताया कि हड़ताल के कारण पावटा क्षेत्र में न्यायिक और पंजीयन कार्य पूरी तरह से ठप हो जाएंगे। इससे क्षेत्र के लोगों को परेशानी हो सकती है। अधिवक्ताओं का कहना है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाती हैं, तब तक हड़ताल व धरना जारी रहेगा। इस दौरान पावटा अभिभाषक संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश सैनी, उपाध्यक्ष अनिल सिंह, सचिव सुरेंद्र सिंह, संयुक्त सचिव अनील, कोषाध्यक्ष मुकेश यादव, मीडिया प्रभारी निर्मल मौर्य सहित एडवोकेट विष्णु शर्मा, दिलीप शेखावत, लोकेश शर्मा, कमलकांत शर्मा, गौरव, मुकेश स्वामी, नरेश यादव, बीएल आर्य, रतिराम मीणा, राजेंद्र चौधरी, किशोर यादव, मेहरसिंह चौधरी अधिवक्ताओं, अभिभाषक, स्टाम्प पेपर विक्रेता और दुकानदार मौजूद रहे।

पावटा उपडाकघर में सर्वर ठप, राखी भेजने सहित अन्य काम दूसरे दिन भी बाधित

उपभोक्ताओं को संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा, 'स्लो सर्विस' ने बहनों की चिंता बढ़ाई

पावटा, (निसं)। चार अगस्त से देशभर में सॉफ्टवेयर 2.0 पर काम होना था। डाक विभाग कई दिनों से अपडेशन काम में लगा हुआ था। दावा था कि सभी काम पूरे कर लिए गए हैं। सोमवार से काम सुचारु रूप से होंगे। सोमवार को डाकघर खुले तो सॉफ्टवेयर नहीं चला। इससे आए लोगों को निराश होकर लौटना पड़ा। भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन नजदीक है, लेकिन इस पवित्र पर्व से पहले पावटा में पोस्ट ऑफिस की 'स्लो सर्विस' ने बहनों की चिंता बढ़ा दी है। डाकघरों में नए सॉफ्टवेयर अपडेशन में तकनीकी खामी के कारण काम नहीं हो रहे, जिससे राखी समय पर भेजना एक चुनौती बन गई है।

मंगलवार को भी डाकघर खुले तो सॉफ्टवेयर नहीं चला। रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक है, लेकिन पावटा स्थित उप डाकघर में पिछले कई दिनों से सर्वर ठप होने के चलते रजिस्ट्री और पार्सल

- निजी कोरियर कंपनियों की ओर भाग रहे लोग, महंगी दरों से परेशान

बुकिंग जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं पूरी तरह से बाधित हो गई हैं। इससे राखी भेजने वाले हजारों उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डाक विभाग की ओर से अब तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि वे राखी और उपहार समय पर भेजने के लिए अब महंगे निजी कोरियर का सहारा ले रहे हैं। स्थानीय निवासी ने बताया, राखी भेजने आया था, लेकिन यहां कहा गया कि सर्वर नहीं चल रहा। कोई स्पष्ट जवाब भी नहीं मिल रहा। वहीं एक बहन ने कहा, अगर राखी समय पर नहीं पहुंची तो भाई की कलाई सूनी रह जाएगी। रक्षाबंधन का पर्व बहन-भाई के प्रेम का प्रतीक है, लेकिन सरकारी अव्यवस्थाओं के कारण इस प्रेम में तकनीकी बाधा बन रही है। आमजन डाक विभाग से त्वरित समाधान की मांग कर रहे हैं। लोगों ने विभागीय अधिकारियों से इस संबंध में संपर्क किया, लेकिन उन्हें कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। न तो कोई तकनीकी टीम भेजी गई और न ही कोई वैकल्पिक डेस्क शुरू की गई। जहां एक ओर डिजिटल इंडिया की बात होती है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में तकनीकी अव्यवस्था त्योहारों की खुशियों पर पानी फेर रही है। डाक विभाग में सॉफ्टवेयर अपडेशन लोगों के लिए मुसीबत बनता जा रहा है। मंगलवार को भी सुबह से सॉफ्टवेयर के न चलने से पावटा उप डाकघर में काम ना के बराबर रहा। स्पीड पोस्ट, रजिस्ट्री, नकदी जमा-निकासी व अन्य काम न होने से लोग परेशान रहे। मुख्य डाकघर में आए लोगों की कर्मचारियों से खूब नोकझोंक हुई।

पावटा उपडाकघर पोस्टमास्टर छगन लाल ने बताया कि 4 अगस्त नया सॉफ्टवेयर 2.0 पर काम होना था, लेकिन सॉफ्टवेयर अपडेशन की समस्या के कारण इस तरह की दिक्कत आ रही है, जिससे उपभोक्ताओं को भी परेशान होना पड़ रहा है।

मंगलवार को डाकघर खुले तो सॉफ्टवेयर कभी चला तो कभी नहीं चला। बेबस कर्मचारी व्यवस्था जल्द शुरू होने का आश्वासन देते रहे। रक्षाबंधन जैसे भावनात्मक पर्वों पर यदि सरकारी सेवाएं विश्वसनीय नहीं बनेंगी, तो लोगों का भरोसा डगमगाएगा। डाक विभाग को चाहिए कि त्योहारों से पहले ही टेक्निकल अपग्रेड और ट्रायल पूरे कर लिए जाएं।

महिला की हत्या करने वाला युवक गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। क्लाक टावर थाना इलाके में सोमवार की रात पति ने अपनी पत्नी को पीट-पीट कर उसकी हत्या कर दी और घटना के बाद वह फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने कई स्थानों पर दबिश देने के बाद खटिक मौहल्ले से लक्ष्मण खटीक को गिरफ्तार कर लिया।

पहले परिजन ने पुलिस को बताया कि सीमा गुजराती की सीढ़ियों से गिरने से मौत हुई है, लेकिन पुलिस को मामला संदिग्ध लगने पर पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच करते हुए परिजन से मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ करने पर पता चला कि लक्ष्मण खटीक व सीमा गुजराती करीब 6 साल से पति-पत्नी के रूप में साथ रह रहे थे। लक्ष्मण के भाई सुरेश द्वारा पुलिस में दी गई रिपोर्ट में बताया कि करीब 6 साल पहले सीमा के पति की मौत होने के बाद से ही सीमा लक्ष्मण के साथ रहने लगी और लक्ष्मण शराब पीने का आदी है, जिसके साथ आए दिन सीमा से मारपीट करता रहता था। घटना के पहले दोनों ने जम कर शराब का सेवन किया और विवाद होने पर गुस्से में पति ने पत्नी की हत्या कर दी।

मंदिर विवाद : सर्वसमाज ने रेगर समाज पर गंभीर आरोप लगाए

सांगानेर में स्थित बाबा रामदेवजी मंदिर को लेकर सर्वसमाज व रेगर समाज के बीच विवाद ने तूल पकड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। उपनगर सांगानेर में स्थित बाबा रामदेवजी मंदिर को लेकर सर्वसमाज और रेगर समाज के बीच चल रहा विवाद अब तूल पकड़ता जा रहा है। सर्वसमाज के लोगों ने सुभाषनगर थाने में एक लिखित शिकायत देकर रेगर समाज के कुछ व्यक्तियों पर मंदिर पर जबरन कब्जा करने और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता लालचंद पुत्र बंशीलाल धोबी के अनुसार, रामदेव कॉलोनी में स्थित बाबा रामदेव मंदिर का निर्माण सभी मोहल्लेवासियों और सर्वसमाज के सहयोग से हुआ है। आरोप है कि पिछले 5-7 दिन से रेगर कॉलोनी में स्थित बाबा रामदेवजी मंदिर समाज के कुछ लोग मंदिर में पूजा दबाव बना रहे हैं कि यह मंदिर केवल रेगर समाज का है। लालचंद ने अपनी शिकायत में

- रेगर समाज के कुछ व्यक्तियों पर मंदिर पर जबरन कब्जा करने, सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया

बताया कि जब मोहल्लेवासियों ने इस पर आपत्ति जताई, तो आरोपी व्यक्तियों ने दंगा-फसाद कराने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि गत 31 जुलाई को सुबह करीब 11 बजे जब वे और अन्य लोग मंदिर में पूजा कर रहे थे, तब कुछ लोग लाठियां लेकर आए और उन्होंने गाली-गलौज की। उन्होंने मंदिर पर रेगर समाज का नाम लिखने की कोशिश की, जिसका विरोध करने पर मारपीट भी हुई। अर्चना करने से रोक रहे हैं और यह सर्वसमाज के लोगों ने आरोप लगाया है कि इस घटना के बाद उन्होंने सुभाषनगर थाने में एक रिपोर्ट दी थी, लेकिन आरोपियों ने बदले की भावना से स्वर्ण जाति के लोगों को निशाना बनाकर एक झूठा एससी/एसटी मुकदमा दर्ज करा दिया। शिकायत में कहा गया है कि इस झूठे मुकदमे से पूरे हिंदू समाज में भारी रोष है। सर्वसमाज ने थाने से मांग की है कि रेगर समाज द्वारा दर्ज कराए गए इस मुकदमे की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। इस मामले को लेकर सर्वसमाज के कई लोगों ने हस्ताक्षर कर एक ज्ञापन भी सौंपा है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से अपील की है कि वे इस मामले को गंभीरता से लें और दोनों पक्षों की बात सुनकर एक निष्पक्ष जांच करें, ताकि कॉलोनी का सांप्रदायिक सौहार्द बना रहे और किसी भी निर्दोष व्यक्ति को गलत तरीके से फंसाया न जा सके।

इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने लेग स्टंप के बाहर उनकी कमी को उजागर किया, जिसमें वे 2 बार फंसकर आउट भी हो गए। सुदर्शन युवा हैं, इसलिए उन्हें अगली सीरीज के स्क्वॉड में मौका जरूर दिया जा सकता है। - साई सुदर्शन

भारतीय बल्लेबाज, टेस्ट सीरीज में उनके अच्छे प्रदर्शन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

करुण नायर

करुण को नंबर-3 और नंबर-5 दोनों पोजिशन पर मौका मिला, लेकिन वे 8 पारियों में किसी भी पोजिशन को अपना नहीं बना सके। उन्होंने महज 25.62 के औसत से 205 रन बनाए। इनमें 6 बार उन्होंने 20 प्लस रन बनाए, लेकिन एक बार भी 60 रन का आंकड़ा नहीं छू सके। इस प्रदर्शन के आधार पर उन्हें घरेलू टेस्ट सीरीज की टीम में मौका जरूर दिया जा सकता है, लेकिन सरफराज खान और रजत पाटीदार जैसे प्लेयर्स के होते हुए प्लेइंग-11 में जगह मिलना मुश्किल हो सकता है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट में रनों के लिहाज से भारत की सबसे कम अंतर से जीत, पहली बार विदेशी सीरीज में जीता पांचवां मैच।

आरसीए अंपायर व स्कोरर रिफ्रेशर सेमिनार से राज्य के युवा खिलाड़ियों को मिलेगा शानदार खेल वातावरण : कुमावत

जयपुर, 5 अगस्त। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत ने आरसीए अंपायर - स्कोरर रिफ्रेशर सेमिनार का उद्धघाटन किया। इस अवसर पर सदस्य पिंकेश पोरवाल व आशीष तिवारी भी रहे मौजूद। आज सुबह 10:30 बजे होटल क्लार्क आमेर में आरसीए अंपायर व स्कोरर रिफ्रेशर सेमिनार के उद्घाटन के अवसर पर आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत ने कहा की जब से एडहॉक कमेटी का गठन हुआ है उनका व सभी सदस्यों का पूरा प्रयास रहा है की राज्य के युवा खिलाडियों के लिए हर स्तर पर उचित खेल का वातावरण व सहायता उपलब्ध कराई जाए जिससे उन्हें आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र में न केवल खेलने का मौका मिले साथ ही उन्हें उच्च स्तरीय विकेट, मैदान व प्रशिक्षित मैच ऑफिशल्स उपलब्ध हो सके। डी डी कुमावत के अनुसार राज्य के माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जी के विजन व खेल मंत्री राजवर्धन सिंह राठौड़ के राज्य में खेल व खिलाडियों के उच्चस्तरीय विकास की राह से न केवल सभी अवरोधों को दूर करना है साथ ही युवा खिलाडियों को सभी संभव विकसित तकनीक उपलब्ध कराने के साथ राज्य में बेहतर खेल का माहौल बने की कड़ी में हम लगातार कार्य कर रहे हैं। संयोजक ने इस दौरान अंपायर व स्कोरर रिफ्रेशर सेमिनार फैकल्टी अंतर्राष्ट्रीय अंपायर चौधरी, बीसीसीआई पैनल तपन शर्मा, गजानंदवशिष्ठ, कमलेश शर्मा, राजीव गोदारा व आरसीए स्कोरर सेमिनार फैकल्टी अंतर्राष्ट्रीय व बीसीसीआई पैनल स्कोरर ओ पी शर्मा, मनोज भटनागर, दीपक शर्मा, तपेश कौशिक का न केवल स्वागत किया साथ ही आशा जताई की उनके प्रशिक्षण व मार्गदर्शन में राज्य अंपायर व स्कोरर को न केवल लाभ मिलेगा साथ ही उन्हें खेल के दौरान आने वाली सभी परिस्थितियों में किस प्रकार धैर्य, संयम व एकाठाचित होकर क्या निर्णय लेना से जिस से खेल व खिलाडी का भविष्य उज्जवल हो व खेल को किसी भी प्रकार से कोई हानि न पहुंचे उस निर्णय को लेने में आसानी होगी। पिंकेश पोरवाल, सदस्य एडहॉक कमेटीने बताया की राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न आयु वर्ग की राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में उच्च स्तरीय तकनीक व आधुनिक क्रिकेट के प्रशिक्षित आरसीए पैनल के एम्पायर व स्कोरर की आवश्यकता को देखते हुए आरसीए द्रारा आयोजित किये जा रहे 2 दिवसीय एम्पायर व स्कोरर (पुरुष व महिला) रिफ्रेशर सेमिनार से आरसीए की प्रतियोगिताओं के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षित एम्पायर व स्कोरर उपलब्ध होंगे जिससे आरसीए द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न आयु वर्ग की क्रिकेट प्रतियोगिताओं में उन द्वारा सभी निर्णय पूर्ण पारदर्शिता से लिए जायेंगे व राज्य के युवा खिलाड़ियों को बेहतर खेल वातावरण प्राप्त होगा व उनका प्रदर्शन नई उंचाईयों को प्राप्त होगा। आशीष तिवारी, सदस्य आरसीए एडहॉक कमेटी ने आरसीए द्वाराअंपायर व स्कोरर (पुरुष व्महिला) फ्रेशर सेमिनार आयोजित करने पर आरसीए एडहॉक कमेटी की प्रशंसा करते हुए कहा की राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा खिलाडियों के साथ मैच ऑफिशियल के लिए जिस प्रकार प्रशिक्षण सेमिनार आयोजित कर रहा है सेमिनार में राजस्थान क्रिकेट संघ के सभी जिला क्रिकेट संघोसे आरसीए पैनल के लगभग 200 अंपायर व स्कोरर भाग ले रहे है।

नेशनल हॉकी प्रतियोगिता में हर्षिता ने जीता स्वर्ण पदक

टोंक, 5 अगस्त। निवाई उपखण्ड के ग्राम दतवास क्षैत्र निवासी हर्षिता फागणा ने राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर जिले का नाम रोशन किया हैं। बताया जा रहा है कि हर्षिता के पिता पुलिस विभाग में कॉन्स्टेबल है, जिसने लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में हुई केंद्रीय विद्यालय की राष्ट्रीय स्तर की हॉकी प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है। उसने राजस्थान की हॉकी टीम से इस प्रतियोगिता में खेला और टीम ने भी चैंपियन ट्रॉफी जीती है, इस टीम ने 5 बार की विजेता चेन्नई की टीम को 5-0 से करारी शिकस्त देकर कर ट्रॉफी जीती। उक्त प्रतियोगिता 28 जुलाई से 3 अगस्त तक हुई आयोजित हुई। इस मौके पर परिजनों और ग्रामीणों ने हर्षिता को माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर उसका भव्य स्वागत किया, इस दौरान हर्षिता ने बताय कि अब वह इंटरनेशनल स्तर खेलकर देश का नाम रोशन करना चाहती हैं।

द वर्ल्ड रेसलिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता अश्विनी विश्नोई का भीलवाड़ा विधायक ने किया स्वागत

भीलवाड़ा, 5 अगस्त। नवकार कॉम्पलेक्स स्थित विधायक कार्यालय पर भावों के साथ ही पिता मुकेश विश्नोई, उस्ताद जगदीश विश्नोई, कोच कल्याणमल विश्नोई तथा समस्त विश्नोई परिवार को भी बधाई सुभकामनाए दी। इस अवसर पर विधायक कोठारी ने कहा "आपने भीलवाडा, राजस्थान व भारत का विश्वस्तर पर सम्मान बढ़ाया है। हमें आप जैसे खिलाडियों पर गर्व है। भविष्य में आप निरन्तर आगे बढ़ें हमारी शुभकामनाएँ आपके साथ हैं।" कोठारी ने 31,000 रु. की राशि का चैक प्रोत्साहन राशि के रूप में दिया व आश्वस्त किया। हमारे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी खिलाडियों के सुख सुविधाओं के लिए तत्पर रहते हैं तथा सदैव उनको प्रोत्साहित करते हुए सहयोग की भावना के साथ कार्य कर रहे हैं, जिससे भारत खेल में भी विश्व के पटल पर आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर आनन्द चपलोत, कैलाश सोनी, सत्यनारायण गूगड़, कमल कोठारी, संजय राठी, राघव आचार्य, शंकर गुर्जर, चेतन मानसिंहका, नरेश विश्नोई, अरुण विश्नोई, कविता छीपा, बाबू लाल टाक, अर्पित कोठारी, गजेन्द्र सिंह राठौड़, गिरीन्द्र मिश्रा, दिनेश सुथार, हीरा गुर्जर, प्रिंस जैन, अजय पाराशर, करण सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में नागरिकगण व कार्यकर्त्ता उपस्थित थे। इसके पूर्व प्रात: अश्विनी विश्नोई का रेलवे स्टेशन पर भी माल्यार्पण, साफा पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया, जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशान्त मेवाड़ा, जिला महामंत्री राजकुमार आंचलिया, पूर्व जिला महामंत्री कल्पेश चौधरी, बाबू लाल टाक, राजेश सेन, जिला खेल अधिकारी हेमेन्द्र सिंह, दिनेश सुथार के साथ ही भीलवाड़ा के नागरिकगणों ने नाचते गाते हुए विश्नोई को कंधे पर उठा कर हर्षोल्लास प्रकट किया तथा विश्नोई परिवार व उस्ताद जी तथा कोच को भी बधाई शुभकामनाएँ दीं।

6-8 अगस्त को आयोजित करेगा अंडर-19 महिला चयन ट्रायल

जयपुर, 5 अगस्त। बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 -26 की पूर्व तैयारियों के लिए राजस्थान क्रिकेट संघ बीसीसीआई की राष्ट्रीय अंडर 19 महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 19 महिला टीम के संभावितों के चयन हेतु आगामी 6 - 8 अगस्त 2025 को जयपुर में सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित आरसीए अकादमी पर अंडर 19 महिला चयन ट्रायल आयोजित करेगा।

अंडर 19 महिला चयन ट्रायल में भाग लेने हेतु निम्नलिखित मूल दस्तावेज साथ लाना आवश्यक है :- कंप्यूटर द्वारा निर्मित जन्म प्रमाण पत्र, वास्तविक प्रमाण पत्र, पिछले तीन वर्षों की शिक्षा की अंकतालिका, आधार कार्ड / मतदाता पहचान पत्र / ड्राइविंग लाइसेंस / पासपोर्ट।

आरसीए एडहॉक कमेटी ने किया आरसीए के निर्माणाधीन चौप स्टेडियम का दौरा

जयपुर, 5 अगस्त। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत , सदस्य पिंकेश पोरवाल, आशीष तिवारी ने आज मीडिया की उपस्तिथिमें दिल्ली बाईपास स्थित चौँपस्थित आरसीए के निर्माणाधीन नए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का दौरा किया। आरसीए एडहॉक कमेटी ने निरिक्षणके दौरान निर्माणाधीन स्टेडयम की वर्तमानस्थिति व उसके पूर्व में हो चुके निर्माण का निरिक्षण किया साथ ही निर्माणाधीन स्टेडियम के साइट प्लान व नक्शे की जानकारी प्राप्त की।

संयोजक डी डी कुमावत ने मीडिया से बात करते हुए कहाकि हमारी पूरी कमेटी का पूर्ण प्रयास है की राज्य के खेल प्रेमियों को एक उच्च स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को सौगात प्राप्त हो, जिसके लिए हम विशेष रूप से राज्य के माननीय मुख्य मंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी के नेतृत्व में अगले 2 साल में आरसीए के नविन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण को पूर्ण राज्य में खेल के विकास में अपना अहम् योगदान दे।

हमारी कमेटी का प्रयास है की जल्द से जल्द स्टेडियम का निर्माण फिर से शुरू हो , इसके लिए हमने एडहॉक कमेटी के सदस्य पिंकेश पोरवाल , आशीष तिवारी व मोहित यादव की 3 सदस्यीयकमेटी का गठन किया है जो अभी तक स्टेडियम में हुए निर्माण व निर्माण में उपयोग हुए मटेरियल की गुणवत्ता की जांच के साथ स्टेडियमनिर्माण के सभी पहलुओं की रिपोर्ट तैयार करेंगे जिससे स्टेडियमनिर्माण की गुणवत्ता में कोई कमी रह गयी है तो उसे दूर कर जल्द से जल्द स्टेडियम का निर्माण वापस से शुरू किया जा सके।

संयोजक ने इस दौरान आशा जताई की आरसीए के नवीन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियमके निर्माण के मुख्य सहयोगी वेदांताग्रुप , पीएनबी व निर्माण ठेकेदार से एडहॉक कमेटी निर्माण को जल्द शुरू करने के लिए महत्वपूर्ण चर्चा करेगी व स्टेडियम के निर्माण को वापस शुरू कर आने वाले 2 वर्षों में आदरणीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में स्टेडियमका उद्धघाटन कर राज्य को ऐतिहासिक सौगात देंगे।

अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी
सात महिलाओं ने पदक पक्के किये

बैंकॉक, 5 अगस्त। भारतीय मुक्केबाजों ने मंगलवार को बैंकॉक, थाईलैंड में अंडर-19 और अंडर-22 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में पदकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की ओर अपना कदम बढ़ाया, जिसमें अंडर-19 वर्ग की सात महिला मुक्केबाजों ने पोडियम स्थान पक्का किया।

यक्षिका (51 किग्रा), निशा (54 किग्रा), मुस्कान (57 किग्रा) और विनी (60 किग्रा) सुबह के सत्र में अपने-अपने भार वर्गों के सेमीफाइनल में पहुंचीं और शाम के सत्र में निशा (65 किग्रा), आकांक्षा फलसवाल (70 किग्रा) और आरती कुमारी (75 किग्रा) भी अंतिम चार में पहुंचीं। अंडर-19 और अंडर-22 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप, जो एक साथ आयोजित की जा रही हैं, भारत के उभरते सितारों को एशिया के कुछ सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अपने कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करने का एक मंच प्रदान करती हैं।

भारत ने 40 मुक्केबाजों का एक मज़बूत दल उतारा है - प्रत्येक आयु वर्ग में 20 - जिसमें सिद्ध चैंपियन और घरेलू सर्किट में प्रभावित करने वाली संभावित प्रतिभाओं का एक आदर्श मिश्रण है। भारत ने अंडर-22 वर्ग में पहले ही एक दर्जन से ज्यादा पदक पक्के कर लिए हैं और प्रतियोगिता के अंतिम चरण में भारत ज्यादा से ज्यादा स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करेगा। यक्षिका ने 51 किग्रा वर्ग में उज़्बेकिस्तान की मुख्तासर अलीवा पर कड़े मुकाबले में 3:2 के विभाजित निर्णय से जीत के साथ अंतिम चार चरण में भारत की बढ़त की शुरुआत की।

अंगद चीमा, अमरदीप मलिक, अंशुल कब्थियाल और करणदीप कोचर ने संयुक्त बढ़त हासिल की

अहमदाबाद, 5 अगस्त। अहमदाबाद के केंसविले गोल्फ एंड कंट्री क्लब में खेले जा रहे एक करोड़ रुपये की इनामी राशि वाले कोल इंडिया ओपन के पहले राउंड का समापन नोएडा के अमरदीप मलिक, दिल्ली के 20 वर्षीय गोल्फर अंशुल कब्थियाल और चंडीगढ़ के गोल्फर अंगद चीमा और करणदीप कोचर की चौकड़ी के साथ हुआ, जिन्होंने तीन अंडर 69 के स्कोर के साथ संयुक्त बढ़त हासिल की। लीडर्स के ठीक पीछे, पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष पर चल रहे चंडीगढ़ के युवराज संधू, पूर्व पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन महू के ओम प्रकाश चौहान, बेंगलुरु के युवा मनोज एस और चंडीमंदिर के रवि कुमार भी दो अंडर 70 के स्कोर के साथ संयुक्त पांचवें स्थान पर रहे। 2025 पीजीटीआई सीजन के दूसरे भाग की प्रतियोगिता के पहले दिन उच्च स्कोर देखने को मिले क्योंकि खिलाड़ियों को केंसविले के मुश्किल ग्रीन्स को समझने में दिक्कत हो रही थी। हालांकि, युवा अंशुल कबथियाल ने बैक-नाइन पर तीन बर्डी और उसके बाद फ्रंट-नाइन पर एक-एक बर्डी और बोगी लगाकर परिस्थितियों का बखूबी सामना किया। अंशुल ने कहा, मैंने आज शायद ही कोई ग्रीन मिस की क्योंकि मैंने गेंद को अच्छी तरह से मारा। पटिंग भी अच्छी थी, बस छठे होल पर बोगी के लिए तीन पट ही एक कमी थी। आज मेरा सबसे अच्छा पल 14वें होल पर पेड़ों में टी शॉट लगाने के बाद बर्डी के लिए एक शानदार रिकवरी थी। मैंने मिड-सीजन ब्रेक के दौरान अपनी मानसिकता पर बहुत काम किया है और मुझे उम्मीद है कि इससे मेरे खेल में बड़ा बदलाव आएगा।

भारतीय तीरंदाजी संघ व राजस्थान तीरंदाजी संघ द्वारा जयपुर में कोचेज सेमिनार आयोजित

जयपुर, 5 अगस्त। भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा राजस्थान तीरंदाजी संघ के सहयोग से जयपुर में तीन दिवसीय वेस्ट जोन राष्ट्रीय कोचेज सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है यह सेमिनार जयपुर के एक प्रतिष्ठित होटल में आयोजित हो रहा है, जिसमें महाराष्ट्र,गुजरात,मध्य प्रदेश,राजस्थान,से चयनित 45 प्रशिक्षक भाग ले रहे हैं। सेमिनार का उद्घाटन आज हुआ, प्रशिक्षकों को तीरंदाजी के आधुनिक तकनीकी पहलुओं, कोचिंग मेथडोलॉजी और खिलाड़ियों के मानसिक विकास पर विस्तार से जानकारी दी गई। राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस सेमिनार में भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा नियुक्त प्रशिक्षकों को देश के भविष्य के कोच तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। इस सेमिनार का उद्देश्य प्रशिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की कोचिंग स्किल्स से परिचित कराना है ताकि वे अपने-अपने राज्यों में खिलाड़ियों को और बेहतर प्रशिक्षण दे सकें। सेमिनार में द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता जीवनजोत सिंह तेजा एवं भारतीय खेल प्राधिकरण के वरिष्ठ कोच गंगाधर प्रमुख प्रशिक्षक की भूमिका निभा रहे हैं। ये दोनों विशेषज्ञ प्रशिक्षकों को तीरंदाजी से जुड़ी बारीकियां, नवीनतम तकनीकें, बायोमैकेनिक्स, फिटनेस, मानसिक तैयारी एवं खेल मनोविज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दे रहे हैं।

भारत की तन्वी, अंजली, शमना और पूजा महिला वर्ग के क्वार्टरफाइनल में

पुरुष वर्ग में टॉप सीड मिस्र के यासिन शहोदी का विजयी अभियान शुरू

जयपुर, 5 अगस्त। भारत की तन्वी खन्ना, अंजली सेमवाल, शमीना रियाज और पूजा आरती ने मंगलवार को यहां एसएमएस स्टेडियम कोर्ट्स पर खेली जा रहे एचसीएल इंडिया टूर स्क्वैश टूर्नामेंट में अपने- अपने मुकाबले जीत क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। वहीं पुरुष वर्ग में टॉप सीड मिस्त्र के यासिन शहोदी भी आसानी से अंतिम आठ में पहुंच गए।

महिला वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में आज तन्वी खन्ना ने भारत की ही रतिका सीलन को 11-5, 11-3, 11-1 से, अंजली सेमवाल ने ईशा श्रीवास्तव को 3-11, 11-3, 6-11, 12-10, 11-9 से, शमीना रियाज ने अनिका दुबे को 11-8, 11-1, 10-12, 12-10 से और पूजा आरती ने जेनेट विधी को 11-3, 11-4, 11-8 से शिकस्त दे अंतिम आठ में जगह बना ली। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली अन्य खिलाड़ियों में मिस्त्र की नूर खफागी ने भारत की महक तलाती को 11-2, 11-1, 11-3 से, मिस्त्र की

मेन्ना वालिद ने भारत की अराधना पोड़वाल को 11-8, 11-7, 11-9 से, जापान की अकारी मिडोरिकावा ने भारत की उन्नित त्रिपाठी को 11-3, 11-9, 7-11, 11-2 से और मलेशिया की गोह जिन जुआन ने भारत की सुनीता पटेल को 11-3, 11-3, 11-5 से शिकस्त दी।

पुरुष वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त मिस्त्र के यासिन शहोदी ने भारत के अयान वजीर अली को पहला सेट 7-11 से हारने के बाद 11-1, 11-6, 13-11 से शिकस्त दी। श्रीलंका के रविन्दु लस्किरी ने भारत के आर्यवीर दीवान को 11-9, 11-4, 7-11, 11-3 से हरा अंतिम आठ में जगह बनाई। अन्य प्री क्वार्टर मैचों में मिस्त्र के सैफ रेफाय ने भारत के सूरज चन्द को 12-10, 11-7, 11-5 से और जापान के नाओकी हयाशी ने हांगकांग के हार्ली लेम को 11-8, 12-14, 11-9, 11-9 से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष सुरभि मिश्रा ने बताया कि पुरुष और महिला वर्ग के क्वार्टर फाइनल मुकाबले बुधवार को खेले जाएंगे।

टकरावों से भरी सीरीज, ऊंचाईयों से भरी सीरीज

नई दिल्ली, 5 अगस्त। इंग्लैंड में भारत का ग्रीष्मकालीन दौरा एक यादगार सीरीज थी। यह पहली बार था जब किसी एक सीरीज में दो टेस्ट मैच 25 रनों से कम के अंतर से तय हुए। 21वीं सदी की 27 पांच-मैचों की सीरीज में यह सिर्फ चौथी सीरीज थी, जिसके सभी पांचों टेस्ट मैचों में खेल पांचवें दिन तक चला। आख़िरकार, 2-2 के ड्रॉ ने दोनों टीमों को मिली-जुली भावना के साथ छोड़ दिया। आंकड़ों को देखने से पता चलता है कि दोनों टीमों को अलग करना मुश्किल था, चाहे वह बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी । इंग्लैंड का बल्ले से औसत 37.57 रहा, जबकि भारत का इससे थोड़ा बेहतर 39.77 था। इंग्लैंड ने 88 विकेट लिए, जिनका औसत 41.84 रन प्रति विकेट था, जबकि भारत ने 84 विकेट 38.38 के औसत से लिए। हालांकि, ऐसे कई अलग-अलग पहलू थे, जिन्होंने सीरीज में अलग-अलग समय पर हर टीम को फायदा पहुंचाया। यहां उन आंकड़ों पर एक नजर डाली गई है, जो दोनों टीमों के बीच के अंतर को स्थापित करते हैं।

इंग्लैंड में सीरीज बराबर करने के बाद टीम इंडिया घर लौटी वॉशिंगटन सुंदर इम्पैक्ट प्लेयर बने, गंभीर बोले- बहुत खुश हूं

नई दिल्ली, 5 अगस्त। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर की, लेकिन जीत के बाद टीम इंडिया ने कोई बड़ा जश्न नहीं मनाया। खिलाड़ियों ने सोमवार को मैच खत्म होने के बाद अपने परिवारों के साथ समय बिताया और मंगलवार सुबह अलग-अलग बैचों में भारत के लिए रवाना हो गए। मोहम्मद सिराज समेत कई खिलाड़ी मंगलवार को फ्लाइट से दुबई पहुंचे, जहां से वे अपने-अपने शहरों के लिए रवाना होंगे। सिराज हैदराबाद, जबकि अर्शदीप सिंह और शार्दूल ठाकुर भी भारत लौटे। कुछ खिलाड़ी इंग्लैंड में कुछ दिनों के लिए रुक गए हैं।

अर्शदीप और प्रसिद्ध परिवार के साथ घूमने निकले : मैच खत्म होने के करीब चार घंटे बाद अर्शदीप और प्रसिद्ध कृष्णा को लंदन की सड़कों पर अपने परिवारों के साथ घूमते हुए देखा गया। कुलदीप यादव, जिन्हें सीरीज में मौका नहीं मिला, पूर्व खिलाड़ी पीयूष चावला के साथ नजर आए। बुमराह को पहले ही आराम के कारण टीम से रिलीज कर दिया गया था।

कोई खास सेलिब्रेशन नहीं हुआ : सूत्रों के अनुसार, कोई खास सेलिब्रेशन नहीं हुआ। सीरीज काफी लंबी और थकाऊ रही। खिलाड़ी अपने परिवारों के साथ या अकेले समय बिता रहे थे। ज्यादातर खिलाड़ी भारत लौट चुके हैं, कुछ छुट्टियां मना रहे हैं। अब टीम इंडिया की अगली चुनौती अगले महीने में एशिया कप होगी।

वॉशिंगटन सुंदर बने इम्पैक्ट प्लेयर : पांचवें टेस्ट में भारत की 6 रन से रोमांचक जीत के बाद वॉशिंगटन सुंदर को सीरीज का इम्पैक्ट प्लेयर चुना गया। इस दौड़ में मोहम्मद सिराज, शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा भी थे, लेकिन सुंदर के प्रदर्शन ने उन्हें सबसे आगे रखा। सीरीज में सुंदर ने लगातार चार टेस्ट खेले।

विवेक जैन ने यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रस को फतह किया

डॉ. नीरज कुमार पवन की मदद से पूरा किया अभियान

जयपुर, 5 अगस्त। जयपुर के विवेक जैन ने राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद की सहायता से यूरोप की सबसे उंची चोटी मांउट एलब्रस पर कारगिल दिवस 26 जुलाई को भारतीय तिरंगा फहराया। रूस में स्थित यह चोटी 5642 मीटर की उंचाई पर है।

डॉ. नीरज के पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग एवं अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद ने विवेक जैन की मदद की। विवेक जैन को खेल परिषद

द्वारा आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई थी, जिससे इन्हे अपने अभियान को पूर्ण करने में सहायता मिले। कश्मीर के पहलगांव में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मांउटेनियरिंग से टेनिंग लेने वाले विवेक ने बताया कि भारत में मांउटेनियरिंग के पांच इंस्टीट्यूट है, जो सभी आर्मी के अंडर में कार्य करते है। विश्व में सात कन्टीनजेन्ट है। जिसमें हाईएस्ट चोटी पर तिरंगा झंडा फहराया। इस अभियान में 11 लोगो की टीम थी, जिसके वे एक सदस्य थे। माउंट एवरेस्ट फतह करने वाले समीर पाथम इस दल को लेकर गये थे। इससे पहले विवेक ने कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश की चोटियों को फतह किया।

ट्रंप ने दवाओं पर 250 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी

वर्ष 2020 में भारत ने 6500 करोड़ रुपये की दवायें अमेरिका भेजी थीं

■ ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिका फार्मा प्रोडक्ट्स के लिये भारत व चीन पर निर्भर नहीं रहे। अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली दवायें वहीं बनाई जायें।

नई दिल्ली, 05 अगस्त। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स पर ढ ाई सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। दरअसल, सीएनबीसी को दिए एक इंटरव्यू में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह फार्मास्यूटिकल्स पर शुरू में छोटा टैरिफ लगाएंगे, लेकिन बाद में इसे बढ ाकर डेढ सौ प्रतिशत और उसके बाद ढ ाई सौ प्रतिशत तक कर देंगे। उन्होंने यह टैरिफ एक से डेढ साल में बढ ाने की बात कही है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दवाइयां अमेरिका में ही बनाई जाएं। उनका कहना है कि वे चाहते हैं कि अमेरिका फार्मा प्रोडक्ट्स के लिए ज्यादा विदेशी देशों पर निर्भर न रहे, खासकर भारत और चीन पर। इस समय अमेरिका फार्मा प्रोडक्ट्स के लिए भारत पर काफी निर्भर है। डॉनल्ड ट्रंप के इस ऐलान से भारतीय फार्मा सेक्टर पर बड़ा असर पड़ सकता है।

भारत और अमेरिका के बीच फार्मास्यूटिकल सेक्टर में बड़ी डील होती है। दरअसल, भारत बड़ी मात्रा में अमेरिका को दवाइयां सप्लाई करता है, जिनमें जेनेरिक दवाइयां, वैक्सीन और एक्टिव इंग्रेडिएंट्स शामिल होते हैं। 2020 के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो भारत ने अमेरिका को लगभग 7.5 अरब डॉलर यानी करीब 65,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की दवाइयां भेजी हैं। वहीं, अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, अमेरिका में जो जेनेरिक दवाइयां इस्तेमाल की जाती हैं, उनमें लगभग 40 प्रतिशत से ज्यादा भारत से ही इंपोर्ट की जाती हैं। अब डोनाल्ड ट्रंप के इस ऐलान के बाद भारतीय फार्मास्यूटिकल सेक्टर पर बड़ा असर पड़ सकता है। अगर ट्रंप भारत की दवाओं पर ढ ाई सौ प्रतिशत तक टैरिफ लगाते हैं, तो कंपनियों को अमेरिका में अपने प्रोडक्ट्स की कीमतों को दोगुना करना पड़ेगा। कीमतें बढ जाने से अमेरिका के लोग इन दवाओं को खरीदना कम कर देंगे, जिससे कंपनियों के मुनाफे में भारी कमी देखने को मिलेगी। हालांकि अब भारतीय कंपनियां अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग बढ ाने पर भी जोर दे सकती हैं। भारत जेनेरिक दवाएं सबसे ज्यादा बनाता है क्योंकि ये दवाएं सबसे सस्ती और उतनी ही असरदार होती हैं। अमेरिका में ज्यादातर डॉक्टर इन्हीं दवाओं को लिखते हैं।

कावड़ यात्रा में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धाम में भगदड़ मच गई। घबराहट और अत्यधिक भीड़ के चलते दो महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई है, जबकि दो महिलाओं की हालत गंभीर है। वहीं 8 से 10 लोगों का स्वास्थ्य खराब होने के चलते उन्हें भी जिला अस्पताल पहुंचाया गया है।

खड़गे-राहुल-प्रियंका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और चिंताजनक है। मैं प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और लापता लोगों के जल्द से जल्द मिलने की आशा करता हूं। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि राहत कार्यों में प्रशासन का सहयोग और ज़रूरतमंदों की हर संभव मदद करें। वाड्रा ने कहा उत्तरकाशी में बादल फटने की घटना में कुछ लोगों की मृत्यु और बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने का समाचार सुनकर मन को अत्यंत दुख पहुंचा। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें।

रूस ने ट्रंप की भारत को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने आगे कहा, "हम मानते हैं

कि संप्रभु देशों को यह अधिकार होना चाहिए, और होता भी है कि वे अपने व्यापारिक साझेदार और व्यापार एवं आर्थिक सहयोग के स्वरूप खुद तय करें, जो उनके राष्ट्रीय हित में हों।"

ट्रंप की धमकियों के चलते भारत सरकार बैकफुट पर नजर आई और रणनीतिक बदलाव करते हुए, डोभाल और जयशंकर को मास्को भेजने का निर्णय लिया। दोनों अधिकारी इस महीने मास्को की यात्रा पर जायेंगे तथा अमेरिका के बढ़ते दबाव के बावजूद, भारत-रूस रणनीतिक संबंधों की मजबूती की पुष्टि करेंगे।

डोभाल इसी सप्ताह मास्को जाएंगे, जबकि जयशंकर के इस महीने के अंत में जाने की संभावना है।

ये दोनों यात्राएं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा से पहले हो रही हैं, वे वार्षिक द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के सिलसिले में भारत आईं। साथ ही, ये यात्राएं शंघाई सहयोग संगठन के नेताओं के शिखर सम्मेलन से भी पहले हो रही हैं, जो 31 अगस्त से 1 सितंबर तक चीन में आयोजित होना है। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन दोनों आमंत्रित हैं।

डोभाल की यात्रा के दौरान यह स्पष्टता आने की उम्मीद है कि भारत रूस से कच्चे तेल की आपूर्ति को कैसे आगे बढ़ाएगा, खासकर जब ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि मास्को भारत को और सस्ती दरों पर तेल दे सकता है।

दिसंबर 2022 से रूस के कच्चे तेल की अधिकतम कीमत पर प्रति बैरल 60 अमेरिकी डॉलर निर्धारित है, जिसे जी7 देशों ने तय किया था। हालांकि, इस मूल्य सीमा की आलोचना भी हुई, क्योंकि यह अपेक्षित लक्ष्य को हासिल करने में काफी हद तक अप्रभावी रही।

ट्रंप ने सोमवार को टुथ सोशल पर की गई एक पोस्ट में भारत पर आरोप लगाया कि वह रूस से तेल खरीदकर लाभ कमा रहा है, जबकि यूक्रेन में लोग मर रहे हैं। भारत न केवल बड़ी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है, बल्कि तेल खरीदने के बाद, उस तेल की बड़ी मात्रा को खुले बाजार में ऊंचे दामों पर बेचकर भारी मुनाफा कमा रहा है। उसे इस बात की कोई परवाह नहीं कि यूक्रेन में कितने लोग रशियन वॉर मशीन द्वारा मारे जा रहे हैं। इसी कारण, मैं भारत पर अमेरिका को दिए जाने वाले शुल्क में भारी वृद्धि करूंगा। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद!!!

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि शुक्रवार से वे रूस और उसके ऊर्जा निर्यात खरीदने वाले देशों पर नए प्रतिबंध लगाएंगे, रूस यूक्रेन में साढ़े तीन साल से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाता। समय सीमा नज़दीक आ जाने के बावजूद, रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने अपने रूख में परिवर्तन के कोई संकेत नहीं दिये हैं।

हालांकि ट्रंप ने शुल्क वृद्धि के स्पष्ट विवरण नहीं दिए हैं, लेकिन उन्होंने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत टैक्स लगाने की योजना घोषित की है और अतिरिक्त दंडात्मक कार्रवाई के भी संकेत दिए हैं।

ट्रंप के शीर्ष सलाहकार स्टीफन मिलर ने रविवार को दावा किया कि भारत अप्रत्यक्ष रूप से रूस के युद्ध की फंडिंग कर रहा है। उन्होंने कहा है, "राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यह स्वीकार्य नहीं है कि भारत रूस से तेल खरीदकर इस युद्ध को वित्तपोषित करता रहे।"

नई दिल्ली ने ट्रंप की धमकियों को "अनुचित" बताते हुये खारिज कर दिया है और अपने आर्थिक हितों की रक्षा करने का संकल्प व्यक्त किया है। दो भारतीय सरकारी अधिकारियों ने रॉयटर्स को बताया कि भारत अमेरिकी चेतावनियों के बावजूद, रूसी तेल की खरीद जारी रखेगा, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव और गहरा गया है।

बार-बार ब्याज दर घटाने ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजकोषीय नीति भी गिरते कर राजस्व और सीमित बजटीय गुंजाइश के कारण बंधी हुई है, जिससे पूरा बोझ मौद्रिक उपायों पर आ गया है।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि "ब्याज दरों में कटौती कोई जादू की छड़ी नहीं है।" उन्होंने जोर देकर कहा था कि किसी भी ठोस आर्थिक पुनरुद्धार के लिए आधारभूत सुधार, जैसे अवसंरचना और कौशल विकास आवश्यक हैं। के ज्योति प्रकाश गाडिया और कोटक महिंद्रा की उपासना भारद्वाज दोनों ने कम से कम 50 आधार अंकों की और कटौती की वकालत की है, यह कहते हुए कि मौद्रिक नीति में अभी भी संभावनाएं हैं-अगर इसे संरचनात्मक और राजकोषीय समर्थन के साथ मिलाया जाए।

एसबीआई के सौम्य कांती घोष और पीरामल के देबोपम चौधरी पहले ही जून में हुई 50 बीपीएस कटौती का सटीक अनुमान लगा चुके थे और अब उनका अनुमान हैं कि अगर महंगाई नियंत्रण में रही, तो रेपो दर 2026 की शुरुआत तक 5 प्रतिशत के करीब आ सकती है। फिर भी, भारत रेटिंग्स के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में ऋण वृद्धि धीरे-धीरे ही बढ़ने की उम्मीद है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में स्वीकार किया कि भले ही केन्द्रीय बैंक ने "महंगाई के खिलाफ लड़ाई जीत ली हो", लेकिन "असली युद्ध अभी बाकी है।" उन्होंने यह भी बताया कि आरबीआई का रुख अब तटस्थ है, जिसका अर्थ है कि आगे की नीतियां महंगाई और विकास के रुझानों पर निर्भर करेंगी, सिर्फ वर्तमान आंकड़ों पर नहीं। मूल बात यह है कि मौद्रिक नीति ने अपना काम कर दिया है, लेकिन भारत की आर्थिक बहाली केवल ब्याज दरों में कटौती से संभव नहीं है। जब तक उपभोक्ता विश्वास नहीं लौटता, व्यापक सुधार नहीं होते, और राजकोषीय समर्थन नहीं मिलता, आरबीआई के कदम ऐसे ही रहेंगे, जैसे ईंधन तो है, पर इंजन स्टार्ट नहीं हो रहा।

उत्तरकाशी में बादल फटा, मात्र 34...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

5 अगस्त को दोपहर करीब 1:50 बजे तहसील भटवाड़ी के हर्षिल थाना क्षेत्र में स्थित खीर गढ़ में पानी का स्तर अचानक बढ़ गया। इससे धराली बाजार क्षेत्र में भारी मलबा आ गया और कई इमारतें, होटल और दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। जान-माल के वास्तविक नुकसान की अलग से जानकारी दी जाएगी। खोज और बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और सेना को सक्रिय कर दिया गया है। पुलिस टीम मौके के लिए रवाना हो चुकी है और एयरफोर्स की मदद प्राप्त करने के लिए हवाई सहायता का अनुरोध भेजा गया है। देहरादून के अधिकारियों ने जानकारी दी कि श्रीनगर मेडिकल कॉलेज, एम्स ऋषिकेश और देहरादून सहित, आसपास के अस्पतालों में बैड आरक्षित कर दिए गए हैं। घटनास्थल के लिए एंबुलेंस भी रवाना कर दी गई हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, धराली के होटल, होमस्टे और मकानों के साथ-साथ, बड़ी संख्या में पेड़ भी नष्ट हो गए हैं। बाढ़ के बाद पूरा इलाका समतल मैदान जैसा दिखने लगा और चारों तरफ मलबा फैल गया।

धराली (उत्तरकाशी) क्षेत्र में बादल फटने से हुए भारी नुकसान की खबर अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित टीमें युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्यों में जुटी हुई हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है, "मैं वरिष्ठ अधिकारियों के लगातार संपर्क में हूं और स्थिति पर पूरी नजर रखी जा रही है। मैं ईश्वर से सभी की कुशलता की प्रार्थना करता हूं।" केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में हुई बादल फटने की इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इस विनाशकारी आपदा में हुये जान-माल के नुकसान पर संवेदना प्रकट की और प्रभावित परिवारों के प्रति सहानुभूति जताई।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री ने एनडीआरएफ और अन्य राहत एजेंसियों को तुरंत सक्रिय होने के निर्देश दिए हैं।

भारत को धमकाने वाले...

■ लेकिन भारत के मामले में ट्रंप जरुरत से ज्यादा आक्रामक हो रहे हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि भारत इतना ताकतवर नहीं है कि उन्हें जवाब दे सके। हालांकि, भारत ने प्रतिरोध जताया, पर, चीन की तुलना में भारत की प्रतिक्रिया बेहद संयमित मानी जा रही है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भीतर भारी टैरिफ लगा देंगे। तथापि, भारत ने कड़ा जवाब देते हुए कहा कि वह देशहित में अपने तेल आयात का निर्णय खुद ले रहा है। विदेश मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका और यूरोपीय संघ खुद भी रूसी उत्पादों का आयात करते रहे हैं, कई बार भारत से भी ज़्यादा।

हालांकि, भारत ने चीन की तरह सीधा पलटवार नहीं किया। चीन ने तो अमेरिकी घोषणा के जवाब में अपने टैरिफ 145 प्रतिशत तक बढ़ा दिए थे। भारत ने अब तक अमेरिका की धमकियों के जवाब में कोई प्रतिकारात्मक कदम नहीं उठाया। असल में ट्रंप की यह टैरिफ की धमकियां उनकी बेबसी का संकेत हैं। वे रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने में असफल रहे हैं, जबकि उन्होंने इसे रोकने का वादा किया था। रूसी राष्ट्रपति ने भी उनकी धमकियों को गंभीरता से नहीं लिया। वास्तव में तो उस समय स्थिति और भी बिगड़ गई जब ट्रंप ने दो परमाणु पनडुब्बियां रूस के खिलाफ रणनीतिक स्थानों पर भेज दीं। इसके जवाब में रूस ने तुरंत दोनों देशों के बीच लंबे समय से चल रही परमाणु हथियार नियंत्रण संधि में अपनी जिम्मेदारियों से साफ तौर पर किनारा कर लिया। परमाणु हथियारों और उनकी तैनाती को लेकर आक्रामक होती बातचीत के बीच रुस की यह कार्यवाही बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अब अमेरिका ने भारत के खिलाफ एक तरह का आर्थिक युद्ध छेड़ दिया है। ट्रंप ने भारत पर रूस को युद्ध में मदद देने का आरोप लगाते हुए भारतीय निर्यात पर बहुत ऊंचा शुल्क लगाने की धमकी दी है। उन्होंने यहां तक कह दिया कि भारत अब रूस की तरह एक "मरी हुई अर्थव्यवस्था" है।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केजरीवाल ने मलिक के निधन पर शोक व्यक्त करते हुये, उन्हें एक बेबाक, निडर, ईमानदार और सत्ता को आईना दिखाने वाला साहसी व्यक्ति बताया। जिन्दगी भर किसानों के हकों की लड़ाई लड़ने वाले सत्यपाल मलिक का जीवन एक साधारण परिवार के लड़के से देश के पांच राज्यों के राज्यपाल पद तक पहुंचने की कहानी है।

आखिर क्यों भतीजे को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को टीएमसी की ओर से दिए गए ज्ञापन में महुआ का नाम शामिल न होने को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हुई थी, जिसमें कल्याण ने उन्हें असभ्य और बदतमीज़ कहा था।

ममता बनर्जी के लिए इससे भी बड़ी चुनौती उनके और भतीजे अभिषेक बनर्जी के बीच का "पीढ़ीगत टकराव" है। यह टकराव कई बार सामने आ चुका है। वर्ष 2021 में अभिषेक ने नेताओं के लिए रिटायरमेंट की उम्र तय करने की बात कही थी, जिसे पार्टी के पुराने नेताओं पर निशाना माना गया। जवाब में ममता ने अभिषेक के करीबी दो नेताओं की सुरक्षा हटवा दी और पुलिस कार्रवाई शुरू कर दी। पिछले साल कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में भी अभिषेक ने सख्त रुख अपनाने की मांग की थी, जबकि ममता इसे शांत ढंग से संभालना चाहती थीं।

अभिषेक की टीएमसी में पकड़ लगातार मजबूत हो रही है। कुणाल घोष और कल्याण बनर्जी जैसे वरिष्ठ नेता भी उन्हें पार्टी का भविष्य मानते हैं। हालांकि ममता अभी तक उन्हें नेतृत्व सौंपने को तैयार नहीं दिखतीं- शायद पार्टी में एकता बनाए रखने के लिए। लेकिन माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव से पहले रणनीति और टिकट वितरण में अभिषेक की अहम भूमिका रहेगी। फिलहाल 70 साल की ममता बनर्जी अपनी "चप्पल" टांगने के मूड में नहीं हैं।

'भारत पर 24 घंटे में ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वह एक तरह सेयुद्ध मशीन को ईंधन दे रहे हैं। हम 25 प्रतिशत पर सहमत हुए हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अगले 24 घंटों में इसे काफी बढ़ा दूंगा।" अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वह भारत से आयात पर लगने वाले टैरिफ को अगले 24 घंटों में मौजूदा 25 प्रतिशत की दर से "काफी" बढ ा देंगे, क्योंकि भारत लगातार रूसी तेल खरीद रहा है। ट्रंप ने सीएनबीसी को दिए एक साक्षात्कार में कहा, "वे युद्ध मशीन को ईंधन दे रहे हैं, और अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, तो मुझे खुशी नहीं होगी।" उन्होंने आगे कहा कि भारत के साथ मुख्य समस्या यह है कि उसके टैरिफ बहुत ज़्यादा हैं। उन्होंने भारत के लिए कोई नई टैरिफ दर नहीं बताई।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908